खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

अधिकतम :26° C
न्यूनतम: 16° C

मेरठ, बुधवार 8 अप्रैल 2026 मेरठ संस्करण: वर्ष 19 अंक 306 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com वैसाख कृष्ण पक्ष 6 विक्रमी सम्वत् 2083 19 शव्वाल 1447 हिजरी

नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

खड़गे का हिमंत पर हमला, लगाए भ्रष्टाचार के आरोप पेज 2

गुजरात को जीत की तलाश, दिल्ली की नजरें जीत की हैट्रिक पर खेल टाइम्स

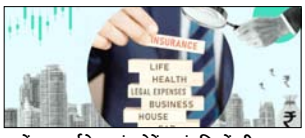

क्यों कम हुई हेल्थ इंश्योरेंस कंपनियों की विश्वसनीयता सम्पादकीय

ईरान समर्थित समूहों का अमेरिकी ठिकानों पर ड्रोन हमला पेज 12

केरल विधानसभा चुनाव से पहले, वायनाड जिले के पदिनजरथारा में कांग्रेस महासचिव और वायनाड सांसद प्रियंका गांधी ने एक नुक्कड़ सभा को संबोधित किया।

लैंगिक समानता के चश्मे से नहीं देखी जा सकती जरूरी धार्मिक प्रथाएं: केंद्र

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में सबरीमाला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश से जुड़े 2018 के फैसले की समीक्षा याचिकाओं पर अंतिम सुनवाई शुरू हो गई है। केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दलील दी कि सभी संवैधानिक प्रश्नों को केवल लैंगिक समानता के दृष्टिकोण से नहीं देखा जा सकता और 10 से 50 वर्ष आयु वर्ग की महिलाओं के प्रवेश पर प्रतिबंध का बचाव किया।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता में नौ न्यायाधीशों की पीठ इस मामले की सुनवाई कर रही है। पीठ में न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना, एमएम सुंदरेश, अहसानुद्दीन अमानुल्लाह, अरविंद कुमार, ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह, प्रसन्ना बी. वराले, आर. महादेवन और जॉयमाल्या बागची शामिल हैं। केंद्र और केरल सरकार ने अपने पक्ष में कहा कि यह प्रतिबंध मंदिर के देवता की प्रकृति से जुड़ा एक आवश्यक धार्मिक आचरण है, जो न्यायिक समीक्षा के दायरे से बाहर है। सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि भारत में धार्मिक विविधता है और विभिन्न धर्मों तथा संप्रदायों की अपनी-अपनी परंपराएं हैं, जिन्हें समझते हुए अदालत को निर्णय करना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि अदालत धार्मिक सिद्धांतों की जांच नहीं कर रही है बल्कि संवैधानिक व्याख्या कर रही है और इसमें विविधता को ध्यान में रखना जरूरी है। गौरतलब है कि 28 सितम्बर 2018 को सुप्रीम कोर्ट की पांच न्यायाधीशों की पीठ ने 4:1 के बहुमत से मंदिर में महिलाओं के प्रवेश पर आयु संबंधी प्रतिबंध हटा दिया था।

■ सुप्रीम कोर्ट में सबरीमाला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश से जुड़े 2018 के फैसले की समीक्षा याचिकाओं पर अंतिम सुनवाई शुरू

जस्टिस नागरत्ना बोलीं: महिला को महीने के तीन दिन 'अछूत' मानें, चौथे दिन नहीं, ऐसा क्यों

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि इस मामले में 'अनुच्छेद 17' यानी छुआछूत के खिलाफ अधिकार पर दलील किस तरह पेश की जाए, यह मेरी समझ से बाहर है। एक महिला होने के नाते मैं यह कहना चाहूंगी कि ऐसा नहीं हो सकता कि हर महीने 3 दिन तक तो महिला को अछूत माना जाए और चौथे दिन अचानक कोई अछूतपन न रह जाए। जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि अगर कोई सामाजिक बुराई है, जिसे धार्मिक प्रथा का नाम दे दिया गया हो, तो अदालत उनके बीच फर्क कर सकती है कि वह एक सामाजिक बुराई है या कोई अनिवार्य धार्मिक प्रथा है। इस पर केंद्र ने कहा कि संवैधानिक दृष्टि से इसका जवाब यह होगा कि इसका समाधान अनुच्छेद 25(2)(ङ) में है, यानी संसद इस पर कानून बना सकती है।

संक्षिप्त समाचार

अमरावती को आंध्र की राजधानी बनाने वाले अधिनियम को राष्ट्रपति की मंजूरी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने अमरावती को आंध्र प्रदेश की नई राजधानी बनाने से संबंधित आंध्र प्रदेश पुनर्गठन (संशोधन) अधिनियम, 2026 को मंजूरी दे दी है। विधि और न्याय मंत्रालय ने एक अधिसूचना जारी कर कहा है कि राष्ट्रपति ने इस अधिनियम को मंजूरी दे दी। अधिसूचना में कहा गया है कि इस अधिनियम को आंध्र प्रदेश पुनर्गठन (संशोधन) अधिनियम, 2026 कहा जा सकता है और यह आगामी 2 जून से लागू माना जाएगा। दो जून से अमरावती विधिवत रूप से आंध्र प्रदेश की राजधानी बन जाएगी।

मणिपुर: बम हमले में दो बच्चों की मौत के बाद हिंसा

इंफाल। मणिपुर के बिष्णुपुर जिले में मोइरंग ट्रॉगलाओबी इलाके में सोमवार देर रात उग्रवादियों ने एक घर में बम फेंक दिया। जिसमें 5 साल के एक लड़के और छह महीने की बच्ची की मौत हो गई। पुलिस ऑफिसर ने बताया कि जब घर में बम फटा, तब बच्चे अपनी मां के साथ बेडरूम में सो रहे थे। मां घायल हैं। स्थानीय लोगों ने घटना के विरोध में मंगलवार सुबह प्रोटेस्ट किया। इलाके में एक पेट्रोल पंप के पास दो ऑयल टैंकर और एक ट्रक में आग लगा दी। उन्होंने मोइरंग पुलिस स्टेशन के सामने टायर जलाए और एक पुलिस चौकी को तोड़ दिया। इसके बाद भीड़ ने घटनास्थल से 100 मीटर दूर सीआरपीएफ कैंप पर भी हमला कर दिया। जवाबी फायरिंग में 2 की मौत हो गई, पांच घायल हो गए।

लश्कर के अंतर राज्यीय आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने प्रतिबंधित संगठन लश्कर-ए-तैयबा के एक अंतर-राज्यीय आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ करते हुए पांच लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें दो संदिग्ध पाकिस्तानी आतंकवादी भी शामिल हैं। पुलिस ने इस मॉड्यूल के पकड़े जाने के संबंध में अभी तक आधिकारिक तौर पर कोई बयान जारी नहीं किया है। पिछले कई हफ्तों से चल रहे एक अभियान के दौरान पुलिस ने जम्मू-कश्मीर के बाहर से लश्कर-ए-तैयबा के दो पाकिस्तानी आतंकवादियों को गिरफ्तार किया।

ईरान में आज रात पूरी सभ्यता होगी खत्म: ट्रम्प

कहा: ईरान की सभ्यता को फिर कभी वापस नहीं लाया जा सकेगा

वाशिंगटन, वार्ता

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मंगलवार रात ईरान की पूरी सभ्यता खत्म करने की धमकी दी है। उन्होंने कहा कि मंगलवार रात एक पूरी सभ्यता खत्म हो जाएगी, जिसे फिर कभी वापस नहीं लाया जा सकेगा।

उन्होंने कहा कि मैं नहीं चाहता कि ऐसा हो, लेकिन शायद ऐसा ही होगा। हालांकि, अब वहां सत्ता पूरी तरह बदल चुकी है, जहां अलग, ज्यादा समझदार और कम कट्टर सोच वाले लोग मौजूद हैं। कौन जानता है कि शायद कुछ बहुत शानदार और क्रांतिकारी हो सकता हो? ट्रम्प ने दावा किया कि मंगलवार रात हम दुनिया के लंबे और जटिल इतिहास के सबसे अहम पल के गवाह बनेंगे। 47 सालों की ज्यादती, भ्रष्टाचार और मौत का सिलसिला आखिरकार खत्म हो जाएगा। ईश्वर ईरान के लोगों की रक्षा करे। अमेरिका और इजरायल ने मंगलवार को ईरान में कई जगहों पर हमला किया। सबसे बड़ा हमला खर्ग आइलैंड पर हुआ, जहां आयल टर्मिनल को निशाना बनाया गया। ईरान का करीब 80 से 90 फीसदी कच्चा तेल यहीं से एक्सपोर्ट होता है। इसी दौरान कोम और कशान में भी पुलों को निशाना बनाया गया। काशान के पास यहयाबाद रेलवे पुल पर हमले में 2 लोगों की मौत हो गई और 3 लोग घायल हुए हैं। इसके अलावा उत्तर-पश्चिम ईरान में तबरीज-जंजान हाईवे के पुल पर भी हमला किया गया। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने चेतावनी दी थी कि अगर ईरान ने मंगलवार को रात 8 बजे (अमेरिका समयानुसार) तक होर्मुज स्ट्रेट नहीं खोला, तो उसके जरूरी ठिकानों पर हमला किया जाएगा। इन हमलों के बाद ईरान ने जवाबी कार्रवाई करते हुए यूएई के शारजाह में हमला किया। ईरान पहले ही कह चुका था कि अब वह चुप नहीं बैठेगा। अमेरिका और उसके सहयोगियों के ठिकानों को निशाना बनाएगा। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा है कि ईरान के साथ चल रहे युद्ध में अमेरिका ने अपने ज्यादातर सैन्य टारगेट हासिल कर लिए हैं।

समयसीमा से पहले ही ईरान पर अमेरिका के ताबड़तोड़ हमले

■ खर्ग द्वीप-पुल को बनाया निशाना, एक साथ 50 ठिकाने तबाह
■ IRGC ने अमेरिका को लक्ष्मण रेखा पार न करने की चेतावनी दी

तेहरान। ईरान के खर्ग द्वीप पर मंगलवार को ताबड़तोड़ हमले किए गए हैं। कोम शहर के पास एक पुल को भी निशाना बनाया गया। आईआरजीसी ने अमेरिका को लक्ष्मण रेखा पार न करने की चेतावनी दी है। प्रांत के डिप्टी गवर्नर मोर्तेजा हंदरी ने जानकारी दी कि मंगलवार को अमेरिका और इजरायल ने ईरान के कोम शहर के पास एक पुल पर हमला किया। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक, खर्ग द्वीप पर 50 ठिकानों को निशाना बनाया गया है। सरकारी टेलीविजन चैनल के अनुसार, तेहरान के दक्षिण में स्थित कोम के बाहर यह हमला हुआ। डिप्टी गवर्नर मोर्तेजा हंदरी ने कहा कि कुछ मिनट पहले कोम की संपर्क लाइनों में आने वाले एक पुल को निशाना बनाया गया। उन्होंने कहा कि यह हमला अमेरिकी और जायनिस्ट दुश्मनों के प्रोजेक्टाइल से किया गया। हमले के बाद इलाके में तनाव बढ़ गया है। ईरान के पूर्वोत्तरी शहर मशहद में रेल सेवाएं अचानक रोक दी गई हैं। यह फैसला सुरक्षा कारणों से लिया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, शहर के गवर्नर ने केंद्रीय रेल स्टेशन से चलने वाली सभी ट्रेनों को तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया है। मेहर न्यूज एजेंसी के अनुसार, यह एक एहतियाती कदम है। अगले आदेश तक यह फैसला लागू रहेगा।

शिक्षामित्रों-अनुदेशकों का मानदेय बढ़ा

योगी सरकार ने दी 49 नए बस अड्डों को मंजूरी

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में 22 अहम प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। बैठक के बाद मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी देते हुए मंत्रियों ने शिक्षा, परिवहन, औद्योगिक विकास समेत कई क्षेत्रों में बड़े निर्णयों की घोषणा की।

कैबिनेट के सबसे महत्वपूर्ण फैसलों में अंशकालिक शिक्षामित्रों और अनुदेशकों के मानदेय में वृद्धि शामिल है। बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने बताया कि शिक्षामित्रों का मानदेय 10,000 रुपये से बढ़ाकर 18,000 रुपये किया गया है। उन्होंने बताया कि अनुदेशकों का मानदेय 9,000 रुपये से बढ़ाकर 17,000 रुपये कर दिया गया है। यह बढ़ोतरी एक अप्रैल से लागू मानी जाएगी और मई से बढ़ा हुआ भुगतान खातों में आना शुरू होगा। प्रदेश में लगभग 1.42 लाख शिक्षामित्र और करीब 24 हजार अनुदेशक कार्यरत हैं। इस निर्णय से राज्य सरकार पर करीब 217 करोड़ रुपये से अधिक का अतिरिक्त वित्तीय भार पड़ेगा। परिवहन क्षेत्र में भी बड़ा फैसला लिया गया है। पीपीपी मॉडल पर 49 नए बस अड्डों के निर्माण को मंजूरी मिली है। पहले चरण में 23 बस अड्डों की प्रक्रिया जारी थी, अब कुल 52 जनपदों को इससे जोड़ा जाएगा। बस अड्डों को एयरपोर्ट जैसी आधुनिक सुविधाओं से लैस किया जाएगा। इसके अलावा हाथरस (सिकंदराराऊ), बुलंदशहर (डिबाई) और बलरामपुर (तुलसीपुर) में विभिन्न विभागों की जमीन बस अड्डा निर्माण के लिए हस्तांतरित करने को भी स्वीकृति दी गई। मंत्री असीम अरुण ने बताया कि 'डा. बीआर अंबेडकर मूर्ति विकास योजना' के तहत समाज सुधारकों की मूर्तियों के आसपास छतरी, बाउंड्री और सौंदर्यकरण का कार्य कराया जाएगा। इसमें डा. भीमराव अंबेडकर सहित अन्य महापुरुषों के स्थल शामिल होंगे। कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि औद्योगिक विकास विभाग से जुड़े 8 निवेश प्रस्तावों को मंजूरी दी गई, जिनमें, शाहजहांपुर में एग्रो केमिकल्स प्लांट (589 करोड़), गोरखपुर में एथेनॉल उत्पादन क्षमता विस्तार (669 करोड़) और बुंदेलखंड व यमुना आर्थोरिटी क्षेत्र में सोलर प्लांट (3805 करोड़) शामिल है।

■ शिक्षामित्रों का मानदेय 10,000 से बढ़ाकर 18,000 रुपये किया गया

रसोई गैस के बाद अब पीएनजी भी महंगी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया संकट के कारण रसोई गैस (एलपीजी) के बाद अब पाइपलाइन के जरिये किचन तक आने वाली प्राकृतिक गैस (पीएनजी) के दाम भी बढ़ गए हैं।

दिल्ली-एनसीआर के साथ कानपुर, मेरठ, अजमेर जैसे कई शहरों में घरों में पीएनजी की आपूर्ति करने वाली कंपनी इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) ने एक अप्रैल से पीएनजी की कीमत बढ़ाकर दिल्ली में 49.59 रुपये प्रति मानक घन मीटर (एससीएम) कर दिया है। इससे पहले एक जनवरी 2026 से इसकी कीमत 47.89 रुपये प्रति एससीएम थी। इस प्रकार राष्ट्रीय राजधानी में पीएनजी 1.70 रुपये प्रति एससीएम महंगी हो गई है। एनसीआर के दूसरे शहरों में भी कीमत 1.70 रुपये प्रति एससीएम बढ़ाई गई है, जबकि दूसरे शहरों में पीएनजी एक रुपये महंगी की गई है। नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद में एक एससीएम पीएनजी की कीमत 47.76 रुपये से बढ़ाकर 49.46 रुपये कर दी गई है। मुजफ्फरनगर, मेरठ और शामली में 48.35 रुपये, किए गए।

■ IGL ने बढ़ाए दाम

एयर इंडिया के टिकट आज से होंगे महंगे

नई दिल्ली। टाटा समूह की विमान सेवा कंपनी एयर इंडिया और उसकी सहायक कंपनी एयर इंडिया एक्सप्रेस ने बुधवार 8 अप्रैल से टिकट पर ईंधन शुल्क बढ़ाने की घोषणा की है। एयरलाइंस ने मंगलवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि देश में और वैश्विक स्तर पर विमान ईंधन की कीमतों में पिछले कुछ समय में आई तेजी को देखते हुए ईंधन शुल्क बढ़ाना अनिवार्य हो गया था। घरेलू मार्गों पर 8 अप्रैल या उसके बाद बुक कराई गई टिकटों पर पांच सौ किमी तक की दूरी के लिए 299 रुपये ईंधन शुल्क लगेगा।

मथुरा में सीएम योगी के कार्यक्रम का टेंट आंधी में उड़ा

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। देश के 20 से ज्यादा राज्यों में आज से आंधी-तूफान और बारिश की संभावना है। मंगलवार से नया वेस्टर्न डिस्टर्बेंस सक्रिय हो गया है। बैक-टू-बैक दो सिस्टम एक्टिव होने से मौसम में बदलाव है। यूपी के लखनऊ, मेरठ और गाजियाबाद में मंगलवार दोपहर बारिश हुई।

मथुरा में तेज आंधी से सीएम योगी के कार्यक्रम का टेंट उड़ गया। वहीं राजस्थान के रेगिस्तानी जिले नागौर में बारिश के साथ ओले गिरे। जयपुर, बीकानेर और टोंक में भी तेज बारिश हुई। इधर, मध्य प्रदेश में अगले 3 दिन आंधी-बारिश और ओले गिरने की संभावना रहेगी। ग्वालियर में मंगलवार को बारिश हुई, जबकि 34 जिलों में अलर्ट है। हिमाचल प्रदेश के चंबा में मंगलवार सुबह लैंडस्लाइड से एक निर्माणाधीन पुल टूट गया। भरमौर और होली क्षेत्र को जोड़ने वाला सियूर पुल रावी नदी में समा गया। इसके बाद क्षेत्र के कई गांवों का जिला मुख्यालय से संपर्क टूट गया है। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग, पिथौरागढ़ और चमोली में मंगलवार को बर्फबारी हुई। दिल्ली-एनसीआर में भी मंगलवार को बारिश हुई।

■ राजस्थान के रेगिस्तान में ओले गिरे, मप्र में बारिश, हिमाचल में लैंडस्लाइड से पुल नदी में गिरा

नई दिल्ली: इंडिया गेट पर हल्की बूंदाबांदी के बीच बदले मौसम का लुत्फ उठाते पर्यटक।

कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा के घर पहुंची असम पुलिस

नई दिल्ली। असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी रिंकिकी भुइयां सरमा की ओर से कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा के खिलाफ दर्ज कराई गई प्राथमिकी के सिलसिले में पूछताछ के लिए असम पुलिस की एक टीम श्री खेड़ा के राष्ट्रीय राजधानी स्थित आवास पर पहुंची है।

श्री खेड़ा ने हाल ही में यह आरोप लगाया था कि श्रीमती सरमा के पास तीन विदेशी पासपोर्ट और अमेरिका और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में अघोषित संपत्तियां हैं। मुख्यमंत्री और उनकी पत्नी ने इन आरोपों को पूरी तरह गलत और निराधार बताया था। श्रीमती सरमा ने इन आरोपों पर श्री खेड़ा के खिलाफ असम की क्राइम ब्रांच में प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

■ हिमंत सरमा की पत्नी की प्राथमिकी के बाद जांच के सिलसिले में होगी पूछताछ

संक्षिप्त समाचार

अचानक गोलीबारी में सीआरपीएफ जवान की मौत

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में मंगलवार को दुर्घटनावश गोलीबारी की घटना में केंद्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स (सीआरपीएफ) के एक जवान की मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने बताया कि जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले के चक दयाला गांव के रहने वाले सीआरपीएफ जवान अब्दुल गनी की पुंछ जिले के कामसर स्थित सीआरपीएफ यूनिट मुख्यालय में अपनी ही सर्विस राइफल (आईएनएसएएस) से दुर्घटनावश गोलीबारी में मौत हो गई। पुलिस ने कहा कि गोल. ीबारी की घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

पवन खेड़ा मामले में कांग्रेस का हमला

नई दिल्ली। कांग्रेस संचार विभाग प्रभारी जयराम रमेश ने मीडिया विभाग चेयरमेन पवन खेड़ा के घर मंगलवार दिल्ली पुलिस और असम पुलिस के पहुंचने पर असम सरकार पर जमकर हमला बोला। रमेश ने सोशल मीडिया के माध्यम से कहा कि एक जनहित के मुद्दे पर सवाल उठाने के लिए पुलिस की पूरी फौज लगाना इस बात का प्रमाण है कि असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा घबराए, परेशान और बौखलाए हुए हैं। उन्होंने इसे कानून की उचित प्रक्रिया नहीं, बल्कि राजनीतिक प्रतिशोध बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य की मशीनरी का इस्तेमाल विपक्ष की आवाज को दबाने और डराने के लिए किया जा रहा है, क्योंकि विपक्ष सरकार के 'काले कारनामों' को उजागर कर रहा है। कांग्रेस नेता ने कहा कि जो लोग डराने-धमकाने की राजनीति करते हैं, वही सबसे ज्यादा डरे हुए होते हैं और उनके पास छिपाने के लिए बहुत कुछ होता है।

बारिश: यूपी के 50 जिलों में ऑरेंज अलर्ट

अगले 48 घंटे में बरसात और ओलावृष्टि की संभावना

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। यूपी में अगले 48 घंटे पश्चिमी और पूर्वी दोनों संभागों के लिए भारी हो सकते हैं। प्रदेशभर में आज तेज आंधी के साथ बारिश, बिजली गिरने और ओलावृष्टि की चेतावनी दी गई है। मंगलवार सुबह से नोएडा, गाजियाबाद मेरठ समेत प्रदेश के कई जिलों में काले बादल छाए हुए हैं। कई जगहों पर बादलों की तेज गड़गड़ाहट हो रही है, तो कहीं बारिश भी देखने को मिल रही है।

मौसम विभाग के अनुसार यूपी में अगले 48 घंटे किसानों के लिए बहुत भारी होने वाले हैं। बुधवार 8 अप्रैल को भी पश्चिमी और पूर्वी दोनों ही संभाग में लगभग सभी जगहों पर मेघ गर्जन, वज्रपात, आंधी और तेज बारिश होने का ऑरेंज अलर्ट दिया गया है। दोनों ही संभागों में ओलावृष्टि की भी चेतावनी है, जिससे किसानों की फसलों को नुकसान हो सकता है। यूपी में आज आगरा, मथुरा, हाथरस, अलीगढ़, कासगंज, एटा, मैनपुरी, फिरोजाबाद, इटावा, औरैया और जालौन में

तेज आंधी-तूफान के साथ बारिश और ओले गिरने की चेतावनी दी गई है। कहीं-कहीं बिजली गिरने की भी आशंका है।

इन जिलों में आंधी-बारिश की येलो अलर्ट

नोएडा, गाजियाबाद, मेरठ, हापुड़, बागपत, शामली, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, बिजनौर, महोबा, अमरोहा, सम्भल, बदायूं, फर्रुखाबाद, हरदोई, कानपुर और उन्नाव में

नोएडा, गाजियाबाद, मेरठ, हापुड़, बागपत, शामली, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर समेत 43 जिलों में अलर्ट जारी

आज कुछ स्थानों पर आंधी-बारिश का अलर्ट है, जबकि मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, लखीमपुर खीरी, लखनऊ, सीतापुर, बाराबंकी, गोंडा, बहराइच, श्रावस्ती, अयोध्या, अमेठी, सुल्तानपुर, रायबरेली, प्रतापगढ़, चित्रकूट, बांदा, हमीरपुर, महोबा, झांसी और ललितपुर में एक या दो जगहों पर बारिश हो सकती है। प्रदेश के बाकी हिस्से में आज मौसम सामान्य रहेगा। इन जिलों के लिए कोई चेतावनी नहीं दी गई है। मौसम विभाग के मुताबिक अगले 24 घंटों में प्रदेश के अधिकतम तापमान में 2.4 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी होगी। इसके बाद 6.8 डिग्री की अचानक बढ़ोतरी हो सकती हैं। 9 और 10 अप्रैल को बारिश का सिलसिला थम जाएगा।

मंत्री की करतूतों पर चले बुलडोजर: सपा

शाह टाइम्स ब्यूरो

बस चालकों की ओर से वेतन उठाए जाने के मामले में अखिलेश यादव का सीएम योगी पर हमला, सड़कें धंसी हुई हैं, परिवहन विभाग में भ्रष्टाचार का हुआ खुलासा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के परिवहन विभाग में बगैर बस चलाए चालकों द्वारा वेतन उठाए जाने का मामला सामने आने के बाद समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने योगी सरकार हमला बोलते हुए कहा कि मुख्यमंत्री को बसों पर बुलडोजरष चलाने का नाटक करने के बजाय मंत्री की भ्रष्ट करतूतों पर चलवाने चाहिए।

यादव ने मंगलवार को एक्स पर लिखा कि सब जानते हैं चलेगा (बुलडोजर) नहीं, क्योंकि इस गोरखधंधे का सबसे बड़ा हिस्सा तो 'मुख्य-दान पेटी' में ही आता है। इसीलिए मंत्री पर उनकी 'दया-दृष्टि' आमदनी के आगमन के अनुपात में बनी रहेगी। उन्होंने कहा कि इधर गर्मियों की छुट्टियों में जनता आने-जाने के लिए परेशान है और उधर भाजपाई और उनके संगी-साथी परिवहन विभाग के पहिए खोलकर बेचने में लगे हैं। यही वो कारण है जिसकी वजह से उप्र के विकास की गाड़ी भाजपा के भ्रष्टाचार की मारी धंसी सड़क में धंसकर पूरी तरह ठहर गई है। अखिलेश यादव ने कहा कि यातायात और आवागमन की व्यवस्था का बाधित होना सीधे तौर पर अर्थव्यवस्था पर असर डालता है। उन्होंने कहा कि भाजपाई ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था नहीं, ट्रिलियन डॉलर की अपनी व्यवस्था बनाने में लगे हैं। भाजपा को आम जनता से न कोई मतलब था, न है, न कभी रहेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा जाए तो बस चल पाए, पर चिंता न करें बुरे दिन जानेवाले हैं। गौरतलब है कि परिवहन विभाग में भ्रष्टाचार को लेकर एक बड़ा खुलासा सामने आया है। जानकारी के अनुसार, 1671 ड्राइवर ऐसे पाए गए हैं जो बिना बस चलाए ही वेतन उठा रहे हैं, जबकि करीब 50 प्रतिशत चालकों का रिकॉर्ड शून्य किलोमीटर का दर्ज हुआ है। फिलहाल, इस पूरे मामले पर सरकार या परिवहन विभाग की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

प्रीपेड या पोस्टपेड स्मार्ट मीटर का खुद करें चुनाव

शाह टाइम्स ब्यूरो

केंद्र सरकार और केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण ने जारी किया आदेश

लखनऊ। सरकार ने प्रीपेड स्मार्ट मीटर की अनिवार्यता खत्म कर दी है। अब उपभोक्ता अपनी सुविधा के अनुसार प्रीपेड या पोस्टपेड मीटर चुन सकेंगे, जिससे लाखों लोगों को राहत मिली है। लखनऊ में बिजली बिल और मीटर को लेकर लंबे समय से चल रही बहस में अब उपभोक्ताओं के पक्ष में फैसला आया है।

केंद्र सरकार ने प्रीपेड स्मार्ट मीटर की अनिवार्यता पूरी तरह खत्म कर दी है। अब सिर्फ स्मार्ट मीटर लगाए जाएंगे, लेकिन वे प्रीपेड हों या पोस्टपेड, यह फैसला पूरी तरह उपभोक्ता पर निर्भर करेगा। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) ने यह आदेश जारी किया है। आदेश के मुताबिक जहां संचार नेटवर्क उपलब्ध है, वहां सभी नए और पुराने बिजली कनेक्शनों पर स्मार्ट मीटर लगाए जाएंगे, लेकिन प्रीपेड मोड अब अनिवार्य नहीं रहेगा। उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन के आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में अभी 78 लाख से अधिक स्मार्ट मीटर लग चुके हैं, जिनमें 70 लाख प्रीपेड स्मार्ट मीटर हैं। नए कनेक्शनों पर अब तक अनिवार्य रूप से प्रीपेड मीटर ही लगाए जा रहे थे। राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने इस अनिवार्यता का लगातार विरोध किया था। संसद में उठे सवालों के जवाब में केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने स्पष्ट कहा था कि प्रीपेड मीटर लगाना अनिवार्य नहीं है। यह पूरी तरह उपभोक्ताओं की इच्छा पर निर्भर करता है।

सचिव ने यूपी के डीआईओएस व बीएसए को जारी किए आदेश

अवैध स्कूलों और कोचिंगों पर लगेगा अंकुश

शाह टाइम्स ब्यूरो

अभियान 18 अप्रैल तक चलाया जाएगा, बिना मान्यता स्कूल चलाना पूरी तरह प्रतिबंधित, कठोर कार्रवाई का प्रावधान

लखनऊ। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद ने प्रदेश भर में अमान्य विद्यालयों और नियम विरुद्ध चल रही निजी कोचिंग की गतिविधियों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

मंगलवार को परिषद के सचिव भगवती सिंह आदेश जारी कर सभी जिला विद्यालय निरीक्षकों (डीआईओएस), जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों (बीएसए) और खंड शिक्षा अधिकारियों (बीईओ) को 18 अप्रैल तक विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। परिषद के सचिव भगवती सिंह के स्तर से जारी निर्देश के अनुसार, प्रदेश के विभिन्न जिलों में बिना मान्यता प्राप्त विद्यालयों के संचालन और शिक्षकों के निजी कोचिंग संस्थानों में संलग्न होने की शिकायतें लगातार मिल रही हैं। जबकि इसे शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009, परिषद के विनियमों और कोचिंग नियमन से जुड़े नियमों का उल्लंघन माना गया है। परिषद ने स्पष्ट किया है कि बिना मान्यता विद्यालय चलाना पूरी तरह प्रतिबंधित है और ऐसे मामलों में आर्थिक दंड सहित कठोर कानूनी कार्रवाई का प्रावधान है। साथ ही, मान्यता प्राप्त विद्यालयों के शिक्षकों द्वारा निजी कोचिंग में पढ़ाना भी नियमों के विरुद्ध है, जिस पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। परिषद ने उच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुपालन में कहा है कि शासन स्तर पर पहले ही जिला विद्यालय निरीक्षक की अध्यक्षता में एक समिति गठित की जा चुकी है, जिसमें बीएसए और बीईओ सदस्य हैं। सचिव भगवती सिंह ने कहा कि अभियान के बाद सभी जनपदों को 30 अप्रैल 2026 तक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी। रिपोर्ट में अवैध विद्यालयों की संख्या, उनके खिलाफ की गई कार्रवाई, निजी कोचिंग में शिक्षकों की संख्या व उनके विरुद्ध कदमों का विवरण देना अनिवार्य होगा।

आबकारी विभाग में 722 पदों पर बंपर भर्ती

लखनऊ। यूपी के बेरोजगारों के लिए आबकारी विभाग में सिपाही बनने का सुनहरा मौका है। विभाग ने बंपर वेकेंसी निकाली है। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग ने आबकारी सिपाही मुख्य परीक्षा के लिए आवेदन मांगे हैं। आबकारी सिपाही के 722 पदों के लिए विज्ञापन निक. ाला गया है। सिपाही बनने के लिए इच्छुक इन पदों के लिए आवेदन कर सकते हैं। आबकारी सिपाही मुख्य परीक्षा के लिए केवल वही अभ्यर्थी ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं, जो विज्ञापन में दी गई शर्तों को पूरा करते हैं। प्रारंभिक क्वालीफिकेशन परीक्षा 2025 प्रिलिमनरी एलिजिबिलिटी टेस्ट (पेट 2025) में सम्मिलित हुए हों और उन्हें आयोग की ओर से प्रारंभिक एलिजिबिलीटी परीक्षा 2025 का स्कोर कार्ड जारी किया गया हो। मुख्य परीक्षा के लिए अभ्यर्थी की शॉर्ट लिस्टिंग उनके प्रीलिमनरी एलिजिबिलिटी टेस्ट पेट 2025 के नॉर्मलाइज्ड स्कोर के आधार पर मेरिट के अनुसार की जाएगी।

काम कोर्स
उदास क्यों?
अधिक संतुष्टि, हैरतअंगेज़ पावर, शीघ्रपतन, नपुंसकता, बचपन की गलतियों से हमेशा के लिए छुटकारा।
फोन कर घर बैठे औषधियां डाक द्वारा प्राप्त करें।
ऋषि इन्टरनेशनल
08899787114
09808917010

स्त्री के सामने लज्जित होने से बेहतर है
आज ही इलाज करा लेना खोई हुई मर्दाना ताकत दोबारा प्राप्त करने के लिए आज ही मिलें या फोन करें।
काजीजादा, अमरोहा-UP
हाशमी दवाखाना
9997161320, 8272800800

Cipzer
HEALTH WITH CARE
जॉन्डिस क्योर
लिवर का जिगरी दोस्त
भूख की कमी, बदहज़मी जॉन्डिस, फेटी लीवर, एल्कॉहलिक लिवर डिज़ीज़ आदि से लड़ने की ताकत देता है ताकि आप रहें फिट एण्ड एक्टिव
प्रमुख मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध।
86 8484 5757 info@cipzer.com

अर्थ व्यापार

सेंसेक्स 74616.58
निफ्टी 23123.65

सोना 147000
प्रति 10 ग्राम (24 कैरेट)

चांदी रु. 231000
प्रति किलो

शेयर बाजारों में तेजी जारी सेंसेक्स 510 अंक चढ़ा

मुंबई, वार्ता

घरेलू शेयर बाजारों में मंगलवार को लगातार चौथे दिन तेजी देखी गई और बीएसई का सेंसेक्स 509.73 अंक (0.69 प्रतिशत) चढ़कर 74,616.58 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचक. ांक भी 155.40 अंक यानी 0.68 प्रतिशत की बढ़त में 23,123.65 अंक पर पहुंच गया।

शुरुआती गिरावट के बाद बाजार में तेजी लौट आई। सुबह के कारोबार में सेंसेक्स एक समय 800 अंक से ज्यादा लुढ़क गया था, लेकिन दोपहर बाद कम कीमत पर हुई लिवाली से यह हरे निशान में लौट गया। मझौली कंपनियों में तेजी रही जबकि छोटी कंपनियों में बिकवाली हावी रही। निफ्टी मिडकैप.50 सूचकांक 0. 43 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ। वहीं, स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.06 प्रतिशत फिसल गया। आईटी कंपनियों में दोपहर बाद लिवाली तेज होने से बाजार को समर्थन मिला। धातु, रियलटी, एफएमसीजी, निजी बैंकों और मीडिया कंपनियों के समूहों में भी तेजी रही। वहीं, सार्वजनिक बैंक और टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद समूह गिरावट में रहे। सेंसेक्स की कंपनियों में एचसीएल टेक्नोलॉजीज का शेयर पौने तीन फीसदी ऊपर बंद हुआ।

टीसीएस, इंफोसिस और भारती एयरटेल में भी दो प्रतिशत से अधिक की तेजी दर्ज की गई। सनफार्मा, टेक महिंद्रा, हिंदुस्तान यूनीलिवर, आईटीसी, आईसीआईसीआई बैंक और मारुति सुजुकी के शेयर भी एक से दो प्रतिशत चढ़ गए। टाटा स्टील, एनटीपीसी, बजाज फिनसर्व, कोटक महिंद्रा बैंक, बजाज फाइनेंस और एक्सिस बैंक के शेयर भी हरे निशान में रहे। इंडिगो, अडानी पोर्ट्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा और टाइटन के शेयरों में गिरावट दर्ज की गई।

सोना और चांदी की कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली। सोने-चांदी की कीमतों में मंगलवार को गिरावट दर्ज की गई है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 2 हजार रुपए घटकर 1.47 लाख रुपए आ गया है। इससे पहले यह 1.49 लाख रुपए पर था। एक किलो चांदी 3 हजार रुपए घटकर 2.31 लाख रुपए रह गई।

साल की शुरुआत में सोने में तेजी थी, लेकिन हाल के हफ्तों में मुनाफावसूली और ईरान जंग से गिरावट आई है। अपने उच्चतम स्तर से सोना अब तक 29 हजार सस्ता हो चुका है। चांदी में सोने के मुकाबले ज्यादा उतार-चढ़ाव रहा और यह ऑल टाइम हाई से तेजी से नीचे आई है। चांदी ऑल टाइम हाई से 1.54 लाख सस्ती हो चुकी है। हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। सोने का सही वजन और खरीदने के दिन उसकी कीमत कई सोर्सेज (जैसे इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट) से क्रॉस चेक करें। सोने का भाव 24 कैरेट, 22 कैरेट और 18 कैरेट के हिसाब से अलग-अलग होता है। चांदी असली सिल्वर चुंबक से नहीं चिपकती।

मॉर्गन स्टेनली ने भारत की वृद्धि का अनुमान घटाया

नई दिल्ली, वार्ता

पश्चिम एशिया और पश्चिमी देशों की कठिन परिस्थितियों के मद्देनज वित्त और निवेश के कारोबार में लगे वैश्विक संगठन मॉर्गन स्टेनली ने वित्त वर्ष 2026.27 के लिए भारत के वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में वृद्धि के अनुमान को प्रतिशत 0.30 अंक घटाकर 6.2 प्रतिशत कर दिया है।

इससे पहले संगठन ने 6.5 प्रतिशत की वृद्धि होने का अनुमान लगाया था। मॉर्गन स्टेनली का अनुमान है कि 2026.27 में कच्चे तेल की औसत कीमत 95 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल रहेगी तथा गैस की उपलब्धता एक अतिरिक्त बाधा होगी। मॉर्गन स्टेनली की ताजा रिपोर्ट में कहा गया है कि ईंधन की बढ़ती कीमत और औद्योगिक आपूर्ति में कमी से उत्पादन के संसाधनों की लागत बढ़ रही हैं और चुनिंदा वस्तुओं के उत्पादन में कटौती करनी पड़ रही है। रुपये की कमजोरी के बीच आयातित महंगाई बढ़ रही है। मॉर्गन स्टेनली ने आगे कहा कि उत्पादन की उच्च लागत, मुद्रा की कमजोरी और खाद्य/मुख्य वस्तुओं की कीमतों में मजबूती के कारण वित्त वर्ष 27 में औसत खुदरा मुद्रास्फीति साल-दर-साल आधार पर बढ़कर 5.1 प्रतिशत तक पहुंच जाएगी। तेल की ऊंची कीमतों के कारण वित्त वर्ष 2026.27 में चालू खाते का घाटा (कैड) प्रतिशत लगभग 1.50 अंक बढ़कर जीडीपी के लगभग 2.5 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। मॉर्गन स्टेनली के विश्लेषकों ने कहा है, हाल के वर्षों में पूंजी प्रवाह वित्तपोषण की जरूरतों से पीछे रहा है, इसलिए हमें उम्मीद है कि भुगतान संतुलन लगातार तीसरे वर्ष घाटे में रहेगा, जिससे रुपये पर दबाव बढ़ने की आशंका बढ़ जाएगी। मॉर्गन स्टेनली की भारत संबंधी मामलों की मुख्य अर्थशास्त्री उपासना चाचरा ने बानी गंभीर और श्रेया सिंह के साथ मिलकर लिखा है, इस पृष्ठभूमि में, हमने वित्त वर्ष 2026.27 के लिए अपने वास्तविक जीडीपी अनुमान को प्रतिशत 0.30 अंक घटाकर 6.2 प्रतिशत कर दिया है।

दलित वोट पर टिकी भाजपा सपा-बसपा की उम्मीदें

शाह टाइम्स ब्यूरो

सवर्ण वोटों की नाराजगी के बीच सभी दलों ने कसी कमर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले सियासी तपिश अभी से देखी जा रही है। यूजीसी के नए नियमों को लेकर सवर्ण वोटों की नाराजगी के बीच इस बार सत्ता के केंद्र में दलित वोट बैंक बना हुआ है। प्रदेश की करीब 21 प्रतिशत दलित आबादी न सिर्फ आरक्षित सीटों बल्कि सामान्य सीटों पर भी निर्णायक भूमिका निभाती है। यही कारण है कि भाजपा, सपा और बसपा तीनों ही दल इस वर्ग को अपने पक्ष में करने के लिए पूरी ताकत झोंक रहे हैं।

वर्तमान में यूजीसी के नए नियमों को लेकर सवर्ण समाज के बीच भाजपा के प्रति असंतोष देखा जा रहा है। हालांकि भाजपा इस तरह की नाराजगी से इंकार कर रही है, लेकिन जमीनी स्तर पर यह मुद्दा बातचीत का हिस्सा बन चुका है। इसी बीच विकल्प के तौर पर बसपा सुप्रीमो मायावती के बयान और उनके शासनकाल के कानून-व्यवस्था की चर्चाएं ग्रामीण इलाकों में फिर सुनाई देने लगी हैं। हालांकि चुनाव अभी दूर हैं और राजनी. तिक समीकरण समय के साथ बदल रहते हैं। भाजपा ने पिछले कुछ वर्षों में अपनी रणनीति बदलते हुए गैर-जाटव दलितों जैसे पासी, वाल्मीकि और अन्य समुदायों पर खास फोकस किया है। केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं, जैसे मुफ्त राशन, आवास, शौचालय और आयुष्मान योजना के जरिए भाजपा ने लाभार्थी वर्ग तैयार किया है, जिसे वह वोट में बदलने की कोशिश में है। साथ ही डा. भीमराव अंबेडकर के विचारों और स्मारकों को प्रमुखता देकर पार्टी सामाजिक संदेश भी दे रही है। एक दिन पूर्व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तरफ से पार्टी के स्थापना दिवस के दिन राज्य में डा. अंबेडकर की सभी प्रतिमाओं पर सुरक्षात्मक छत्र देने की घोषणा को इसी रूप से जोड़कर देखा जा रहा है। हालांकि जाटव वोट बैंक में भाजपा की पकड़ अभी भी सीमित मानी जाती है।

यूपी में जाम से निजात पाने के लिए 20 जिलों में सी-आरटीसी योजना लागू

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कृष्णा ने कहा है कि प्रदेश में तेजी से बढ़ते ट्रैफिक जाम की समस्या से निपटने के लिए यातायात निदेशालय द्वारा सी-आरटीसी (सिटी रेड्यूसिंग ट्रैफिक कंजेशन) योजना लागू की गई है। इस योजना के तहत पहले चरण में प्रदेश के 20 जिलों के 172 प्रमुख मार्गों को चिन्हित कर उन्हें जाम मुक्त बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

पुलिस राज्य मुख्यालय के सिग्नेचर बिल्डिंग में मंगलवार को आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में श्री कृष्णा ने कहा कि समस्या के समाधान के लिए योजना के तहत प्रदेश में उन मार्गों को चिन्हित किया गया है, जहां पीक आवर्स में सबसे अधिक जाम लगता है। चिन्हित मार्गों में आगरा, अयोध्या, बरेली, गोरखपुर, कानपुर, लखनऊ, मेरठ, वाराणसी, प्रयागराज सहित 20 जिले शामिल हैं। इन मार्गों पर यातायात को सुचारू बनाने के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार की गई है। उन्होंने कहा कि योजना की सबसे अहम कड़ी 'रूट मार्शल' प्रणाली है। 'एक रूट, एक रूट मार्शल' के सिद्धांत पर प्रत्येक मार्ग के लिए एक जिम्मेदार अधिकारी नियुक्त किया जाएगा, जो उस मार्ग पर यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए पूरी तरह उत्तरदायी होगा। आवश्यकता अनुसार एक अधिकारी को एक से अधिक मार्गों की जिम्मेदारी भी दी जा सकती है। डीजीपी राजीव कृष्णा ने कहा कि इस योजना में एआई आधारित आधुनिक तकनीक का उपयोग किया जा रहा है, जिससे चिन्हित मार्गों पर न्यूनतम, अधिकतम और औसत ट्रैवल टाइम का विश्लेषण किया जाएगा। यह प्रणाली रियल टाइम में जाम की स्थिति को मैप पर प्रदर्शित करेगी, जिससे नोडल अधिकारी अपने स्मार्टफोन के माध्यम से किसी भी समय ट्रैफिक की स्थिति की निगरानी कर सकेंगे। इसके साथ ही पिछले दो माह तक का डेटा भी उपलब्ध रहेगा, जिससे बेहतर रणनीति बनाई जा सकेगी। योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए '5ई मॉडल' एजुकेशन (जागरूकता), इंफोर्समेंट (प्रवर्तन), इंजीनियरिंग (तकनीकी हस्तक्षेप), इंक्रोचमेंट रिमूवल (अतिक्रमण हटाना) और ई-रिक्शा संचालन पर विशेष जोर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पहले चरण में पीक आवर्स के दौरान अधिकतम ट्रैवल टाइम में 20 प्रतिशत तक कमी लाने का लक्ष्य तय किया है।

खड़गे का हिमंता पर हमला लगाए भ्रष्टाचार के आरोप

नई दिल्ली। असम विधानसभा चुनाव मतदान से पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रेस वार्ता कर भारतीय जनता पार्टी सरकार पर निशाना साधा। श्री खड़गे ने राज्य की जनता से अपील की कि वे अपने वोट के जरिए ष्सबसे भ्रष्ट सरकारष को सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाएं। उन्होंने आरोप लगाया कि हिमंता बिस्वा सरमा के नेतृत्व में असम में भ्रष्टाचार बढ़ा है और मुख्यमंत्री केवल अपने निजी हितों को साध रहे हैं।

उन्होंने कहा कि राज्य में ष्सिंडिकेट राजष्चल रहा है, जिसमें जमीन उनके करीबी लोगों और कॉरपोरेट्स को सौंपी जा रही है। कांग्रेस अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि एक तरफ भाजपा नेता भ्रष्टाचार के खिलाफ होने का दावा करते हैं, जबकि दूसरी ओर असम में कथित

भ्रष्टाचार पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही। उन्होंने कांग्रेस नेताओं गौरव गोगोई और पूर्व मुख्यमंत्री तरुण गोगोई का जिक्र करते हुए कहा कि उनका रिकॉर्ड साफ रहा है और उन्होंने कभी इस तरह के आरोपों का सामना नहीं किया। श्री खड़गे ने असम के गायक जुबिन गर्ग से जुड़े मामले में न्याय में देरी का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने में देरी हुई और सवाल उठाया कि आखिर मुख्यमंत्री किसे बचाना चाहते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने वादा किया कि यदि राज्य में कांग्रेस की सरकार बनती है, तो 100 दिनों के भीतर इस मामले में न्याय सुनिश्चित किया जाएगा और दोषियों को सजा दिलाई जाएगी।

भाजपा के तमाम नेता हुए लापता, अतुल प्रधान ने संभाला मोर्चा

- व्यापारियों के साथ खड़े रहने का अतुल प्रधान ने किया वादा
- अतुल बोले सांसद अरुण गोविल को बुलाएं, असली दर्दनाक पिक्चर तो यहां चल रही है!

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। मेरठ के शास्त्रीनगर स्थित सेंट्रल मार्केट प्रकरण को लेकर अब राजनीतिक बयानबाजी भी तेज हो गई हैं। मोदी और योगी की हर वक्त तारीफ करने वाले भाजपा नेता उस समय पूरी तरह लापता दिखाई दिए जब व्यापारियों को अपनी सरकार के नेताओं की सबसे ज्यादा जरूरत थी लेकिन व्यापारियों के आंसू पोंछने के लिए सत्ता पक्ष की तरफ से कोई नहीं पहुंचा। अगर कोई पहुंचा तो हर बार की तरह वहां पर समाजवादी पार्टी के सरधना विधायक अतुल प्रधान पहुंचे। सरधना से समाजवादी पार्टी के विधायक अतुल प्रधान ने व्यापारियों के समर्थन में बयान देते हुए सांसद से हस्तक्षेप करने की मांग की है। अतुल प्रधान ने कहा कि सांसद अरुण गोविल को आगे आकर व्यापारियों की समस्या सुननी चाहिए। उन्होंने कहा कि सांसद को बुलाया जाए, अगर वह मुंबई में भी हों तो विमान पकड़कर मेरठ आएं। उन पर भगवान श्रीराम का तमगा है इसलिए उनकी बात को लोग ज्यादा सुनेंगे। विधायक ने कहा कि वह खुद को एक साधारण व्यक्ति बताते हुए व्यापारियों की आवाज उठा रहे हैं लेकिन सांसद की जिम्मेदारी ज्यादा है। उन्होंने कहा कि उनके नेता अखिलेश यादव ने भी विधानसभा में कहा था कि सांसद अरुण गोविल को सदन में आगे बैठाया जाए। अतुल प्रधान ने व्यापारियों से एकजुट रहने की अपील करते हुए कहा कि आपस में बंटने के बजाय एकजुट रहकर अपनी बात रखें। उन्होंने कहा कि जो सरकार गलत थी उसे जनता ने हटा दिया, लेकिन अब अपनी बात रखने पर भी भाजपा का विरोध माना जाता है। उत्तेजित लहजे में उन्होंने कहा कि अगर विरोध होता है तो होने दें, चाहे किसी भी दल की सरकार क्यों न हो। उन्होंने कहा कि फिल्मों का प्रचार हो रहा है जबकि असली दर्दनाक फिल्म तो सेंट्रल मार्केट में चल रही है। जहां व्यापारी अपनी रोजी-रोटी के संकट से जूझ रहे हैं। विधायक ने यह भी कहा कि अखिलेश यादव ने भरोसा दिलाया है कि उनकी सरकार आने पर नियमों में बदलाव कर व्यापारियों को राहत दी जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने सदन में यह बात भी रखी कि यहां के व्यापारी हमेशा भाजपा के समर्थक रहे हैं, ऐसे में सरकार को उन्हें राहत देनी ही चाहिए।

अतुल प्रधान ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार को घमंड हो गया है और भगवान से प्रार्थना है कि उन्हें सद्बुद्धि मिले। उन्होंने कहा कि मेरठ में भाजपा का पश्चिम क्षेत्र का बड़ा कार्यालय है और यहां अक्सर प्रधानमंत्री की रैली भी होती रहती हैं, ऐसे में सेंट्रल मार्केट के व्यापारियों की आवाज भी सुनी जानी चाहिए।

सेंट्रल मार्केट के व्यापारियों के बीच पहुंचे अतुल प्रधान।

छाती पीटकर अपनी पीड़ा सुनाते सेंट्रल मार्केट के व्यापारी।

सेंट्रल मार्किट में स्कूल अस्पताल समित 44 दुकानें सील, मरीजों को किया जाएगा शिफ्ट

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ में शास्त्रीनगर स्थित सेंट्रल मार्केट में अवैध निर्माण को लेकर बड़ा प्रशासनिक एक्शन तय हो गया है। सुप्रीम कोर्ट के सख्त आदेश के बाद 44 ऐसे निर्माणों को सील किया जाएगा, जिनमें नियमों के विपरीत व्यावसायिक गतिविधियां संचालित हो रही थीं। इन भवनों में स्कूल, अस्पताल, बैंक्वेट हॉल, शोरूम और दुकानें शामिल हैं। आदेश के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया और मध्यरात्रि 2 बजे व्यापारी अपनी दुकानों को खाली करते नजर आए।

सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को हुई सुनवाई में न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और के.वी. विश्वनाथन की पीठ ने स्पष्ट कहा कि आवासीय भूखंडों का व्यावसायिक उपयोग न केवल नियमों का उल्लंघन है, बल्कि यह लोगों की सुरक्षा के लिए भी खतरा है। अदालत ने विशेष रूप से उन स्कूलों और अस्पतालों पर चिंता जताई जो ऐसे भवनों में संचालित हो रहे हैं। कोर्ट का मानना है कि किसी भी आपात स्थिति में यहां पढ़ने वाले बच्चों और इलाज करा रहे मरीजों की जान जोखिम में पड़ सकती है। आवास एवं विकास परिषद की ओर से अदालत को बताया गया कि सेंट्रल मार्केट के 860 भूखंडों में से 44 पूरी तरह व्यावसायिक उपयोग में हैं। इनमें छह स्कूल, छह अस्पताल और चार बैंक्वेट हॉल के अलावा कई दुकानें और शोरूम शामिल हैं। कोर्ट ने इन सभी के खिलाफ सख्त कार्रवाई के आदेश दिए और अस्पतालों में भर्ती मरीजों को अन्य सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट करने की जिम्मेदारी जिला प्रशासन को सौंपी।

जब तक कोर्ट का आदेश न आए तब तक न हो व्यापारियों का उत्पीड़न: शैंकी

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। व्यापारी और समाजवादी पार्टी के नेता शैंकी वर्मा सेंट्रल मार्केट प्रकरण को लेकर लगातार एक्टिव मोड में हैं वह व्यापारियों की हर गतिविधियों में उनके साथ दिखाई दे रहे हैं। बीते दिनों जब सुप्रीम कोर्ट से दुकानें तोड़ने का आदेश आया तब भी शैंकी इसके विरोध में दिखाई दिए और बाद में भी उन्होंने ध्वस्तीकरण का विरोध किया। मंगलवार को आवास विकास के अधिकारियों द्वारा दुकानदारों को अपने प्रतिष्ठान बंद करने के लिए कहा गया जिसके बाद मौके पर व्यापारी नेता शैंकी वर्मा पहुंचे। उन्होंने आवास विकास के जेई से कहा कि जब तक सुप्रीम कोर्ट का आर्डर नहीं आ जाता तब तक व्यापारियों का उत्पीड़न नहीं किया जाए जबरदस्ती दुकान बंद न कराई जाएं। शैंकी ने कहा कि अभी तक व्यापारियों के पास किसी भी तरह का कोई लिखित आदेश नहीं आया है अभी तक आदेश को लेकर भी कोई चीज सामने नहीं आई है तो ऐसे में जबरदस्ती व्यापारियों की दुकान बंद क्यों कराई जा रही है। उन्होंने आवास विकास की इस कार्रवाई पर भी नाराजगी जाहिर की और उन्होंने सेंट्रल मार्केट में खड़े होकर व्यापारियों को एकजुट करने और उन्हें एक साथ रहने की सलाह दी। शैंकी वर्मा ने कहा कि यह कार्रवाई पूरी जिंदगी उजड़ने जैसा है। 9 तारीख को फैसला आना है तब तक व्यापारियों पर होने वाली कार्रवाई सही नहीं है।

मंदिर का दान पात्र तोड़कर लाखों की चोरी

सीसीटीवी में कैद हुए आरोपी, पहले भी हो चुकी है वारदात, सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

शाह टाइम्स संवाददाता

सरधना। बिनौली रोड स्थित प्राचीन शिव मंदिर में सोमवार देर रात चोरों ने बड़ी वारदात को अंजाम देते हुए दानपात्र तोड़कर उसमें रखी लाखों रुपये की नकदी चोरी कर ली। घटना से क्षेत्र में हड़कंप मच गया और मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

मंगलवार सुबह जब मंदिर के पुजारी और स्थानीय लोग पूजा-अर्चना के लिए पहुंचे, तो दानपात्र टूटा हुआ मिला और उसमें रखी नकदी गायब थी। यह देख तुरंत मंदिर कमेटी और स्थानीय लोगों को सूचना दी गई। कुछ ही देर में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता भी मौके पर पहुंच गए और घटना पर नाराजगी जताई। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी दिनेश प्रताप सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। पुलिस ने मंदिर परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, जिसमें कुछ संदिग्ध युवक दानपात्र के पास संदिग्ध गतिविधियां करते हुए दिखाई दिए हैं। पुलिस अब फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास में जुटी है। मंदिर कमेटी के पदाधिकारियों ने बताया कि दानपात्र में श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाई गई नकदी थी, जिसकी अनुमानित रकम लाखों में बताई जा रही है। कमेटी ने इस संबंध में पुलिस को तहरीर देकर जल्द से जल्द खुलासा करने की मांग की है। कमेटी सदस्यों ने यह भी आरोप लगाया कि इससे पहले भी मंदिर में चोरी की घटना हो चुकी है, लेकिन उस समय भी पुलिस कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर सकी थी। लगातार हो रही घटनाओं से श्रद्धालुओं में रोष व्याप्त है और मंदिर की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। मौके पर मौजूद पं. सुरेन्द्र मिश्रा, विनोद जैन, आलोक जैन, विनोद कुमार, संजीव पंवार, अजय गुप्ता, नरेन्द्र सिंह राठी समेत अन्य लोगों ने पुलिस प्रशासन से जल्द आरोपियों को गिरफ्तारी और मंदिर में स्थायी सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की। पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जल्द ही आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। वहीं, क्षेत्र में गश्त बढ़ाने और धार्मिक स्थलों की सुरक्षा कड़ी करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

मंदिर में हुई चोरी की घटना के बाद मौके पर मौजूद भीड़।

हनुमान जयंती पर निकली विशाल शोभायात्रा

शाह टाइम्स संवाददाता

मवाना। भगवान श्री हनुमान जी के जन्मोत्सव के अवसर पर गौरव गुर्जर के कुशल नेतृत्व में भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया। मनमोहक झांकियों के साथ निकली शोभा यात्रा ने पूरे नगर में भ्रमण किया।

उत्सव मंडप मवाना से शुरू हुई शोभायात्रा का उद्घाटन हस्तिनापुर ब्लॉक प्रमुख नितिन पोसवाल वह योगेश प्रमुख ने संयुक्त रूप से नारियल फोड़ कर किया। उत्सव मंडप मवाना से शुरू होकर शोभा यात्रा सुभाष चौक से होती हुई नगर के विभिन्न मार्गों से निकली और शोभायात्रा का समापन नगर पालिका के मैदान में हुआ। शोभा यात्रा में भगवान श्री राम शोभायात्रा, श्री हनुमान, लक्ष्मणजी, माता सीता, गणेशजी, अघोरी की झांकी आकर्षण का केंद्र बनी हुई थी। सिख गटका ग्रुप के सदस्यों ने तलवारबाजी के करतब दिखाये और नासिक ढोल ग्रुप ने अपने ढोल से सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम की संचालन समिति में मुख्य रूप से शोकिंदर गुर्जर, परवीन प्रधान खोड़दयालपुर, मनोज फौजी, नवनीत चौहान गोपाल चौहान, गोविंद गुप्ता, सुभाष गाबा, कुलदीप खटीक, सागर, ऋषिपाल मलिक, अक्षत शेरटी, रोबिन निडावली, महेंद्र प्रधान, जलालपुर जौहर, सोनू बाब्बा मोरना, दीपक धमीजा, तुषार यादव, अमल खटीक, सुरेंद्र फौजी, रजनीश रोहल आदि सैकड़ों समाजसेवी उपस्थित रहे।

प्रगति लिटिल जीनियस प्ले स्कूल में मासूमियत, प्रतिभा और संस्कारों का अद्भुत संगम

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। नेहरू नगर गली नं. 1 स्थित प्रगति लिटिल जीनियस प्ले स्कूल में वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषणा का कार्यक्रम अत्यंत भावनात्मक और उल्लासपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। यह आयोजन केवल परिणाम घोषणा तक सीमित नहीं रहा, बल्कि नन्हें-मुन्ने बच्चों की प्रतिभा, आत्मविश्वास और संस्कारों की सुंदर झलक प्रस्तुत करता हुआ एक यादगार पल बन गया।

कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय के निर्देशक श्री नीरज वर्मा द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुई, जिसने पूरे माहौल को सकारात्मक ऊर्जा और प्रेरणा से भर दिया। इसके बाद बच्चों ने अपने मासूम अंदाज में रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, जिन्होंने उपस्थित अभिभावकों और अतिथियों का दिल जीत लिया। 'लुंगी डांस' पर बच्चों के साथ अभिभावकों की सहभागिता ने कार्यक्रम में आनंद और अपनापन घोल दिया, वहीं योगा नृत्य की प्रस्तुति ने अनुशासन और भारतीय संस्कृति की सुंदर झलक दिखाई, जिसकी सभी ने मुक्तकंठ से प्रशंसा की। इस अवसर पर नीरज वर्मा ने वर्षभर की शैक्षिक और सह-शैक्षिक गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए बच्चों को प्रतीक चिन्ह और प्रमाण-पत्र प्रदान किए। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि बच्चे की पहली पाठशाला उसका परिवार होता है और माता-पिता ही उसकी शिक्षा और संस्कारों की मजबूत नींव रखते हैं। शिक्षा के साथ-साथ अच्छे संस्कार ही बच्चों को एक श्रेष्ठ नागरिक बनाते हैं।

कार्यक्रम का सबसे भावुक क्षण तब आया जब विद्यालय प्रबंधन द्वारा सहयोगी अभिभावकों को शॉल ओढ़ाकर और पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया गया। इस सम्मान ने अभिभावकों और विद्यालय के बीच के स्नेह और विश्वास के रिश्ते को और भी गहरा कर दिया।

विद्यालय की प्रधानाचार्या इन्दु वर्मा एवं मैनेजिंग डायरेक्टर अनुश्री वर्मा ने सभी उपस्थित अभिभावकों, अतिथियों और शिक्षकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बच्चों की प्रगति में सभी का सहयोग अमूल्य है। इस सफल आयोजन में शिक्षिकाओं बबीता, नंदिनी, दिव्या, नेहा, संजना, रीना आदि का विशेष योगदान रहा, जिनके प्रयासों से यह कार्यक्रम इतना भव्य और भावनात्मक बन सका। कार्यक्रम के अंत में हर चेहरे पर मुस्कान और आँखों में गर्व के आँसू थे यह इस बात का प्रमाण था कि यह आयोजन केवल एक समारोह नहीं, बल्कि बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की ओर बढ़ता एक सशक्त कदम है।

सुभारती में विश्व स्वास्थ्य दिवस पर जागरूकता की अनूठी पहल

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय, मेरठ के सुभारती डेंटल कॉलेज एवं अस्पताल के पब्लिक हेल्थ डेंटिस्ट्री विभाग द्वारा विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य जागरूकता को समर्पित विविध कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया गया।

इस क्रम में आदर्श प्राथमिक विद्यालय, गोविंदपुरी, मोदीनगर में दंत परीक्षण एवं उपचार शिविर आयोजित किया गया, जहां बच्चों एवं स्थानीय नागरिकों को निःशुल्क दंत जांच एवं आवश्यक उपचार की सुविधाएं प्रदान की गईं। इसके साथ ही सुभारती डेंटल कॉलेज एवं अस्पताल में ओपीडी मरीजों के लिए 'स्वास्थ्य के लिए साथ आएं, विज्ञान के साथ खड़े रहें' विषय पर एक प्रभावशाली स्वास्थ्य वार्ता आयोजित की गई। कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने स्वास्थ्य के विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं पर प्रकाश डाला। डॉ. सँचित प्रधान ने विश्व स्वास्थ्य दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्वास्थ्य केवल बीमारी का अभाव नहीं, बल्कि शारीरिक, मानसिक और सामाजिक रूप से पूर्ण कुशलता की अवस्था है। हमें प्रतिदिन अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहना चाहिए और जागरूकता फैलाना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। प्रो. (डॉ.) राहुल बंसल अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि हर व्यक्ति को बिना किसी आर्थिक कठिनाई के गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं मिलना उसका अधिकार है। एक सशक्त राष्ट्र के निर्माण के लिए यह आवश्यक है कि स्वास्थ्य सेवाएं सभी तक समान रूप से पहुंचें। वहीं सुभारती डेंटल कॉलेज एवं अस्पताल के प्राचार्य एवं डीन डॉ. निखिल श्रीवास्तव ने मौखिक एवं सामान्य स्वास्थ्य के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि स्वस्थ शरीर की शुरुआत स्वस्थ मुंह से होती है। दांतों और मसूड़ों की नियमित देखभाल न केवल मौखिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाती है, बल्कि यह संपूर्ण शरीर के स्वास्थ्य को भी सकारात्मक रूप से प्रभावित करती है। इस अवसर पर छात्रों ने प्लेकार्ड के माध्यम से मरीजों को स्वास्थ्य संबंधी संदेश दिए तथा जागरूकता बढ़ाने में सक्रिय भूमिका निभाई। कार्यक्रम में डॉ. निखिल श्रीवास्तव, डॉ. वनीता निखिल, डॉ. प्रदीप राघव, डॉ. विवेक राणा, डॉ. नागार्जु, डॉ. रोमा गोस्वामी, डॉ. मयूर कौशिक, डॉ. सँचित प्रधान, डॉ. मोहनीश मुच्छल, डॉ. सुपूर्णा पंडित एवं डॉ. राहुल शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति रही। यह आयोजन न केवल स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने में सहायक रहा, बल्कि समाज को विज्ञान आधारित स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति प्रेरित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी सिद्ध हुआ।

मिशन शक्ति 5.0 में चमका नंगली कठौर का नाम, ग्राम प्रधान ब्रजबाला को मिला भव्य सम्मान

तम्बाकू मुक्त मॉडल गांव बनाने और शिक्षा-स्वास्थ्य में नवाचार के लिए अधिकारियों ने किया सम्मानित

शाह टाइम्स संवाददाता

कठौर। नारी शक्ति के उत्थान और ग्रामीण स्वावलंबन का अनूठा उदाहरण उस समय देखने को मिला जब मिशन शक्ति 5.0 के भव्य आयोजन में मेरठ जनपद के नंगली कठौर गांव की ग्राम प्रधान श्रीमती ब्रजबाला (पत्नी प्रहलाद सिंह) को उनके उत्कृष्ट नेतृत्व और नवाचारों के लिए सम्मानित किया गया। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के नेता. जी सुभाष चंद्र बोस प्रेक्षागृह में आयोजित इस कार्यक्रम में जैसे ही उनका नाम सम्मान के लिए पुकारा गया, पूरा सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। समारोह में जिलाधिकारी वी.के. सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अविनाश पाण्डेय (आईपीएस) तथा मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) नुपुर गोयल (आईएएस) ने संयुक्त रूप से ग्राम प्रधान ब्रजबाला को शाल ओढ़ाकर, प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। अधिकारियों ने उनके नेतृत्व को सराहते हुए कहा कि नंगली कठौर आज उत्तर प्रदेश की 58 हजार से अधिक ग्राम पंचायतों के लिए एक आदर्श मॉडल बन चुका है।

अधिकारियों ने कहा कि ब्रजबाला के नेतृत्व में गांव ने विकास की नई परिभाषा गढ़ी है। गांव को उत्तर प्रदेश का पहला तम्बाकू मुक्त मॉडल गांव बनाने का श्रेय भी उन्हें ही जाता है। इसके साथ ही पंचायत सचिवालय में पश्चिमी उत्तर प्रदेश की पहली 24 घंटे संचालित सर्वसुविधा संपन्न हाईटेक लाइब्रेरी स्थापित कर उन्होंने ग्रामीण युवाओं के लिए शिक्षा का नया द्वार खोल दिया है। यह लाइब्रेरी गरीब और मेधावी छात्रों के लिए दिन-रात पढ़ाई करने का एक प्रेरणादायक केंद्र बन चुकी है। इतना ही नहीं, वर्ष 2008 से जर्जर हालत में पड़े स्वास्थ्य उपकेंद्र का भी उनके प्रयासों से जीर्णोद्धार कराया गया। अब इस स्वास्थ्य केंद्र में ग्रामीणों को प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं आसानी से उपलब्ध हो रही हैं, जिससे गांव के लोगों को इलाज के लिए दूर-दराज नहीं जाना पड़ता। सम्मान प्राप्त करने के बाद ग्राम प्रधान ब्रजबाला ने अपनी सफलता का श्रेय गांव के सभी ग्रामवासियों को दिया। उन्होंने कहा कि यह सम्मान केवल उनका नहीं बल्कि पूरे नंगली कठौर गांव का है। उन्होंने भावुक होते हुए कहा कि गांव के हर व्यक्ति के सहयोग और विश्वास से ही तम्बाकू मुक्त गांव का सपना साकार हो सका है।

कार्यक्रम में मौजूद अधिकारियों ने 'नए भारत की नई पंचायत' का उदाहरण बताते हुए कहा कि यह गांव अन्य ग्राम पंचायतों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि एक दृढ़ संकल्पित महिला नेतृत्व कैसे पूरे गांव की तस्वीर बदल सकता है, इसका सबसे अच्छा उदाहरण नंगली कठौर है। मिशन शक्ति 5.0 के इस आयोजन में जिले के विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रति. निधि, छात्र-छात्राएं तथा बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में नारी सशक्तिकरण, शिक्षा और ग्रामीण विकास के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया।

अवैध निर्माण पर गरजा बुल्डोजर

भाजपा के हंगामे के बाद जागी नगर पालिका सरधना, कॉम्प्लेक्स निर्माण ध्वस्त

■ अशोक की लाट क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई, सामान जब्त, नक्शा न मिलने पर काम रुकवाया

शाह टाइम्स संवाददाता

सरधना। नगर में अवैध निर्माण और अतिक्रमण के बढ़ते मामलों के बीच मंगलवार को अशोक की लाट क्षेत्र में नगर पालिका ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक निर्माणाधीन कॉम्प्लेक्स पर बुल्डोजर चलवा दिया। इस कार्रवाई से पहले भाजपा सभासदों और स्थानीय नेताओं ने मौके पर पहुंचकर जमकर हंगामा किया और पालिका प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल खड़े किए। बढ़ते दबाव और शिकायत के बाद हरकत में आई पालिका टीम ने मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्य तत्काल रुकवा दिया और अतिक्रमण को हटाते हुए निर्माण सामग्री भी जब्त कर ली।

शिकायत के बाद मचा हड़कंप, मौके पर जुटी भीड़

अशोक की लाट के पास एक बहुमंजिला कॉम्प्लैक्स का निर्माण कार्य पिछले कुछ दिनों से तेजी से चल रहा था। स्थानीय लोगों का आरोप था कि यह निर्माण बिना स्वीकृत नक्शे और आवश्यक अनुमति के किया जा रहा है। मामले की भनक लगते ही भाजपा सभासदों और नेताओं ने मौके पर पहुंचकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। भाजपा मंडल अध्यक्ष विनोद जैन, आलोक जैन, व्यापारी नेता पंकज जैन, सभासद सुमित वाल्मीकि, संजय सोनी, मंगू प्रधान, पिंकी सोम और तरुण माहेश्वरी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौके पर जुट गए। उन्होंने निर्माण को पूरी तरह अवैध बताते हुए तत्काल कार्रवाई की मांग की और नगर पालिका के खिलाफ नारेबाजी की।

पालिका टीम पहुंची, दस्तावेज न मिलने पर रुका काम

हंगामे की सूचना मिलते ही नगर पालिका की टीम लिपिक विपिन शर्मा के नेतृत्व में मौके पर पहुंची। टीम ने निर्माण कार्य से जुड़े दस्तावेजों की जांच की, लेकिन मौके पर कोई वैध नक्शा या स्वीकृति पत्र प्रस्तुत नहीं किया जा सका। इस पर पालिका अधिकारियों ने निर्माण को नियमों के विरुद्ध मानते हुए तुरंत कार्य रुकवाने के आदेश दिए। साथ ही बुल्डोजर बुलवाकर निर्माण स्थल पर किए गए अतिक्रमण को हटाना शुरू कर दिया गया।

बुल्डोजर की कार्रवाई, निर्माण सामग्री जब्त

पालिका की कार्रवाई के दौरान निर्माणाधीन हिस्सों को आंशिक रूप से ध्वस्त किया गया और मौके पर रखी निर्माण सामग्री जैसे ईंट, सरिया और अन्य सामान को जब्त कर लिया गया। अचानक हुई इस कार्रवाई से क्षेत्र में हड़कंप मच गया और आसपास के लोग बड़ी संख्या में मौके पर एकत्र हो गए।

निर्माण स्वामी को नोटिस, पालिका में पेश होने के निर्देश

पालिका अधिकारियों ने निर्माण स्वामी को सख्त निर्देश दिए हैं कि वह अपने स्वीकृत नक्शे, भूमि संबंधी दस्तावेज और अन्य आवश्यक काग. जात के साथ नगर पालिका कार्यालय में उपस्थित हों। दस्तावेजों की जांच के बाद ही आगे की वैधानिक कार्रवाई तय की जाएगी। यदि निर्माण अवैध पाया गया तो पूर्ण ध्वस्तीकरण और जुर्माने की कार्रवाई भी की जा सकती है।

भाजपा नेताओं का हमला-पालिका की मिलीभगत से पनप रहा अतिक्रमण

भाजपा मंडल अध्यक्ष विनोद जैन ने आरोप लगाया कि नगर में अवैध निर्माण पालिका की लापरवाही और कुछ कर्मचारियों की मिलीभगत से तेजी से बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि बार-बार शिकायतों के बावजूद कार्रवाई नहीं होती, जिससे लोगों का मनोबल बढ़ रहा है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि भविष्य में भी इस तरह की अनियमितताएं सामने आती हैं तो संबंधित कर्मचारियों और अधिकारियों के खिलाफ उच्च स्तर पर शिकायत कर कड़ी कार्रवाई कराई जाएगी।

स्थानीय लोगों में आक्रोश, सख्ती की मांग

स्थानीय नागरिकों ने भी इस मुद्दे पर नाराजगी जताई। लोगों का कहना है कि नगर में जगह-जगह अवैध निर्माण हो रहे हैं, जिससे सड़कें संकरी हो रही हैं और यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रही है। साथ ही भविष्य में सुरक्षा संबंधी खतरे भी बढ़ सकते हैं। नागरिकों ने मांग की कि नगर पालिका केवल शिकायत के बाद ही नहीं, बल्कि नियमित रूप से निगरानी कर ऐसे निर्माणों पर पहले ही रोक लगाए।

कलावती हॉस्पिटल में आयुष्मान योजना के तहत शुरू हुई हड्डी ट्रांसप्लांट सुविधा

अब स्थानीय स्तर पर मिलेगा उन्नत इलाज, पंडित दीनदयाल राज्य कर्मचारी योजना के तहत भी मिलेगा लाभ

डायरेक्टर राहुल शर्मा।

मवाना-हस्तिनापुर रोड पर स्थित कलावती हॉस्पिटल।

शाह टाइम्स संवाददाता

मवाना। क्षेत्रवासियों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक बड़ी राहत भरी खबर सामने आई है। अब मरीजों को हड्डी से संबंधित जटिल ऑपरेशन, विशेष रूप से घुटना (नी-रिप्लेसमेंट) जैसे ट्रांसप्लांट के लिए बड़े शहरों की ओर रुख नहीं करना पड़ेगा। मवाना स्थित कलावती हॉस्पिटल में आयुष्मान योजना के अंतर्गत हड्डी ट्रांसप्लांट की सुविधा शुरू कर दी गई है। इससे गरीब आयुष्मान कार्ड धारकों को भी मुफ्त इलाज का लाभ मिल सकेगा।

हॉस्पिटल प्रबंधन के अनुसार, आयुष्मान भारत योजना के साथ-साथ पंडित दीन दयाल उपाध्याय राज्य कर्मचारी योजना के तहत भी मरीजों को इस सुविधा का लाभ मिलेगा। खास बात यह है कि आयुष्मान कार्ड मरीजों के लिए यह उपचार पूरी तरह निशुल्क किया जा रहा है, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को बड़ी राहत मिलेगी।

हाल ही में हॉस्पिटल में 70 वर्षीय बुजुर्ग मरीज के घुटने का सफल ट्रांसप्लांट किया गया। इस जटिल सर्जरी को अनुभवी ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉक्टर दरुव राज चिकारा ने सफलतापूर्वक अंजाम दिया। ऑपरेशन के बाद मरीज की स्थिति संतोषजनक बताई जा रही है और वह तेजी से स्वस्थ हो रहा है।

हॉस्पिटल की चेयरमैन डॉ. सीता शर्मा एवं डायरेक्टर राहुल शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि क्षेत्र के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना उनका उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि अब स्थानीय स्तर पर ही उच्च स्तरीय हढी ट्रांसप्लांट जैसी सुविधाएं मिलने से मरीजों को समय, पैसा और परेशानी तीनों से राहत मिलेगी।

उन्होंने यह भी बताया कि आयुष्मान योजना और पंडित दीन दयाल राज्य कर्मचारी योजना के अंतर्गत आने वाले पात्र लाभार्थियों को इस सुविधा का पूरा लाभ दिया जाएगा, जिससे स्वास्थ्य सेवाएं और अधिक सुलभ बनेंगी।

स्थानीय लोगों ने भी इस पहल का स्वागत करते हुए इसे क्षेत्र के लिए एक बड़ी उपलब्धि बताया है। अब तक ऐसे ऑपरेशन के लिए मेरठ, दिल्ली या अन्य बड़े शहरों में जाना पड़ता था, लेकिन अब यह सुविधा मवाना में ही उपलब्ध हो गई है, जिससे मरीजों और उनके परिजनों को काफी सहूलियत मिलेगी।

जानी पुलिस ने किया लूट का खुलासा, एक आरोपी गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

जानी खुर्द। कहते हैं कि भरोसा किसी पर भी करो तो भरोसे में इतने भी अंधे ना बनो कि पास में बैठे उस व्यक्ति का चरित्र ही ना दिखाई दे। ऐसा ही मामला सामने आया है। अभी 4 दिन पहले रघुनाथपुर मोड़ पर बाइक सवार तीन बदमाशों ने योगेश नामक व्यक्ति को गाड़ी रोककर उसमें से करीब 2 लाख 10 हजार रुपए लूट लिए थे और घटना को अंजाम देने के बाद फरार हो गए थे जहां पीड़ित ने जानी थाने में मुकदमा पंजीकृत कराया था जिसकी विवेचना प्रभारी निरीक्षक अखिलेश कुमार मिश्रा और सिवाल खास चौकी इंचार्ज नितिन कुमार कर रहे थे जिसमें जांच में सामने आया पीड़ित व्यापारी की एक बीड़ी कंपनी है जिसमें शिव नाम का ड्राइवर उसके यहां काम करता था वह अपने मालिक के साथ जा रहा था जहां इस घटना को करने के लिए उसने यह साजिश रची। पुलिस ने जब इसका खुलासा किया तो अपने साथी अशोक के साथ इस घटना को करने के लिए कहा। अभियुक्त ने पुलिस को बताया कि अपने साथियों के साथ लोकेशन डाली और इसके बाद शिवा के साथियों ने वारदात को अंजाम दिया। लूटी गई रकम में से 15,855 रुपए एक आम के बाग में छिपा दिए थे जिसमें पुलिस ने उसकी निशानीदेही पर बरामद कर लिये।

आरोपी की पहचान शिवा उर्फ सीमांचल उर्फ साजन निवासी मोदीनगर बेगममाबाद के रूप में हुई। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश कर दिया और बाकी आरोपियों की तलाश जारी है।

कल विश्व शांति के लिए होगा नमोकार मंत्र का जाप

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। दुनिया में चल रहे अघोषित तीसरे विश्व युद्ध की विभीषिका से बचाने के लिए जैन समाज के लोग आगे आए हैं। मंगलवार को जैन समाज द्वारा आईआईएमटी में एक प्रेसवार्ता का आयोजन किया गया जिसमें मीडिया से रूबरू होते हुए बताया गया कि गुरुवार को पूरी दुनिया में जहां-जहां जैन समाज के लोग हैं वह सब एकत्र होकर 09 बजे से 09:09 बजे तक एक साथ मिलकर नमोकार महामंत्र का जाप करेंगे जिसका विज्ञान केन्द्र नई दिल्ली में मुख्य आयोजन है और समस्त मीडिया लाइव प्रसारण करेगी। जनपद और महानगर में भी जैन समाज के लोग और जैन समाज के मंदिर खासी तादाद में हैं। प्रत्येक मंदिर में 09 बजे से नमोकार महामंत्र के जाप की विशेष व्यवस्था की गई है। यह महामंत्र हिंसा को अहिंसा में बदलता है यही जैन समाज और नमोकार महामंत्र का मूल है और जैन समाज हमेशा अहिंसक रहा है और हिंसा को रोकने के लिए ही पूरी दुनिया में एक साथ इस महाअनुष्ठान का आयोजन किया जा रहा है जिसमें जैन समाज के अलावा अन्य समाज के लोगों व मीडिया से भी सहयोग की अपील की है।

कटौती के विरोध में संविदा कर्मचारियों ने दिखाई एकजुटता

■ धरना प्रदर्शन के बाद निविदा-संविदा कर्मचारी सेवा समिति ने एमडी पावर को सौंपा ज्ञापन

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। संविदा कर्मचारियों की छटनी के विरोध में कर्मचारियों की एकजुटता दिखाई दी। समस्त कर्मचारियों ने एक मत होकर सरकार के इस निर्णय का जोरदार विरोध करते ऊर्जा भवन पर जोरदार प्रदर्शन करते निर्णय पर पुनर्विचार की मांग की है।

निविदा-संविदा कर्मचारी सेवा समिति ने पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया कि मेरठ शहर सर्किल में संविदा मैनपावर की संख्या में की गई भारी कटौती से कार्य संचालन, पाली व्यवस्था, ब्रेकडाउन अटेंडेंस, क्षेत्रीय कार्य, कर्मचारी सुरक्षा एवं विद्युत आपूर्ति व्यवस्था पर अत्यन्त प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की स्थिति उत्पन्न हो गई है। उन्होंने कहा कि वर्टिकल 2025 में संविदा मैनपावर की संख्या में भारी कटौती की गई थी और उसी समय 55 कर्मचारियों को हटाया जा चुका था तो अब पुन: लगभग 168 कर्मचारियों की अतिरिक्त कटौती किस आधार पर की जा रही है। जब सर्किल द्वारा भेजे गए 645 नग की आवश्यकता का प्रस्ताव भेजा गया था तो केवल 435 मैनपावर ही किस मानक/आधार पर स्वीकृति की गई। जब विद्युत विभाग में कार्य एवं गैंग की संख्या फीडर-वार निर्धारित होनी हैं तो ऐसे में प्रत्येक बिजलीघर पर मात्र 5-6 कर्मचारी रखकर कार्य संचालन कैसे संभव होगा। इसके अलावा उन्होंने कुछ व्यवहारिक समस्याएं भी बताई। उन्होंने कहा कि अधिकांश बिजलीघरों पर 3 से 10 फीडर संचालित हैं। ऐसी स्थिति में अनुबंध नियमानुसार 24 घंटे की तीन शिफ्ट कैसे बनाई जाएगी। कम कर्मचारी से एक से अधिक ब्रेकडाउन, लाइन फॉल्ट, पेट्रोलिंग, उपभोक्ता शिकायत निस्तारण मात्र 5-6 कर्मचारियों के सहारे कर पाना व्यावहारिक रूप से असंभव होगा। कर्मचारियों की संख्या कम होने से कार्य का अधिक दबाव होगा तथा दुर्घटनाओं में प्रत्याशित रूप से बढ़ोत्तरी की संभावनाएं होंगी। इस दौरान कर्मचारी नेता लोकेश ने मीडिया से कहा कि वह संघर्ष करेंगे।

डीएम ने की जनगणना तैयारियों की समीक्षा

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। मंगलवार को विकास भवन सभागार में जिलाधिकारी डॉ. वीके सिंह की अध्यक्षता में जनगणना कार्य में लगे संबंधित समस्त अधिक. ारियो के साथ समीक्षा बैठक आहूत की गई। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा जनगणना कार्य की समीक्षा करते हुये निर्देशित किया गया कि नियमित बैठक की जाये। समस्त अधिक. ारीगण आपसी समन्वय के साथ कार्यों को समयबद्धता के साथ करें। जनगणना ब्लॉक का वर्गीकरण ठीक से कर लिया जाये। प्रगणक एवं सुरवाइजर की नियुक्ति तथा उनके प्रशिक्षण को समयब)ता के साथ पूर्ण कराते हुये कार्यवाही सुनिश्चित करें। चार्ज ऑफिसर एवं अन्य जनपद स्तरीय जनगणना अधिकारी नियमित जनगणना कार्यों की मॉनीटरिंग और त्रुटिरहित कार्यवाही सुनिश्चित करें, लापरवाही किसी भी स्तर पर स्वीकार्य नही है। जनगणना कार्य में किसी प्रकार की समस्या पर अपने वरिष्ठ अधिकारी को तत्काल बताये तथा उसका निराकरण करते हुये कार्यवाही करें। डाटा फीडिंग में सतर्कता बरती जाये तथा त्रुटिरहित समस्त फीडिंग की जाये। जनगणना कार्य हेतु जो तिथियां निर्धारित की गई है उन तिथियो में प्रथम चरण में मकानो की गणना और द्वितीय चरण में जनसंख्या की गणना को समयबद्धता के साथ पूर्ण कराये जाने हेतु समस्त तैयारी कर ली जाये। इसके अलावा उपस्थित अधिकारियो द्वारा उठाये गये बिन्दुओ पर जिला. धिकारी द्वारा समाधान किया गया। इस अवसर पर समस्त एसडीएम, समस्त अपर जनगणना अधिकारी, अपर जिलाधिकारी (वि./रा.), जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी जिला कृषि अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, बीएसए, समस्त खंड शिक्षा अधिकारी, समस्त ईओ, निदेशालय स्तर से नामित अधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण मौजूद रहे।

ऊर्जा भवन में जन सुनवाई का आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लि. द्वारा उपभोक्ताओं की समस्याओं के शीघ्र एवं प्रभावी समाधान को प्राथमिकता देते हुए डिस्कॉम मुख्यालय ऊर्जा भवन मेरठ में प्रबंध निदेशक रवीश गुप्ता (आईएएस) की अध्यक्षता में जन-सुनवाई का आयोजन किया गया। जन-सुनवाई का उद्देश्य उपभोक्ताओं की समस्याओं को सीधे सुनकर उनका त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित करना रहा। जन-सुनवाई के दौरान मेरठ, गाजियाबाद, लोनी एवं मुजफ्फरनगर सहित विभिन्न जनपदों से आए उपभोक्ताओं द्वारा बिलिंग, मीटर, विद्युत आपूर्ति आदि से संबंधित कुल 47 शिकायते प्रस्तुत की गई अधिकारियों ने कई मामलों में मौके पर ही आवश्यक कार्यवाही करते हुए शिकायतों का समाधान किया जिससे उपभोक्ताओं को तुरंत राहत प्राप्त हुई शेष लंबित मामलो के संबंध मे अधिकारियों को निर्देशित किया गया की सभी शिकायतों का निस्तारण समयावधि मे गुणवत्ता एवं पारदर्शिता के साथ सुनिश्चित किया जाए साथ ही प्राप्त शिकायतों की नियमित समीक्षा करते हुए उनके त्वरित समाधान की प्रक्रिया को और अधिक सुदृढ़ बनाया जाए। जन-सुनवाई के दौरान यह भी निर्देश दिए गए की उपभोक्ताओं की समस्याओं के समाधान मे, संवेदनशीलता और जवाबदेही बनाई रखी जाए जिससे की उपभोक्ताओं को बेहतर एवं संतोषजनक सेवाए उपलब्ध कराई जा सके। उपभोक्ताओं की सुविधा को ध्यान मे रखते हुए, डिस्कॉम द्वारा प्रत्येक मंगलवार को संभव कार्यक्रम के अन्तर्गत जन-सुनवाई एवं उपभोक्ता सेवा शिविर आयोजित किए जा रहे हैं जिससे स्थानीय स्तर पर, समस्याओं का शीघ्र समाधान हो सके। जन-सुनवाई मे डिस्कॉम के वरिष्ठ अधिकारियों एवं संबंधित विभागीय अधिकारियों की सक्रिय भागीदारी रही जिसमें संजय जैन निदेशक (वाणिज्य), आशु कालिया निदेशक (कार्मिक एवं प्रशासन), एन.के. मिश्र निदेशक (तकनीकी), स्वतंत्र कुमार तोमर निदेशक (वित्त), देवेन्द्र चन्द्र वर्मा मुख्य अभियन्ता, पीके सिंह मुख्य अभियन्ता, मो. सगीर मुख्य अभियन्ता, गुलाब सिंह मुख्य अभियन्ता, गुरजीत सिंह, मुख्य अभियन्ता, नवनियुक्त मुख्य अभियन्ता मेरठ प्रथम रजनीकांत मिश्र उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त जन-सुनवाई में अनुराग भल्ला अधीक्षण अभियन्ता, अरूण कुमार अधीक्षण अभियन्ता, अभिषेक सिंह अधीक्षण अभियन्ता, मो. अरशद अधीक्षण अभियंता, सोनम सिंह स्टाफ आफिसर, प्रशांत सोनी, सौरभ मंगला एवं अन्य अधिशासी अभियंता, उपखण्ड अधिकारी आदि ने भी सक्रिय योगदान दिया।

तहसील में धारने के बीच भाकियू(अ) के नेता पर लगाए आरोप

मुजफ्फरनगर। मंगलवार को सदर तहसील में भाकियू (अ) का धरना चल रहा था। इसी बीच धरने के पास पहुंचे व्यक्ति ने एक किसान नेता पर गंभीर आरोप लगाने शुरू कर दिए। उक्त व्यक्ति आरोप पर आरोप लगाता गया और लोगों की भीड बढ़ती गई। एक तरफ धरना दे रहे किसानों की भीड थी और उससे कई ज्यादा तहसील आए लोगों की भीड़ हो गए। या यूं कहा जाए कि तमाशगीन यह जानने का प्रयास कर रहे थे कि मामला क्या है? सामने वाला व्यक्ति किसान नेता पर उगाही जैसे गंभीर आरोप लगा रहा था जिसके बाद दोनो ओर से कहासुनी, गहमागहमी शुरू हो गई। धीरे-धीरे माहोल तनावपूर्ण बन गया। जब यह मामला बढ़ने लगा तो पदाधिकारियों ने बीच में आकर दोनो पक्षों को शांत किया। जैसा की लोगों का कहना है कि चरथावल थाना क्षेत्र के गांव नंगला रेई निवासी व्यक्ति ने किसान नेता पर आरोप लगाए थे। औरउक्त व्यक्ति एसडीएम कार्यालय के बाहर चल रहे धरने के बीच ही पहुंच गया और हंगामा करते हुए खुलेआम भ्रष्टाचार का आरोप लगाकर लोगों में हडकंप मचा दिया। आरोप लगाने वाले संजय कुमार का कहना था कि ग्राम नंगला रेई में गैस प्लांट का निर्माण कार्य चल रहा है जिसके लिए उन्होने सभी अनुमति प्राप्त कर रखी है और कार्य ठेकेदार के माध्यम से कराया जा रहा हे शिकायतकर्ता संजय कुमार का आरोप है कि किसान नेता ने कार्य में बाधा डाली। और शिकायत दर्ज कराई और ट्रैक्टर-ट्रॉली और मशीन को भी पकडवा दिया।

वास्तु हाउसिंग फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड

VASTU HOUSING FINANCE

यूनिट 203 और 204, दूसरी मंजिल, 'ए' विंग, नवभारत एस्टेट, जकारिया बंदर रोड, सेवरी (पश्चिम), मुंबई 400015. महाराष्ट्र,

सीआईएन नंबर: U65922MH2005PLC272501

कब्ज़ा नोटिस

जबकि, अधोहस्ताक्षरी वित्तीय संपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण और सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के तहत वास्तु हाउसिंग फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड का प्राधिकृत अधिकारी है और नियम 9 के साथ पठित धारा 13 (12) के तहत उसे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम 2002 ने एक डिमांड नोटिस जारी किया, जिसमें नीचे उल्लिखित उधारकर्ताओं से उक्त नोटिस की प्राप्ति की तारीख से 60 दिनों के भीतर संबंधित नोटिस में उल्लिखित राशि चुकाने का आह्वान किया गया। उधारकर्ताओं द्वारा राशि चुकाने में विफल रहने पर, नीचे उल्लिखित तिथि पर उक्त नियमों के नियम 9 के साथ पठित अधिनियम की धारा 13(4) के तहत मुझे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी ने नीचे वर्णित संपत्ति पर कब्ज़ा कर लिया है।

विशेष रूप से उधारकर्ता और गारंटर और सामान्य रूप से जनता को आगाह किया जाता है कि वे संपत्ति के साथ लेनदेन न करें और संपत्ति के साथ कोई भी लेनदेन नीचे दी गई राशि और उस पर ब्याज के लिए वास्तु हाउसिंग फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड शाखा के शुल्क के अधीन होगा, लागत आदि।

क्र सं	उधारकर्ता, सह-उधारकर्ता का नाम और लोन नं.	मांग सूचना की तिथि एवं राशि	संपत्ति का विवरण	कब्जे की दिनांक और प्रकार
1	नूर. आलम (आवेदक) रवीना (सह-आवेदक) एलपी0000000109536	15-दिसम्बर-25 12-दिसम्बर-25 को रु. 664495/-	गाटा क्रमांक 539 मी, ग्राम असार्थ, परगना-दौखिर, जिला गोंडा, उट्टा असार्थ, गोंडा, उत्तर प्रदेश, 271403, क्षेत्रफल 350 वर्ग फुट, सीमाएँ इस प्रकार हैं: उत्तर- शेष चक मुकीर, दक्षिण- 5 मीटर से नीचे का उपमार्ग, पूर्व- चक सत्य नारायण, पश्चिम- शेष चक मुकीर।	03-अप्रैल-2026 को प्रतीकात्मक कब्ज़ा लिया गया

दिनांक: 08.04.2026
स्थान: गोंडा

प्राधिकृत अधिकारी,
वास्तु हाउसिंग फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि0

सूचना

कैनरा बैंक मवाना से मुर्गी पालन हेतु ऋण सम्बंधित बन्धक मकान व खेती ऋण बन्धक की मूल रजिस्ट्री पुस्तक संख्या 1504 पृष्ठ 28 से 38 क्रमांक 12116 दिनांक 27/12/2004 मकान संख्या 210B DDA जनता FLAT गाजीपुर, दिल्ली व खसरा नं. 73 खाता नं. 00279 ग्राम मीवा मवाना मेरठ के मूल दस्तावेज कहीं गुम हो गये हैं। -धीरज गुजर पुत्र करण सिंह ग्राम मीवा मवाना तहसील, जिला मेरठ।

ट्रेन की चपेट में आकर रिटायर्ड आरपीएफ कर्मी की मौत

छह महीने पहले ही आरपीएफ से हुए थे सेवानिवृत्त, घटना से परिजनों में मचा कोहराम

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। सोमवार रात करीब दस बजे दिल्ली से शामली जा रही पैसेंजर ट्रेन की चपेट में आकर 61 वर्षीय रिटायर्ड RPF कर्मी ब्रजलाल की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि उन्हें संभलने का मौका तक नहीं मिला। उनके दोनों हाथ कटकर धड़ से अलग हो गए थे।

ब्रजलाल मूल रूप से सहारनपुर के रहने वाले थे। वे बरेली में आरपीएफ में तैनात रहे थे। करीब छह महीने पहले ही वे रिटायर्ड हुए थे और परिवार के साथ रहकर समय बिता रहे थे। और किसी काम से वे दिल्ली गए थे। घटना की सूचना पर जीआरपी के एसआई प्रदीप कुमार मौके पर पहुंचे। उन्होंने टीम के साथ ट्रेन के नीचे से फंसे शव को बाहर निकलवाया और परिजनों को सूचना दी। जिसके बाद परिजनों में कोहराम मच गया। यह हादसा बड़ौत रेलवे स्टेशन पर हुआ। बागपत में सोमवार रात बड़ौत रेलवे स्टेशन पर दिल्ली से शामली जा रही पैसेंजर ट्रेन की चपेट में आकर 61 वर्षीय ब्रजलाल की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे ने पूरे परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया और मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। जानकारी के अनुसार ट्रेन नंबर 54057 जो रात 9 बजे दिल्ली से शामली के लिए रवाना होती है, उसी ट्रेन की चपेट में बड़ौत रेलवे स्टेशन पर ब्रजलाल आ गए। हादसा इतना भीषण था कि उन्हें संभलने का मौका तक नहीं मिला। ट्रेन की टक्कर से ब्रजलाल की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। बेटा आदर्श समेत पूरे परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। ब्रजलाल मूल रूप से सहारनपुर जनपद के ओ.जपुरा गली नंबर दो रेलवे कॉलोनी के निवासी थे और बरेली में आरपीएफ में तैनात रहे थे। करीब छह महीने पहले ही वे सेवानिवृत्त हुए थे और परिवार के साथ समय बिता रहे थे। बेटे ने बताया कि वे किसी काम से दिल्ली गए हुए थे। घटना की सूचना पर जीआरपी के एसआई प्रदीप कुमार मौके पर पहुंचे। उन्होंने टीम के साथ ट्रेन के नीचे से शव को बाहर निकलवाया और परिजनों को सूचना दी। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई के बाद शव को परिजनों के सुपुर्द कर दिया। इस मामले में जीआरपी थाने पर तैनात एसआई प्रदीप कुमार ने बताया कि सोमवार की रात 10 बजे दिल्ली से सहारनपुर जाने वाली ट्रेन से एक व्यक्ति के काटने की सूचना प्राप्त हुई थी। मौके पर जाकर जांच की तो जेब में मिले आधार कार्ड व पहचान पत्र के आधार पर उनकी पहचान ब्रजलाल निवासी जनपद सहारनपुर के रूप में हुई। इस संबंध में मृतक के परिजनों को सूचना दी गई थी।

मृतक का फाइल फोटो

स्कूल चलो अभियान के तहत रैली निकालकर किया गया जागरूक

शाह टाइम्स संवाददाता

बडौत। तहसील क्षेत्र के जागोश गांव में उच्च प्राथमिक विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने स्कूल चलो अभियान के तहत गांव की गलियों में मोहल्लों में घूम कर जागरूकता रैली निकाल छात्र-छात्राओं ने अपने संदेश में रैली के दौरान नारे लगाते हुए कहा आधी रोटी खाएंगे फिर भी स्कूल जाएंगे। शिक्षा का यह अभियान लगातार चलाया जाएगा कोई भी बच्चा शिक्षा के प्रति वंचित नहीं रहेगा। इसके प्रति यह संदेश यात्रा गांव-गांव में निकाली जा रहे हैं। छात्र-छात्राओं ने हाथों में बैनर लेकर कहा कि नया सवेरा आएगा। शिक्षा का अलख जगायेगा स्कूल चलो अभियान जागरूकता रैली प्राथमिक विद्यालय से शुरू होकर गांव की गलियों गलियों में निकाली गई। इस रैली का शुभारंभ उच्च प्राथमिक विद्यालय जागोश की मनीषा चौधरी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर सभी बच्चों ने शिक्षा के प्रति जागरूक रहने के लिए आवाहन किया। विद्यालय के बच्चों ने बढ़ चढ़कर स्कूल चलो अभियान जागरूकता रैली में भाग लिया।

परिजनों ने कब्र खोदकर मजदूर के शव को निमाला बाहर, जांच शुरू

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। बड़ौत के पठानकोट मोहल्ले में सोमवार की शाम को हुए 50 वर्षीय मजदूर नाजिम की मौत के बाद हड़कंप मच गया। ससुराल वालों ने बिना पुलिस को सूचना दिए शव को दफना दिया था, लेकिन परिजनों ने इसे मानने से इनकार कर दिया। परिजनों ने कब्र खोदकर शव बाहर निकाला और पत्नी पर हत्या का आरोप लगाते हुए पोस्टमार्टम की मांग की।

नाजिम के भाई आसिक ने बताया कि नाजिम पिछले 15 साल से अपनी पत्नी और बच्चों के साथ मोहल्ले में रहकर मजदूरी करता था। सोमवार रात नाजिम का शव मिला, जिसके चेहरे पर चोट के निशान थे और मुंह से झाग निकल रहा था। इन निशानों ने परिजनों के शक को पुख्ता कर दिया। शव को दफनाए जाने के बाद परिजन भड़क गए। इस बात को लेकर ससुराल पक्ष और मृतक के परिजनों के बीच मारपीट भी हुई। चार बच्चों के पिता नाजिम की संदिग्ध मौत से पूरे मोहल्ले में भय और सनसनी फैल गई है। बड़ौत कोतवाली इंस्पेक्टर दीक्षित कुमार ने इस मामले पर जानकारी देते हुए बताया कि उन्हें तहरीर मिल गई है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मृतक का फाइल फोटो

कांग्रेस नेता अहमद हमीद के समाजवादी पार्टी में शामिल होने की अटकलें तेज

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। उत्तर प्रदेश के बागपत में कांग्रेस नेता अहमद हमीद के समाजवादी पार्टी में शामिल होने की अटकलें तेज हो गई हैं। सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव के साथ उनकी एक तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। अहमद हमीद को कांग्रेस का एक प्रमुख मुस्लिम चेहरा माना जाता है, जिनकी अपने समाज में अच्छी पकड़ है। वह पहले भी विधानसभा चुनाव लड़ चुके हैं, हालांकि उन्हें सफलता नहीं मिल सकी थी।

बागपत में अहमद हमीद को एक बड़े नेता के रूप में जाना जाता है। स्थानीय लोगों का मानना है कि वह जल्द ही समाजवादी पार्टी में शामिल होकर बागपत विधानसभा सीट से अपनी दावेदारी पेश कर सकते हैं। इस तस्वीर के वायरल होने के बाद से बागपत की राजनीतिक गलियों में हलचल बढ़ गई है। सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस के नेता अहमद हमीद से लगातार संपर्क में हैं और उन्हें मनाने का प्रयास कर रहे हैं। हालांकि, अभी तक किसी भी राजनीतिक दल के नेता ने इस मामले पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है।

एक नजर

पफार्म हाऊस के बाहर से बाईक चोरी

शाह टाइम्स संवाददाता

रटौल। सिंघावली अहीर निवासी एक युवक की बाईक पांची के चन्द्र फार्म से चोरी हो गयी पीड़ित नें थानें में तहरीर दी है। सिंघावली अहीर निवासी रिजवान पुत्र युसूफ पांची गांव के चन्द्री फार्म हाऊस में एक शादी में सरीक होने अपनी हीरो डीलेक्स बाईक से आया था बाईक बाहर खड़ी कर वह फार्म हाऊस में चला गया जब वह वापस आया तो उसे बाईक चोरी हुई मिली। पीड़ित नें इधर उधर तलाश भी की लेकिन पता नही चल पाया। पीड़ित नें थानें मे तहरीर दी है। पुलिस जांच में जुटी है।

सभी अभिलेखों का डिजिटलीकरण एवं सुव्यवस्थित रख-रखाव सुनिश्चित किया जाएःडीएम

बागपत। कार्यालय संचालन को अधिक प्रभावी बनाने के लिए जिलाधिकारी ने आवश्यकतानुसार कंप्यूटर ऑपरेटर की तैनाती के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी अभिलेखों का डिजिटलीकरण एवं सुव्यवस्थित रख-रखाव सुनिश्चित किया जाए, जिससे कार्यों में पारदर्शिता और गति आए। तरणताल (स्विमिंग पूल) की व्यवस्थाओं पर विशेष जोर देते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि उसकी नियमित सफाई, जल की गुणवत्ता तथा संपूर्ण रख-रखाव पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि तरणताल परिसर में सुरक्षा की दृष्टि से नियमित रूप से गार्ड की तैनाती सुनिश्चित की जाए। साथ ही, प्रशिक्षित कोच की उपलब्धता भी सुनिश्चित की जाए, जिससे खिलाड़ियों को उचित प्रशिक्षण मिल सके। जिलाधिकारी ने शौचालय एवं वॉशरूम की स्थिति पर असंतोष व्यक्त करते हुए उनके जीर्णोद्धार एवं नियमित साफ-सफाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह बुनियादी सुविधाएं खिलाड़ियों के लिए अत्यंत आवश्यक हैं, अतः इन्हें प्राथमिकता के आधार पर ठीक कराया जाए। बहुउद्देश्यीय क्रीड़ा हॉल एवं तरणताल में सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए सीसीटीवी कैमरों की स्थापना के संबंध में भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि इन स्थानों पर शीघ्र ही सीसीटीवी कैमरे स्थापित कराए जाएं, जिससे निगरानी व्यवस्था मजबूत हो सके। इसके अतिरिक्त, उन्होंने जनपद के सभी तरणतालों में आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए, ताकि अधिक से अधिक खिलाड़ी इनका लाभ उठा सकें। बैठक में सांसद खेल महोत्सव के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रमों की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि ऐसे आयोजनों के माध्यम से अधिक से अधिक युवाओं को खेलों से जोड़ा जाए तथा खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए ठोस कार्ययोजना बनाई जाए। जिलाधिकारी ने जिला युवा कल्याण अधिकारी को निर्देशित किया कि गांव में स्टेडियम व्यवस्थित रूप से रहने चाहिए।

शाह टाइम्स
स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **एस.एन. राना** द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजडू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं 77/3 गर्ग कॉम्पलेक्स ई.के. रोड निकट एन.ए.एस. कालिज, मेरठ (उप्र) से प्रकाशित।
सम्पादकः
एस.एन. राना
*कार्यकारी सम्पादक
आनन्द बत्रा 'सुमन'
☎0121-4005303, 4007303
मुख्यालयः
मोबाइल-9720007290
UPHIN/2007/20661
www.shahtimesnews.com
email:shahtimes2015@gmail.com
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सर्विस रोड़ के चोडीकरण की मांग को लेकर लोगों ने किया धरना प्रर्दशन

शाह टाइम्स संवाददाता

बडौत। नगर के बिनौली रोड पर ओवर ब्रिज के नीचे सर्विस रोड बनाया गया था, बारिश हो जाने के कारण यहां पर पानी भर जाता है, आने-जाने में लोगों ओर मोहल्लेवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। सर्विस रोड चोडीकरण की मांग को लेकर बिनौली रोड पर कॉलोनी के लोगों ने धरना दिया।

धरने पर बैठी महिलाओं ने कहा कि ओवर ब्रिज का निर्माण करके सेतु निगम तो चला गया, मगर समस्या जस की तस अभी भी बनी हुई है। नगर पालिका परिषद ने भी इस समस्या का आज तक कोई समाधान नहीं किया। इस समस्या से बिनोली रोड के लोगों दुकानदारों मोहल्ले वासियों को इस परेशानी से जूझना पड़ रहा है। यहां आए दिन गली में पानी भर जाता है जिससे आने-जाने में लोगों को भारी परेशानी होती है। इसको लेकर नगर पालिका परिषद के खिलाफ मोहल्ले के लोगों का गुस्सा फुट पड़ा। बिनौली रोड के लोगों ने ओवर ब्रिज के पास नाले की बराबर में मोहल्ले की महिलाओं ने पुरुषों के साथ मिलकर नगर पालिका के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए धरना दिया। मौके कोतवाली प्रभारी दीक्षित त्यागी के नेतृत्व में पुलिस बल भी धरना प्रदर्शन करने वालों के बीच में पहुंच गया, मगर सभी प्रदर्शनकारी एसडीएम भावना सिंह को बुलाने की मांग पर अड़ गए एसडीएम मौके पर नहीं पहुंची। उन्होंने सभी प्रदर्शनकारियो को तहसील में बुलाकर बातचीत करने का भरोसा दिलाया, मगर अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शनकारी महिलाएं नगर पालिका परिषद के खिलाफ नारेबाजी करते हुए धरने पर बैठी हुई थी। नगर पालिका अध्यक्ष के खिलाफ भी नारेबाजी की गई। मोहल्ले के लोगों ने बताया कि यहां पर नाले का पानी गलियों में घुस जाता है जिसमें लोगों को आने जाने में असुविधा का सामना करना पड़ता है। नालियों का पानी गलियों में घुसने से कई-कई दिन तक पानी बाहर नहीं निकलता यह नगर पालिका परिषद की घोर उजागर हो रही है। धरना प्रदर्शन् करने वाले लोगों के बीच नगर पालिका परिषद ईओ रस्तोगी वह कई अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने प्रदर्शनकारियों को समझाने का काफी प्रयास किया, मगर प्रदर्शनकारी धरना प्रदर्शन करते रहे। एसडीएम भावना सिंह ने तहसील के अधिकारियों को भेज कर प्रदर्शनकारियों को तहसील में बुलाकर बुधवार को समस्याओं का समाधान करने का भरोसा दिलाया तब जाकर लोगों ने धरने को समाप्त किया। इस मौके पर विक्रांत चौधरी धर्मवीर चौधरी रामपाल सिंह बिजेंद्र चौधरी मनीषा चौधरी रेखा सुमन देवी राखी ओम सिंह सुभाष चौधरी रामधन सुखपाल सिंह सरोज चौधरी निशा चौधरी राखी चौधरी विक्रम सिंह मनोज चौधरी आदि मौजूद रहे।

डीएम की अध्यक्षता में आयोजित हुई जिला खेल विकास एवं प्रोत्साहन समिति की बैठक

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। मंगलवार को जिलाधिकारी अस्मिता लाल की अध्यक्षता में जिला खेल विकास एवं प्रोत्साहन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद में खेल सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण, खिलाड़ियों को बेहतर वातावरण उपलब्ध कराने तथा लंबित कार्यों की प्रगति की गहन समीक्षा की गई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने पूर्व में आयोजित बैठक के मिनट्स (निर्णयों) की बिंदुवार समीक्षा की। कई बिंदुओं पर अपेक्षित प्रगति न पाए जाने पर उन्होंने जिला खेल अधिकारी अमित कुमार के प्रति कड़ी नाराजगी व्यक्त की और स्पष्ट निर्देश दिए कि कार्यशैली में तत्काल सुधार लाया जाए। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप खेल सुविधाओं का विकास प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित किया जाए तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिलाधिकारी ने खेल परिसरों में साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि खेल मैदानों, क्रीड़ा हॉल तथा अन्य परिसरों में नियमित सफाई होनी चाहिए, जिससे खिलाड़ियों को स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण मिल सके। साथ ही, खेल उपकरणों की उपलब्धता एवं उनकी गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने को कहा गया। प्रकाश व्यवस्था की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि खेल परिसर की सभी खराब लाइटों को तत्काल ठीक कराया जाए तथा जहां आवश्यकता हो, वहां अतिरिक्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि खिलाड़ियों को शाम के समय भी अभ्यास में कोई असुविधा न हो।

बाल्मीकि समाज के लोगों ने किया विरोध प्रदर्शन

शाह टाइम्स संवाददाता

बडौत। तहसील क्षेत्र के ग्राम टांडा विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी पीड़ित दलित बाल्मीकि समाज से मिले मंदिर के साधु एवं बाल्मीकि समाज के लोगों प्रदर्शन करते हुए बताया कि हमारी श्मशान एवं मंदिर की सत्तर वर्ष पुरानी भूमि है। दबंगों द्वारा अवैध तरीकों से बाल्मीकि मंदिर एवं शमशान भूमि मुस्लिम बोर्ड में दर्ज करा कर बाल्मीकि मंदिर के साधु सुमारी गिरी को भूमि को खाली कर हर्जाना लेखपाल के माध्यम से नोटिस जारी कराया, जिससे वाल्मीक समाज में भारी रोष है एवं गांव से पलायन को मजबूर है। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के जिला मंत्री सोनू शर्मा राष्ट्रवादी शिव सेना के जिलाध्यक्ष अनुज जैन पीड़ित वाल्मीकि समाज न्याय दिलाने का आवाहन किया। भावादस पश्चिमी उत्तर प्रदेश प्रभारी कृष्ण पाल धीगान ने योगी सरकार से न्याय दिलाने की मांग की। हमारे समाज की भूमि पर यदि किसी ने अवैध कब्जा किया तो गम्भीर परिणाम होगे। एडवोकेट सतेंद्र सौदाई ने इस प्रकरण पर न्याय दिलाने का भरोसा दिया। आ.भा.नव युवक संघ के जिलाध्यक्ष अजय कुमार ने समाज को कानून के अनुसार न्याय में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। इस अवसर पर महामंत्री राममेहर संगठन मंत्री साधुराम सतेंद्र सौदाई सुरेश बिट्टू मोहन धर्मेंद्र प्रमोद विपिन जयवीर निखिल सूद बिजेंद्र अमन धन सिंह तरून सूद कारण बाल्मीकि शिवम वाल्मीकि सौरज शर्मा अरुण ऋषभ आदि उपस्थित रहे।

नौकरी से निकाली गई महिलाओं ने डीएम से की शिकायत

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। औद्योगिक क्षेत्र में बैग बनाने वाली एक फैक्ट्री से नौकरी से निकाली गई महिलाओं ने किसान यूनियन के पदाधिकारियों के साथ जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई है। महिलाओं का आरोप है कि वेतन वृद्धि की मांग करने पर उन्हें नौकरी से निकाल दिया गया और मानसिक उत्पीड़न भी किया जा रहा है।

महिलाओं ने बताया कि वे पिछले एक वर्ष से फैक्ट्री में काम कर रही थीं। जब उन्होंने फैक्ट्री मालिक से वेतन बढ़ाने की बात की, तो तीन महिलाओं को तुरंत नौकरी से निकाल दिया गया। उन्होंने मालिक पर मानसिक उत्पीड़न का भी आरोप लगाया है। किसान नेता अमित जैन ने मीडिया को बताया कि महिलाएं उनसे मिलीं और फैक्ट्री मालिक द्वारा मानसिक उत्पीड़न तथा वेतन वृद्धि के नाम पर नौकरी से निकालने की शिकायत की। इसी शिकायत को लेकर वे महिलाओं के साथ जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे हैं।

जैन ने चेतावनी दी कि यदि महिलाओं को समय पर वेतन और उनकी तनख्वाह में बढ़ोतरी नहीं होती है, तो फैक्ट्री मालिक के खिलाफ आंदोलन की रणनीति तैयार की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि किसान यूनियन महिलाओं के शोषण के खिलाफ हमेशा आवाज उठाएगी।

सूचना

मै सुमित कुमार निवासी दोघट, बागपत ने अपनी पुत्री का नाम श्रिया से बदलकर आरम्या तंवर रख दिया है। भविष्य में इसे इसी नाम से जाना जाये।

सूचना

मेरे पुत्र का आचरण ठीक नहीं है गलत आचरण के चलते मै अपने पुत्र सुहेब से सम्बंध विच्छेद करते हुए अपनी समस्त चल-अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं भविष्य में अपने किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होंगा।
नौशाद पुत्र लतीफ निवासी नौरोजपुर रोड़ आयशा कालोनी बाहरी बस्ती कस्बा बागपत थाना व जनपद बागपत।

सैकड़ो बार शिकायत करने के बावजूद भी समस्या का नहीं हो रहा कोई समाधान

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। भाकियू टिकैत के कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर लुहारी गांव में पक्के नाले के निर्माण की मांग को लेकर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। कार्यकर्ताओ ने बताया कि गांव में जल निकासी की उचित व्यवस्था न होने के कारण उन्हें लंबे समय से भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

विशेषकर बरसात के मौसम में स्थिति और भी गंभीर हो जाती है, जब पूरे गांव में जलभराव की समस्या उत्पन्न हो जाती है। गंदा पानी सड़कों और गलियों में भर जाता है, जिससे आवागमन बाधित होता है और बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को विशेष रूप से दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। कई बार लोग फिसलकर गिर जाते हैं, जिससे चोटिल होने की घटनाएं भी सामने आती रहती हैं। ग्रामीणों ने बताया कि वे इस समस्या को लेकर पहले भी कई बार संबंधित अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से शिकायत कर चुके हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकल सका है। इससे लोगों में प्रशासन के प्रति नाराजगी भी देखी जा रही है। ज्ञापन के माध्यम से ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द से जल्द पक्का नाला निर्माण कराने की मांग की है, ताकि जल निकासी की समुचित व्यवस्था हो सके और गांव को इस गंभीर समस्या से राहत मिल सके।

रिमझिम बारिश से एक तरफ लोगों को गर्मी से मिली राहत, दूसरी तरफ किसानों की बढी चिंता

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। मंगलवार सुबह मौसम ने अचानक करवट ली। हल्की रिमझिम बारिश और ठंडी हवाओं से लोगों को गर्मी से राहत मिली। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ के कारण तापमान में 2 से 4 डिग्री तक गिरावट संभव है।

आसमान में बादलों की आवाजाही के बीच हुई हल्की रिमझिम फुहारों ने लोगों को गर्मी और उमस से बड़ी राहत दी। पिछले कुछ दिनों से बढ़ती तपिश से परेशान लोग सुबह के सुहावने मौसम का आनंद लेते नजर आए। मेरठ, बागपत और मुजफ्फरनगर समेत वेस्ट यूपी के अधिकतर जिलों में सुबह के समय चली ठंडी हवाओं और हल्की बूंदाबांदी ने वातावरण को काफी हद तक ठंडा कर दिया। इससे तापमान में गिरावट दर्ज की गई और मौसम काफी सुहावना हो गया। मेरठ के कृषि विश्वविद्यालय के मौसम वैज्ञानिक डा.यूपी शाही के अनुसार मौसम में यह बदलाव पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव के कारण देखा जा रहा है। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में नमी बढ़ने और बादलों की सक्रियता के चलते तापमान में गिरावट दर्ज की जाएगी। इससे दिन और रात के तापमान के बीच का अंतर भी कम हो जाएगा और लोगों को ठंडक का एहसास होगा। मौसम विभाग के अनुसार बुधवार को भी मौसम का यही मिजाज बने रहने की संभावना है। बीच-बीच में हल्की बारिश या बूंदाबांदी हो सकती है, जबकि आसमान में बादल छाए रहेंगे। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि इस दौरान अधिकतम तापमान में करीब 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट दर्ज की जा सकती है, जिससे गर्मी से राहत बनी रहेगी। मौसम में आए इस बदलाव का असर जनजीवन पर भी साफ दिखाई दिया। सुबह के समय लोग घरों से बाहर निकलकर सुहावने मौसम का आनंद लेते नजर आए, वहीं कई लोगों ने इसे गर्मी से राहत देने वाला मौसम बताया।

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब, (ऑर्डर 5 क़ायदा 1 व 5), न्यायालय तहसीलदार बडौत, (बागपत)। वाद सं.- सन् 2021, रणवीर सिंह आदि बनाम बबीता आदि, अं.धारा-34 उ.प्र.रा.सं.-2006, मौजा कस्बा टीकरी बाहर हदूद।, प्रतिवादी/विपक्षी सं.-1, 1.बबीता पत्नी ब्रजवीर निवासी कस्बा टीकरी, तहसील बडौत, जनपद बागपत।, 2.आर्यन राठी ना.बा.आयु करीब 12 वर्ष पुत्र ब्रजवीर वली व संरक्षक एंव वादमित्र श्रीमती बबीता पत्नी ब्रजवीर निवासी कस्बा टीकरी, तहसील बडौत, जनपद बागपत।, हरगाह प्रार्थी/वादी ने आपके नाम एक विविध वाद सं.-2378 सन 2021 मौजा कस्बा टीकरी बाहर हदूद योजित किया हैं। लिहाजा आपको हुक्म होता हैं कि आप बतारीख 15.04.2026 वक्त 10 बजे दिन के असालतन या मार्फत वकील के जो मुकदमें के हालात से कराकर वाकई वाकिफ किया गया हो और कुल उमूरात अहम मुतलिल्हका मुकदमा का जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और शख्स हो कि जो जवाब ऐसे सवालात दे सके, हाजिर हो। दस्तावेज पेश करे जिन पर आप बताईद अपनी जवाबदेही दे इस्तदमाल करना चाहते हो। आपको इतिला दी जाती हैं कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आप मसमुअ और फैसला होगा।
तहसीलदार बडौत (बागपत)।

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब, (ऑर्डर 5 क़ायदा 1 व 5), न्यायालय उपजिलाधिकारी बडौत, (बागपत)।, वाद सं. -T202511080405807 सन, ओमबीर बनाम श्रीमती अनिता आदि अं.धारा-116/117 उ.प्र.रा.सं.-2006 मौजा-शेरपुर।, प्रतिवादी/विपक्षी सं.-2, 1. श्रीमती राजबाला पत्नी इन्द्रपाल सिंह तोमर निवासी ग्राम बरवाला, तहसील बडौत, जनपद बागपत हाल निवासी मकान सं.-995 टाईप 4 एनएच 4 एन आई टी फरीदाबाद हरियाणा।, हरगाह प्रार्थी/वादी ने आपके नाम एक वाद सं.-405807 सन ...मौजा शेरपुर योजित किया हैं। लिहाजा आपको हुक्म होता हैं कि आप बतारीख 15.04.2026 वक्त 10 बजे दिन के असालतन या मार्फत वकील के जो मुकदमें के हालात से कराकर वाकई वाकिफ किया गया हो और कुल उमूरात अहम मुतलिल्हका मुकदमा का जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और शख्स हो कि जो जवाब ऐसे सवालात दे सके, हाजिर हो। दस्तावेज पेश करे जिन पर आप बताईद अपनी जवाबदेही दे इस्तदमाल करना चाहते हो। आपको इत्तिला दी जाती हैं कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आप मसमुअ और फैसला होगा।
उपजिलाधिकारी बडौत (बागपत)।

हापुड नगर और गढ़मुक्तेश्वर सर्किल चमके, डीआईजी की समीक्षा में हापुड़ पुलिस की सराहना

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। मेरठ परिक्षेत्र में चल रहे 'ऑपरेशन विवेचना' का असर अब जनपद हापुड़ में भी साफ दिखाई देने लगा है। पुलिस उप महानिरीक्षक मेरठ परिक्षेत्र कला. निधि नैथानी द्वारा की गई समीक्षा में हापुड़ जनपद में लंबित विवेचनाओं में कमी दर्ज की गई है, वहीं नगर व गढ़मुक्तेश्वर सर्किल का कार्य विशेष रूप से सराहनीय पाया गया है। डीआईजी द्वारा सीसीटीएनएस पोर्टल के आधार पर 1 मार्च 2026 के सापेक्ष 1 अप्रैल 2026 तक की समीक्षा की गई, जिसमें पूरे परिक्षेत्र में लंबित विवेचनाओं में 9 प्रतिशत की कमी दर्ज हुई। हापुड़ जनपद में भी इस अवधि के दौरान 3 प्रतिशत की कमी आई है, जो पुलिस की सक्रियता और अभियान की प्रभावशीलता को दर्शाता है।

समीक्षा के दौरान पाया गया कि जनपद हापुड़ के नगर, पिलखुवा और गढ़मुक्तेश्वर तीनों सर्किलों में लंबित विवेचनाओं में कमी दर्ज की गई है। विशेष रूप से 1 जनवरी से 1 अप्रैल 2026 तक की तीन माह की समीक्षा में सर्किल नगर और गढ़मुक्तेश्वर का प्रदर्शन उल्लेखनीय रहा, जिसे डीआईजी ने सराहनीय बताया। हालांकि परिक्षेत्र के कुछ अन्य जनपदों के सर्किलों में लंबित विवेचनाओं में वृद्धि भी सामने आई है, जिस पर संबंधित अधिकारियों से स्पष्टीकरण तलब किया गया है। डीआईजी ने स्पष्ट किया कि जहां अच्छा कार्य हुआ है, उसे प्रोत्साहित किया जाएगा और जहां कमी है, वहां जवाबदेही तय की जाएगी। डीआईजी कलानिधि नैथानी ने कहा कि सभी जनपदों द्वारा विवेचना निस्तारण में निरंतर सुधार किया जा रहा है और सभी क्षेत्राधिकारी अपने-अपने सर्किल में प्रभावी पर्यवेक्षण कर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिए कि अभियान को और तेज करते हुए लंबित मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जाए, ताकि आमजन को शीघ्र न्याय मिल सके।

सरकारी खजाने में बढ़ोतरी, हापुड़ में वाहनों की नीलामी से लाखों की आमदनी

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। जनपद में परिवहन विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए विभिन्न थानों में धारा-207(1) के तहत निरुद्ध वाहनों की नीलामी कराई, जिससे सरकारी राजस्व में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई। कार्यालय परिसर में उपजिलाधिकारी सुश्री रेनू की अध्यक्षता में संपन्न हुई इस नीलामी प्रक्रिया में कुल 119 वाहनों को बेचा गया, जिनसे 34.85 लाख रुपये की अधिकतम बोली प्राप्त हुई।

नीलामी प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से कराई गई, जिसमें 29 बोलीदाताओं ने भाग लिया। जनपद के बाबूगढ़, गढ़मुक्तेश्वर, कोतवाली नगर, पिलखुवा, धौलाना और हाफिजपुर थानों में जब्त किए गए वाहनों को इस नीलामी में शामिल किया गया। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्राधिकारी यातायात राहुल यादव, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) रमेश चौबे, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) छवि सिंह चौहान, यात्रीकर अधिकारी आशुतोष उपाध्याय, प्रधान सहायक रामआसरे तिवारी एवं वरिष्ठ सहायक उदय प्रताप सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई लंबे समय से थानों में खड़े वाहनों के निस्तारण और सरकारी राजस्व बढ़ाने के उद्देश्य से की गई है।

विकसित भारत रोजगार योजना बनी गेमचेंजर, बढ़े रोजगार के अवसर

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना को लेकर जनपद के औद्योगिक क्षेत्र में उत्साह का माहौल देखने को मिल रहा है। धौलाना स्थित यूपीएसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र मसूरी-गुलावठी रोड पर मंगलवार को आयोजित जागरूकता बैठक में बड़ी संख्या में पहुंचे उद्यमियों ने योजना में गहरी रुचि दिखाई और रोजगार सृजन बढ़ाने का भरोसा जताया।

बैठक में कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (EPFO) के पीएफ इंस्पेक्टर सुदीप कुमार सिंह ने उद्यमियों को योजना की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने सरल भाषा में बताया कि सरकार नई नियुक्तियों पर उद्योगों को प्रतिमाह आर्थिक प्रोत्साहन दे रही है, जिससे उत्पादन लागत में कमी आएगी और उद्योगों को विस्तार का अवसर मिलेगा। साथ ही पहली बार EPFO से जुड़ने वाले कर्मचारियों को भी सीधे लाभ का प्रावधान है। योजना को लेकर उद्योगपतियों ने सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए इसे डबल फायदा करार दिया। उनका कहना था कि इससे एक ओर उद्योगों को आर्थिक मजबूती मिलेगी, वहीं दूसरी ओर युवाओं के लिए बड़े स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। कई उद्यमियों ने मौके पर ही पंजीकरण प्रक्रिया में रुचि दिखाते हुए योजना से जुड़ने की इच्छा जताई। एमजीआर इंडस्ट्रियलिस्ट वेलफेयर एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार पर जोर देते हुए अधिक से अधिक उद्यमियों को इससे जोड़ने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह योजना क्षेत्र के औद्योगिक विकास को नई गति दे सकती है। इस अवसर पर धीरज तोमर, सुदीप चौधरी, अतुल बाटला, संजीव गोयल, नितिन गोयल, शिव कुमार गुप्ता, महेश शर्मा, अनुज जैन सहित अन्य उद्योगपति मौजूद रहे। बैठक के दौरान रोजगार बढ़ाने और उद्योगों को सशक्त बनाने को लेकर सार्थक चर्चा भी की गई।

दूध डेरियों पर प्रशासन का शिकंजा, डीएम के आदेश पर छापेमारी

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। जनपद में मिलावटी व अवैध रूप से संचालित दूध डेरियों के खिलाफ प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। जिलाधिकारी के निर्देश पर थाना हाफिजपुर क्षेत्र में पशु चिकित्सा विभाग, औषधि विभाग और प्रदूषण नियंत्रण विभाग की संयुक्त टीम ने करीब आधा दर्जन दूध डेरियों पर ताबड़तोड़ छापेमारी की। अचानक हुई कार्रवाई से डेयरी संचालकों में हड़कंप मच गया। टीम ने डेरियों पर पहुंचकर दूध की गुणवत्ता, साफ-सफाई और अन्य मानकों की गहन जांच की। इस दौरान कई स्थानों से दूध के नमूने लेकर उन्हें जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया है, ताकि मिलावट या अन्य अनियमितताओं की पुष्टि की जा सके।

अधिकारियों ने बताया कि छापेमारी के दौरान डेरियों में स्वच्छता और मानकों का विशेष ध्यान रखा गया। साथ ही प्रदूषण नियंत्रण विभाग ने भी पर्यावरण मानकों के पालन की जांच की। जिन स्थानों पर खामियां पाई जाएंगी, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन की इस कार्रवाई से क्षेत्र में अवैध व मिलावटी दूध के कारोबार पर लगाम लगने की उम्मीद जताई जा रही है।

सड़क हादसे में वृद्ध की मौत, अतिक्रमण बना हादसे का कारण

शाह टाइम्स संवाददाता

गढ़मुक्तेश्वर। नगर में अंबेडकर गेट के निकट फैले अतिक्रमण से सड़क हादसों में इजाफा हो रहा है। मंगलवार की सुबह ट्रक की टक्कर लगने से बहादुरगढ़ निवासी शमशाद आलम व्यक्ति की मौत हो गई व्यक्ति की मौत के बाद पुलिस ने शव कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

नगर के स्याना रोड, मेरठ रोड, अम्बेडकर चौराहा समेत नगर के सभी मार्ग पर अतिक्रमण फैलने से रोज सड़क हादसे हो रहे हैं। मंगलवार की सुबह को बहादुरगढ़ निवासी शमशाद आलम अंबेडकर गेट के निकट स्याना रोड पर साइकिल सवार व्यक्ति को पीछे से आए ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में घायल व्यक्ति को आसपास में मौजूद लोगों ने उसको अस्पताल में भर्ती कराया। अस्पताल में उनको मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

बनारस से उठी एकरूपता की अलख, विद्वानों ने किया ऐतिहासिक विमोचन

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। उत्तरवाहिनी गंगातट पर बसे पौराणिक शहर काशी में भारतीय ज्योतिष-कर्मकांड महासभा द्वारा निर्मित नव संवत 2083 की तिथि, व्रत एवं पर्व पत्रिका का भव्य विमोचन वैदिक मंत्रोच्चार, शंखनाद और दीप प्रज्वलन के साथ श्रद्धा व उत्साह के माहौल में किया गया। कार्यक्रम का आयोजन अखरी स्थित होटल ग्रीन में दो दिवसीय रूप से संपन्न हुआ, जिसमें देशभर के प्रकांड ज्योतिष विद्वानों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान गणेश के पूजन के साथ हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के ज्योतिष विभागाध्यक्ष प्रो. शत्रुघ्न त्रिपाठी, अंतर्राष्ट्रीय ज्योतिषाचार्या योगसिद्ध गुरुमाँ चेतना, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. रामजीवन मिश्र, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के पूर्व निदेशक प्रो. वासुदेव शर्मा, कार्यक्रम संयोजक पंडित अमरजीत पाण्डेय, महासभा अध्यक्ष ज्योतिर्विद पं. के.सी. पाण्डेय 'काशी वाले', विशिष्ट अतिथि ब्राह्मण अंतर्राष्ट्रीय संगठन के केंद्रीय अध्यक्ष डा. सुरेश चन्द्र कौशिक एवं पंडित नरेश शर्मा सहित अनेक विद्वान उपस्थित रहे। अंतर्राष्ट्रीय ज्योतिषाचार्या गुरुमाँ चेतना ने महासभा अध्यक्ष पं. के.सी. पाण्डेय की कार्यशैली की प्रशंसा करते हुए उन्हें विशिष्ट प्रतिभा का धनी बताया और सनातन धर्म के लिए उनके कार्यों को असाधारण कहा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रो. वासुदेव शर्मा ने कहा कि एक राष्ट्र, एक पर्व के उद्देश्य को साकार करने के लिए महीनों की मेहनत से यह पत्रिका तैयार की गई है, जो अब काशी के विद्वानों की मान्यता से पूर्णतः प्रामाणिक हो चुकी है। महासभा अध्यक्ष पं. के.सी. पाण्डेय 'काशी वाले' ने कहा कि हापुड़ से शुरू हुआ यह प्रयास अब काशी के विद्वानों के समर्थन से राष्ट्रीय स्तर पर विश्वसनीयता प्राप्त कर चुका है। उन्होंने बताया कि पत्रिका का वितरण हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी निःशुल्क किया जाएगा, जिससे समाज में एकरूपता और जागरूकता बढ़ेगी। इस अवसर पर बड़ी संख्या में विद्वान एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

एक नजर

मुठभेड़ केस में फरार आरोपी गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। थाना कपूरपुर पुलिस ने गौकशी और पुलिस मुठभेड़ के मामले में फरार चल रहे एक वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से अवैध असलहा भी बरामद किया है।

थाना प्रभारी के अनुसार, जनपद में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना कपूरपुर पुलिस द्वारा सघन चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने ग्राम नारायणपुर बास्का की मढ़ैया निवासी अभियुक्त अफसर पुत्र साबुद्दीन को नहर पटरी के पास से गिरफ्तार कर लिया। थाना प्रभारी ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त बीएनएस एवं 3/25/27 आर्म्स एक्ट के तहत दर्ज मामलों में वांछित चल रहा था और लंबे समय से फरार था। आरोपी पर गौकशी और पुलिस मुठभेड़ से संबंधित गंभीर आरोप भी दर्ज हैं। तलाशी के दौरान अभियुक्त के कब्जे से एक अवैध तमंचा और 315 बोर का एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया। पुलिस ने बरामदगी के आधार पर संबंधित धाराओं में कार्रवाई करते हुए आरोपी को न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

स्कूल वैन और पिकअप गाड़ी की हुई टक्कर, दो बच्चे घायल

शाह टाइम्स संवाददाता

गढ़मुक्तेश्वर। बहादुरगढ़ थाना क्षेत्र में स्कूली बच्चों को लेकर जा रही स्कूल वैन को पिकअप गाड़ी ने टक्कर मार दी, जिसमें सवार दो बच्चे यश और वंश गंभीर रूप से घायल हो गए जबकि अन्य को मामूली चोट आई है। घटना के बाद पुलिस में अफरा तफरी मच गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल बच्चों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया है।

क्षेत्र के एक स्कूल की वैन का चालक क्षेत्र के अलग-अलग गांव से स्कूली बच्चों को लेकर स्कूल के लिए जा रहा था। जैसे ही वह बहादुरगढ़ रोड पर पहुंचा तो पीछे से आई पिकअप गाड़ी ने स्कूली वाहन को टक्कर मार दी, जिसमें सवार दो बच्चे यश और वंश गंभीर रूप से घायल हो गए जबकि अन्य बच्चों को मामूली चोट आई है। मामले की जानकारी जैसे ही स्कूल शिक्षक एवं पुलिस को लगी तो उनमें अफरा तफरी मच गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बच्चों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सीएम को ज्ञापन देने निकले कांग्रेसियों को पुलिस ने होली गेट पर रोका

’kkg VkbE l loknnkrk

eFkjkA बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से फसलों को हुए भारी नुकसान को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को जोरदार विरोध दर्ज कराया। कांग्रेस जिलाध्यक्ष मुकेश धनगर के नेतृत्व में कार्यकर्ता प्रदेश के मुख्यमंत्री को ज्ञापन देने जा रहे थे लेकिन पुलिस ने उन्हें रास्ते में ही रोक दिया जिससे पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच तीखी नोकझोंक हो गई। बताया गया कि होली गेट चौराहे पर रोके जाने के बाद कांग्रेस नेताओं ने एसडीएम सुशील कुमार को ज्ञापन सौंपा। जिलाध्यक्ष मुकेश धनगर ने कहा कि हाल ही में हुई बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से किसानों की फसल पूरी तरह नष्ट हो गई है जिससे वे गंभीर आर्थिक संकट में हैं। उन्होंने कहा कि किसान पहले से ही कर्ज और आर्थिक तंगी से जूझ रहे थे अब इस आपदा ने उनकी स्थिति और खराब कर दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि गंग नहर और अपर केनाल में जलकुंभी व सिल्ट जमा होने से सिंचाई व्यवस्था प्रभावित है और विभाग द्वारा केवल खानापूर्ति की जाती है। वहीं कृषि विभाग पर भी पक्षपात के आरोप लगाए गए। कांग्रेस नेताओं ने स्मार्ट मीटर के नाम पर किसानों और गरीबों के उत्पीड़न, बिजली आपूर्ति में कटौती, तथा अधिकारियों के खराब व्यवहार का भी मुद्दा उठाया। उनका कहना था कि सरकार के 24 घंटे बिजली देने के दावे हकीकत से कोसों दूर हैं। पूर्व महानगर अध्यक्ष विक्रम वाल्मीकि ने यमुना प्रदूषण का मुद्दा उठाते हुए कहा कि गंदे नाले सीधे यमुना में गिर रहे हैं, जिससे आस्था को ठेस पहुंच रही है। उन्होंने इसे तत्काल रोकने की मांग की। इसके अलावा शहर में लगने वाले जाम, प्राइवेट स्कूलों की मनमानी फीस और अव्यवस्थित यातायात को लेकर भी नाराजगी जताई गई। इस दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

jkgxhjksa o xzkeh.kksa dh I;kl c<kus okyk ljdkjh uy dh e'khu pksjh] I;kls yksVs yksx

शाह टाइम्स संवाददाता

चौमुहाँ (मथुरा)। क्षेत्र के चौमुहाँ-पसौली मार्ग पर बीती रात अज्ञात चोरों ने सरकारी नल की मशीन चोरी कर ली, जिससे ग्रामीणों और राहगीरों के सामने पेयजल का संकट खड़ा हो गया है। सुबह जब लोग पानी भरने पहुंचे, तो नल गायब देख उनके होश उड़ गए।

पसौली गांव की आधी से ज्यादा आबादी अपनी दैनिक जरूरतों और पीने के पानी के लिए इसी सरकारी नल पर निर्भर थी। न केवल ग्रामीण, बल्कि इस मार्ग से गुजरने वाले सैकड़ों राहगीर भी इसी नल से अपनी प्यास बुझाते थे। शनिवार सुबह जब ग्रामीण बाल्टी और बर्तन लेकर पानी भरने पहुंचे, तो वहां नल की मशीन नही थी। चौमुहाँ निवासी सतीश चोपड़ा, दीपक और कान्हा ने बताया कि यह नल राहगीरों और स्थानीय लोगों के लिए पानी का एकमात्र मुख्य स्रोत था। चोरों ने जनसुविधा को निशाना बनाकर मानवता को शर्मसार किया है। पानी न मिलने के कारण पसौली के दर्जनों लोगों को खाली हाथ वापस लौटना पड़ा, जिससे गांव में भारी असंतोष है। ग्रामीणों ने स्थानीय पुलिस प्रशासन से मांग की है कि क्षेत्र में गश्त बढ़ाई जाए।

गंगा सप्तमी के कार्यक्रम को लेकर किया बैठक का आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

गढ़मुक्तेश्वर। बहादुरगढ़ क्षेत्र स्थित गांव पुष्पावती पूठ में शिवगंगा आरती समिति द्वारा एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता समिति अध्यक्ष आदेश शर्मा ने की।

समिति महामंत्री पंडित विनोद शास्त्री ने बताया मां गंगा मोक्षदायिनी है पतित पावनी है प्रत्येक शुभ या शुभ कार्य करने के लिए गंगाजल की आवश्यकता होती है, ऐसे ही जीवन में गंगा का दर्शन गंगा स्नान जितनी बार मिल जाए उतना ही काम होता है। गंगा प्रत्यक्ष देवता है शिवगंगा आरती समिति गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी मां गंगा जन्मोत्सव धूमधाम के साथ मना रहीं हैं। मां गंगा के मंदिर में पंचामृत से मां गंगा के विग्रह का अभिषेक होगा श्रृंगार होगा। तदोपरांत संगीत में सुंदरकांड का पाठ झांकियां कवियों द्वारा कविताएं प्रस्तुत की जाएगी। इस अवसर पर गंगा घाट को अनेक गुब्बारों व विभिन्न प्रकार के सुंदर फूलों द्वारा सजाया जाएगा। गंगा समिति द्वारा मां गंगा की नित्य प्रति होने वाली आरती का भी दर्शन होगा एवं पांच विद्वान द्वारा यज्ञ व भंडारे का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम के अध्यक्ष चुनमुन स्वामी उर्फ प्रदीप शर्मा एवं हरिश्चंद्र खड़गवंशी को बनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष रेखा नागर एवं अमरोहा लोकसभा सांसद कंवर सिंह तंवर विशिष्ट अतिथि गढ़मुक्तेश्वर विधायक हरेंद्र सिंह तेवतिया पूर्व मंत्री मदन चौहान सपा राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधीर चौहान अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं प्रदेश अध्यक्ष सम्मिलित होंगे। इस अवसर पर विवेक कृष्ण अत्री आचार्य, दिनेश आर्य आचार्य, महात्मा तिवारी, कलवा केवट, चरण सैनी, दिनेश शर्मा, संजीव शर्मा, डा. महेश सैनी, रमेश केवट, कृष्ण अवतार, योगेश शर्मा, दिनेश अग्रवाल, आदेश शर्मा, राजू वाल्मीकि आदि उपस्थित रहे।

Jhjke gh Hkkjr ds lukru vkn'k] vkLFkk o lL—fr ds dsæ ;kxh

’kkg VkbE l loknnkrk

oाnkouA मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वृंदावन में कहा कि भारत का सनातन राजा केवल भगवान श्रीराम हैं, कोई विधर्मी नहीं हो सकता। संत मलूक दास जयंती कार्यक्रम में उन्होंने तुलसीदास के उदाहरण से रामभक्ति और सनातन परंपरा की महत्ता बताई।

वंशीवट क्षेत्र स्थित मलूक पीठ पहुंचकर सीएम योगी ने समाधि पूजन किया और शिवलिंग पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत का राजा कोई विधर्मी नहीं हो सकता। भारत का एक ही सनातन राजा है। वह भगवान श्रीराम है। उन्होंने कहा कि कहते हैं तुलसी दासजी एक गरीब ब्राह्मण थे, लेकिन उनसे बड़ा धनी कौन जो सबसे बड़े बादशाह के प्रस्ताव को ठुकरा देते हों कि नहीं वह बादशाह को नहीं जानते। वह एक ही राजा को जानते हैं। वह है भारत का सनातन राजा श्रीराम है। उन्होंने श्रीरामचरित मानस के अंदर रामलीला के माध्यम से जिस जन चेतना को जागृत किया। वह हर भारतीय के लिए एक नई प्रेरणा बनी। मुख्यमंत्री ने कहा कि मेरा सौभाग्य है कि आज मुझे भारत भूमि के एक ऐसे दिव्य संत की समाधि और उनकी स्मृतियों को जीवंत बनाये रखने के लिये उनके प्राकट्य उत्सव पर दर्शन का सौभाग्य मिला है। याद करिये 452 वर्ष पहले भारत का मध्य काल, विदेशी आक्रांताओं की बर्बरता, सनातन पर छाये अंधकार, तब भक्ति की अलग धारा लेकर मलूक दास महाराज ने जनजागरण किया। प्रयागराज में जन्म लेकर उन्होंने ब्रज, चित्रकूट, जगन्नाथ पुरी समेत भारत वर्ष में आध्यात्मिक चेतना जाग्रत की। उन्होंने उस समय की क्रूरता भी देखी, लेकिन अपने मूल्यों और आदर्शो पर चले, उसी पर आधारित है आज का सांस्कृतिक भारत। तुलसीदासजी को भी अकबर ने खूब लालच दिया, नवरत्न उनको मुगल बादशाह के पास ले जाना चाहते थे, लेकिन उन्होंने कहा कि हम बादशाह को नहीं जानते, मैं एक ही राजा को जानता हूँ और वह भारत के राजा हैं राजा रामचंद्र। भारत का राजा कोई विधर्मी नहीं हो सकता है। मुख्यमंत्री ने रामानंदाचार्य महाराज और उनके शिष्यों का भी स्मरण किया और कहा कि उन्होंने भारत और सनातन के बारे में सोचा है तब भारत भारत बना है। जब सब संत एक मंच पर आये तो राम मंदिर बना है। सीएम योगी आदित्यनाथ का एक माह के अंदर मथुरा का दूसरा दौरा है। इससे पहले सात मार्च को उन्होंने वृंदावन में ब्रज तीर्थ विकास परिषद की बैठक ली थी। संघ प्रमुख भी 24 मार्च को रुक्मिणी विहार स्थित जीवनदीप आश्रम के लोकार्पण समारोह में वृंदावन आए थे। सीएम योगी वृंदावन पहुंचे, जहां वे जगद्गुरु संत मलूकदास की 452वीं जयंती महोत्सव में शामिल हुए। इस दौरान धार्मिक अनुष्ठानों में भागीदारी के साथ सुरक्षा के कड़े इंतजाम भी किए गए हैं।

सीएम ग्रिड के निर्माण में जनता न हो परेशान: महापौर

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। सीएम ग्रिड फेज-2 योजनान्तर्गत बनने वाली सड़क का आवास विकास व जैन कॉलेज रोड के प्रमुख लोगों को स्क्रीन पर डेमो दिखाया गया।

नगर निगम के शाकुंभरी सभागार में महापौर डॉ. अजय कुमार की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में कार्यदायी संस्था एसआरएस कंस्ट्रक्शन प्रा.लि. आगरा के प्रोजेक्ट मैनेजर हरेंद्र ने स्क्रीन पर परियोजना का डेमो दिखाते हुए बताया कि सीएम ग्रिड फेज-2 योजनान्तर्गत बनने वाली सड़क के दौरान वाटर लाइन, सीवर सर्विस लाइन, स्टार्म वाटर ड्रेन 450 एमएम हयूम पाइप, भूमिगत विद्युत लाइन कार्य, भूमिगत डक्ट का कार्य, फुटपाथ, स्ट्रीट लाइट-पोल्स एवं बोलार्ड, स्ट्रीट फर्नीचर(बैंच व

डस्टबिन), रोड साइनेज तथा लेण्ड स्केपिंग एण्ड ग्रीनरी कार्य आदि कार्य किये जायेंगे।

महापौर डॉ. अजय कुमार ने कहा कि आज परियोजना से जुड़ेष अधिकारियों, कार्यदायी संस्था के प्रोजेक्ट मैनेजर तथा क्षेत्र के लोगों को बुलाने का उद्देश्य यह है कि सीएम ग्रिड-वन के निर्माण कार्य के दौरान जो परेशानियां क्षेत्रीय लोगों को आयी थी, इस बार लोगों को उनका सामना न करना पड़ेष। निर्माण कार्य चरणबद्धता के साथ इस तरह किया जाए कि सड़क चलती रहे और निर्माण कार्य से लोगों को परेशानी न हो। उन्होंने लोगों से भी निर्माण कार्य के दौरान निगम व कार्यदायी संस्था को सहयोग देने का आह्वान किया।

क्षेत्रीय पार्षद और क्षेत्रीय लोगों से भी सुझाव लिए गए। पार्षद दिग्विजय चौहान ने कहा कि दिल्ली रोड, आवास विकास व जैन कॉलेज रोड के आसपास काफी जलभराव बरसात में होता है, चूंकि नालों का ढलान और उनका जुड़ाव ठीक नहीं है। उनका सुझाव था कि नालों की लेवलिंग ठीक कराते हुए पानी निकासी की समस्या का समाधान भी इस परियोजना के तहत किया जाए अन्यथा जलभराव से सड़क खराब हो जायेगी। उन्होंने जैन कॉलेज रोड व आवास विकास में सड़क निर्माण में बाधा बनने वाले अतिक्रमण को हटाने पर भी जोर दिया।

क्षेत्र के सूरजमल, पूर्व पार्षद राजेंद्र चौधरी, संजय कपूर, अनिल महलका आदि ने भी अतिक्रमण व फुटपाथ को लेकर सुझाव दिए। उनका कहना था कि बरसात में काम शुरु न किया जाए और घरों के सामने फुटपाथ ज्यादा ऊंचे न रखे जाएं। डॉ. वीरेंद्र आजम का सुझाव था कि फुटपाथ कम चौड़ेष रखते हुए पार्किंग के लिए स्थान अवश्य छोड़ा जाए। अधिशासी अभियंता विद्युत अवधेश कुमार व महाप्रबंधक स्मार्ट सिटी दिनेश सिंघल ने सड़क निर्माण व विद्युत केबलिंग तथा ट्रांसफार्मर लगाने को लेकर अनेक तकनीकी बातों से अवगत कराया। बैठक में महाप्रबंधक जल पुरुषोत्तम कुमार, निर्माण विभाग के जेई मदनपाल, अनुज कुमार व अनूप सहित स्मार्ट सिटी के भी अनेक अधिकारी शामिल रहे।

सांसद इकरा को दिया सम्मेलन का निमंत्रण

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। गुर्जर संसद एवं चिंतन सम्मेलन के भव्य कार्यक्रम का निमंत्रण देने के लिए आयोजकों का डेलीगेशन सांसद इकरा हसन से मिला और निमंत्रण सौंपा।

सहारनपुर प्रतिहार महासंघ द्वारा आने वाली 10 अप्रैल को जनभंच सभागार में एक विशाल गुर्जर सांसद एवं चिंतन सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन का आमंत्रण देने के लिए आज बड़ी संख्या में गुर्जर समाज के जिम्मेदार और आयोजक सांसद चौधरी इकरा से मिले और कार्यक्रम का निमंत्रण दिया। इकरा हसन ने आए सभी आयोजकों का दिल से आभार प्रकट किया और कहा समाज की

बेटी होने के नाते समाज उत्थान में जो भी कार्य होंगे उनमें बढ़-चढ़कर हिस्सेदारी ली जाएगी और सदन तक समाज की मांग को मजबूती से रखा जाएगा।

सुदेश प्रधान और प्रवेश गुर्जर ने कहा कि आप समाज की बेटी हो समाज को बहुत आपसे आशा है समाज हित में सभी को साथ चलकर हर क्षेत्र में मजबूती देनी है।

इस मौके पर नीरज सहजवा, बबलू मनाली, सलीम अख्तर, विकी पूजना, सचिन चौहान, नरेंद्र राठौर, वीरसेन चौधरी, रवि पंवार, मनोज पंवार, मोहित चौधरी, लक्ष्य चौधरी, जसवीर सढौली, दानिश पंवार, अभिषेक टिंकू अरोड़ा, संदीप सैनी, मुबारक गुजर आदि मौजूद रहे।

हिंसक बनी मारपीट व कहासुनी

शाह टाइम्स संवाददाता

गंगोह। गांव फतेहपुर ढोल्ला में पुरानी रंजिश के चलते दो पक्षों के बीच हुई कहासुनी व मारपीट ने हिंसक रूप ले लिया, जिसमें दोनों पक्षों के आधा दर्जन लोग घायल हो गये। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्षों को दौड़ाकर हालत पर काबू पाया।

सोशल मीडिया पर हो रही वीडियो वायरल में लोग एक-दूसरे पर हमला करते नजर आ रहे हैं कुछ लोग हाथों में लाठी डंडे लेकर नीचे पड़ेएक व्यक्ति को बुरी तरह मारते पीटते दिखाई दे रहे हैं, और महिलाएं चीखती चिल्लाती नजर आ रही है। झगड़े के दौरान सड़क पर वाहनों की आवाजाही तक रुक गई। पुलिस ने मामले की जांच शुरु करदी है।

छात्राओं को दिए गए स्वास्थ्य टिप्स

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। विश्व स्वास्थ्य दिवस पर ओब्स गायनी सोसाइटी ने जागरूकता शिविर एवं गोष्ठी आयोजित कर 14 वर्ष से अधिक उम्र की छात्राओं का निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया।

खालसा पब्लिक स्कूल के सभागार मे छात्राओं के साथ काउंसलिंग करके उनकी समस्याओं का समाधान बताया। इस मौके पर 39 छात्राओं के रक्त मे हीमोग्लोबिन की जाँच के लिए नमूने एकत्र किये गये। सोसाइटी की वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य डा अनीता मलिक ने बताया कि जिन छात्राओं के खून मे हीमोग्लोबिन की मात्रा कम आएगी उन्हें सोसाइटी की ओर से मुफ्त दवा भी

दी जाएगी।

इससे पूर्व गोष्ठी मे सोसाइटी की अध्यक्ष डा पूनम त्यागी, सचिव डा भारती कालड़ा, डा गायत्री सहगल ने छात्र छात्राओं को अपने एवं संसारकके प्राणियों के स्वास्थ्य के लिए फिजिकल, मेन्टल और सोशल रुप से सजग स्वस्थ निपुण रहने की शपथ भी दिलवाई।

कार्यक्रम मे खालसा स्कूल के प्रिंसिपल स. गोविंदर सिंह, वरिष्ठ सर्जन डा मुनेश त्यागी एवं स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ क्षय रोग लैब पर्यवेक्षक एम पी सिंह चावला का विशेष सहयोग रहा।

अरूणाचल प्रदेश पहुंचा आईआईए डेलिगेशन

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन राष्ट्रीय अध्यक्ष दिनेश गोयल के नेतृत्व में 25 सदस्यों के परिवारों का एक प्रतिनिधिमंडल अरुणाचल प्रदेश यूनिवर्सिटी ऑफ स्टडीज के दौरे पर गया।

आईआईए के सदस्यों द्वारा विश्व. विद्यालय के साथ 16 एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। कार्यक्रम में अरुणाचल प्रदेश के शिक्षा मंत्री पासंग दोरजी सोना स्थानीय जिले नामसाई के दो विधायक एवं एक अन्य विधायक, विश्वविद्यालय की प्रेजिडेंट गार्गी लोचन, चेयरमैन अश्वनी लोचन, वाइस चां. सलर मि. झा तथा विश्वविद्यालय के अन्य पदाधिकारीगण उपस्थित रहे। इसके पश्चात आईआईए का प्रतिनिधिमंडल परिवार सहित असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य के

आतिथ्य में लोक भवन पहुँचा। राज्यपाल की उपस्थिति मे आयुक्त उद्योग नरेंद्र शाह ने असम के औद्योगिक विकास, उन्नति एवं तीव्र प्रगति पर एक विस्तृत प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर आईआईए के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रमोद मिगलानी, विन्नी मिगलानी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं जोन हेड संजीव अरोड़ा, रचना अरोड़ा, केंद्रीय कार्यकारिणी सदस्य कृष्ण राजीव सिंघल तथा राजेश सपरा आदि विशेष रूप से उपस्थित रहे।

हाईवे पर टला बड़ा हादसा

शाह टाइम्स संवाददाता

रामपुर मनिहारान। मंगलवार अलसुबह करीब छह बजे हाइवे पर एक बड़ा सड़क हादसा होते-होते टल गया।

इस्लामनगर रोड की ओर से बाइक सवार युवक और एक किशोर सब्जी लेकर बाईक से सब्जी मंडी बेचने जा रहे थे। तभी नानौता की तरफ से तेज रफ्तार से आ रहे ट्रक से उनकी जोरदार भिड़ंत हो गई और वह दोनों पहियों के नीचे आ गए प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार दोनों युवक ट्रक ड्राइवर के ब्रेक लगाने के बावजूद भी कुछ इंच तक पहियों के साथ घिसटते चले गए। गनीमत रही कि वह पहियों के आगे ही रहे और कोई बड़ा हादसा होने से टल गया मौके पर मौजूद लोगों की सांसें थम गईं, लेकिन तभी ट्रक चालक ने सूझबूझ का परिचय देते हुए तत्काल ब्रेक लगाए और वाहन को एक ओर मोड़ दिया, जिससे दोनों की जान बच सकी। लोगों का कहना है कि यदि चालक ने समय रहते नियंत्रण न किया होता तो बड़ा हादसा हो सकता था।

हादसे के दौरान ट्रक चालक जिस साइड ट्रक को ले गया उस किनारे के ऊपर ऊंचे-ऊंचे सीमेंट के स्लैब रखे हुए थे। स्थिति ऐसी बन गई थी कि ट्रक के पहिए उन पर चढ़ते तो ट्रक पलट भी सकता था। इसी दौरान एक ई-रिक्शा भी ट्रक की चपेट में आ गया।

संस्कार बनाते हैं श्रेष्ठ नागरिक: राजेश

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। जैन समाज के अध्यक्ष राजेश जैन ने कहा कि जीवन की प्रारंभिक अवस्था में जो संस्कार दिये जाते है वहीं संस्कार बच्चों को श्रेष्ठ नागरिक बनाते है।

राजेश जैन आज जैन बाग स्थित श्रमण साधना केंद्र मे बच्चों के नैतिक धार्मिक शिक्षा संस्कार सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा बच्चों को जीवन की प्रारंभिक अवस्था में धार्मिक शिक्षा, नैतिक चरित्र, सत्य, ईमानदारी, जीव दया, करुणा के जो संस्कार दिए जाते हैं वही संस्कार भविष्य मे एक श्रेष्ठ नागरिक बनने मे कार्यकारी होते हैं, जो समाज और राष्ट्र के समग्र विकास में सहायक बनते है। विद्या ग्रेस फाउंडेशन क मुंबई से आये ट्रस्टी अंशुल जैन ने कहा कि विद्या ग्रेस फाउंडेशन देश में युवा कौशल योजना के अंतर्गत उच्च शिक्षा,जन आरोग्य योजना मे

गंभीर रोगियो की शल्य चिकित्सा,नारी समृद्धि योजना, गोशाला एवं जीव दया योजना और त्यागी वर्ती आवास प्रवास आहार और संयम साधना योजना के अंतर्गत अनेक पुरुषों महिलाओं की आर्थिक सहायता कर उन्हें स्वावलंबी और आरोग्य बनाने में यथाशक्ति मदद कर रहा है।

जैन समाज के संरक्षक पूर्व भाजपा महानगर अध्यक्ष राकेश जैन, व्रती श्रावक सीए अनिल जैन, प्रीति जैन, शोभा जैन, ममता जैन ने भी विचार रखे।

इस दौरान चौधरी अनुज जैन, उप चौधरी संदीप जैन, दीपक जैन, पंचान समिति के उपाध्यक्ष विपिन जैन, कोषाध्यक्ष अरुण जैन, उपमंत्री अविनाश नाटी, अजय जैन, नितिन जैन विपिन जैन, आदित्य जैन, विनोद जैन, राजीव-संजीव जैन, श्रेयांश जैन,संजय जैन, मुकेश जैन, मनीष जैन उपस्थित थे।

चार पर मारपीट का मुकदमा

शाह टाइम्स संवाददाता

चिलकाना। ग्राम चालाकपुर निवासी पीड़ित ने 04 लोगों पर पीड़ित के भाई तथा उसके साथ मारपीट करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पीड़ित इकरार पुत्र गफ्फार निवासी ग्राम चालाकपुर थाना चिलकाना ने बताया है कि विगत 02 अप्रैल 26 को उसके चाचा के पुत्र की शादी की दावत ग्राम चालाकपुर मे थी। जिसमे बाहर से भी काफी मेहमान आये हुए थे। तभी शाम के समय पीड़ित के भाई जब्बार के साथ आरोपी इसरार पुत्र मीरहसन, बिलाल पुत्र इसरार निवासीगण ग्राम चालाकपुर व मेहमान उस्मान पुत्र जहूर, सद्धाम पुत्र जहूर निवासीगण ग्राम मुबा. रिकपुर थाना देहात कोतवाली जिला सहारनपुर ने गाली गलौच कर मारपीट करनी शुरू कर दी।

आरोप है कि मारपीट में पीड़ित के भाई जब्बार के नाक पर व कान पर जख्मी चोटें आई। यदि पीड़ित अपने भाई को बचाने लगा तो आरोपियों ने पीड़ित पर भी हमला किया जिससे उसे भी गुम चोट आई। मौके पर मौजूद कुछ लोगो द्वारा आरोपियों से उन्हें छुड़ाया गया। आरोपी वहां से जाते समय भी पीड़ित व भाई को जान से मारने की धमकी देकर गए। पीड़ित का कहना है कि तब से वह अपना ईलाज करा रहा था इसलिए उस समय तहरीर नही दे पाया था।

ग्लोकल विश्वविद्यालय में दिखा अद्भुत कला का संगम

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। ग्लोकल विश्व. विद्यालय, सहारनपुर में "मेराकी 5.0" के अंतर्गत नृत्य एवं गायन प्रतियोगिताओं का भव्य एवं सफल आयोजन हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ।

कार्यक्रम की शुरुआत नृत्य प्रतियोगिता से हुई, जिसमें प्रतिभागियों ने अपनी अद्भुत कला और अभिव्यक्ति से सभी का मन मोह लिया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान निकिता, द्वितीय स्थान लाविजा तथा तृतीय स्थान काजल ने प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता के संकाय समन्वयक के रूप में आराधना, मुस्कान एवं रुचिका ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जबकि छात्र समन्वयक अब्दुल रहमान के कुशल प्रबंधन ने आयोजन को और अधिक सफल बनाया।

इसके उपरांत गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने अपनी मधुर आवाज और सुरों के जादू से वातावरण को संगीतमय बना दिया। इस प्रतियोगिता के फैकल्टी कोऑर्डिनेटर के रूप में डॉ. आयुषी रावत एवं डॉ. प्रभात ने सराहनीय योगदान दिया। इसके छात्र समन्वयक शमसुद्दीन और अहकम अली रहे।

कार्यक्रम के दौरान निर्णायक मंडल में प्रो. वर्षा देवा, डॉ. आते. का बानो, डॉ. संदीप गुप्ता, डॉ. सना जकी, डॉ. बिलाल एवं मिश्रा

आश्रित दुबे जैसे प्रतिष्ठित व्यक्तित्व उपस्थित रहे, जिन्होंने निष्पक्षता एवं सूक्ष्मता के साथ प्रतिभागियों का मूल्यांकन किया।

पूरे आयोजन में छात्रों ने अत्यंत उत्साह, ऊर्जा और रचनात्मकता के साथ सहभागिता की, जिससे कार्यक्रम जीवंत और यादगार बन गया। "मेराकी 5.0" के इस सफल आयोजन ने विश्व. विद्यालय में सांस्कृतिक एवं साहित्यिक वातावरण को और अधिक समृद्ध किया।

कॉलेज का वार्षिकोत्सव मनाया

शाह टाइम्स संवाददाता

नागल। चौधरी कलीराम डिग्री कॉलेज का वार्षिकोत्सव भाटखेड़ी रोड स्थित एमएस फार्म में सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ कॉलेज प्रबंधक महेन्द्र सिंह नौसरान, प्राचार्य अमिता सिंह, सचिव रजनीश नौसरान राजसिंह यादव द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय, तृतीय आए प्रतिभागियों को स्मृति चिन्ह व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। जिनमें फरहत, अन्नु,योगिता, श्रद्धा, मोनिका, पारूल, आनंदी, आंशिका, सुमित कुमार, आरती, महक, मधु, समीक्षा, रिया, निकिता, खुशी, अभिषेक, जैसींकांत, कुनाल, पारूल, कार्तिक, अक्षित शामिल रहे।

जहरीले पदार्थ का सेवन कर होमगार्ड ने किया आत्महत्या का प्रयास

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। एक होमगार्ड जवान ने कथित मानसिक तनाव के चलते जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या का प्रयास किया। युवक को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका उपचार जारी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, हसनपुर निवासी सुरेश शर्मा (28) होमगार्ड विभाग में कार्यरत थे और परिवार का भरण-पोषण इसी नौकरी के माध्यम से कर रहे थे। परिजनों का आरोप है कि लगभग आठ महीने पूर्व, जुलाई माह में उन्हें बिना किसी पूर्व सूचना और स्पष्ट कारण के सेवा से हटा दिया गया, जिसके बाद से वह लगातार मानसिक तनाव में थे। परिवार का यह भी आरोप है कि दोबारा नौकरी पर बहाली के नाम पर विभाग के कुछ अधिकारियों द्वारा तीन लाख रुपये की मांग की जा रही थी। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण परिवार उक्त राशि देने में असमर्थ रहा, जिससे सुरेश की परेशानी और बढ़ गई।

होमगार्ड के परिजनों के अनुसार, उन्होंने कई बार संबंधित अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों से संपर्क कर न्याय की गुहार लगाई, लेकिन उन्हें कोई राहत नहीं मिली। बताया जा रहा है कि नौकरी छूटने के बाद परिवार की आर्थिक स्थिति अत्यंत खराब हो गई और उन्हें मजदूरी तक करनी पड़ी।

पहले दिन बैडमिंटन व योग में दिखाया दमखम

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। जैवी जैन कॉलेज में आज से तीन दिवसीय वार्षिक क्रीडा प्रतियोगिता शुरू हो गई। पहले दिन खिलाडियों ने बैडमिंटन व योग में अपना दमखम दिखाया।

कालेज परिसर में आयोजित प्रतियोगिता का उदघाटन पार्षद तथा राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त बॉडीबिल्डर गौरव कपिल ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी समाज का आईना होता है और आज हमारे देश को सबसे ज्यादा स्वस्थ व्यक्ति की जरूरत है जितने ज्यादा हम लोग खेल में रहेंगे उतना ज्यादा हम देश की अच्छी सेवा कर पाएंगे। उपप्राचार्य प्रोफेसर पंकज गुप्ता ने मुख्य अतिथि को अंग वस्त्र भेंट कर उनका स्वागत

किया तथा स्मृति चिन्ह भी प्रदान किया। कार्यक्रम के संयोजक डॉक्टर हरवीर सिंह चौधरी ने मुख्य अतिथि को धन्यवाद ज्ञापित किया।

बैडमिंटन पुरुष वर्ग के सेमी फाइनल मैच में शिवांश बंसल ने विपुल पवार को 21 -12 से तथा दक्ष त्यागी ने हर्ष पवार को 21-17 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल मैच शिवांश बंसल तथा दक्ष त्यागी के बीच खेला गया जिसे शिवांश बंसल ने 21 -15 से जीतकर खिताब पर कब्जा किया। हर्ष पवार ने विपुल को 21-16 से हराकर तीसरा स्थान अर्जित किया। महिला वर्ग के सेमी फाइनल मैच में मुस्कान सिंह ने अक्षिता को 21-18, साक्षी गोयल ने स्वाती को 21 -19 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। तीसरे स्थान के लिए हुए मैच में अक्षिता ने स्वाति को 21-17 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया। फाइनल मैच में मुस्कान सिंह ने साक्षी गोयल को 21-19 से हराकर खिताब पर कब्जा किया। योगासन की प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग में आकाश कुमार ने प्रथम, दीपक ने दूसरा तथा विवेक कुमार ने तीसरा, महिला वर्ग में मेगा ने प्रथम, आंचल ने दूसरा तथा वंशिका ने तीसरा स्थान हासिल किया। निर्णायक मंडल में मनीष कुमार, आचार्य भीम, तेजस्वी चौहान, साहिल कुमार शामिल रहे।

इस दौरान प्रो शुभ्रा चतुर्वेदी, प्रो नीता कौशिक, प्रो शशि नौटियाल, प्रो मुकेश कुमार, प्रो हरिओम गुप्ता, प्रो अशोक शर्मा, प्रो परविंद कुमार, प्रो धर्मेंद्र कुमार आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे। संचालन प्रो संदीप गुप्ता ने किया। उन्होंने बताया कि कल दोपहर 2:30 बजे कॉलेज में वार्षिक सत्र 2024 25 अपनी कक्षाओं में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले के मेधावी छात्रों/ छात्राओं का पुरस्कार वितरण आयोजित होगा।

सभासद ने कमिश्नर को पत्र लिखा

शाह टाइम्स संवाददाता

चिलकाना। सुल्तानपुर नगर पंचायत सभासद तौकीर अहमद ने मंडलायुक्त को पत्र लिखकर अपनी ही पार्टी की नगर पंचायत अध्यक्ष पर गंभीर आरोप लगाते हुए पंचायत सभागार कक्ष मे कैमरे लगवाये जाने की मांग की।

मंडलायुक्त को लिखे गए पत्र बताया कि जब में नगर पंचायत सुल्तानपुर चिलकाना में बोर्ड की बैठक आयोजित की जाती है तो उक्त बैठक मे पारित प्रस्ताव पर ना तो नगर पंचायत अध्यक्ष द्वारा कोई ध्यान केंद्रित किया जाता ना ही उनका कोई भी उल्लेख नगर पंचायत के रजिस्टर मे किया जाता है। सभासद का आरोप है पंचायत अध्यक्षा द्वारा मनमाने ढंग से अन्य प्रस्ताव बिना सभासद सहमति के ही पास कर लिए जाते है।

मासूम फैजान हत्याकांड में दोषी को आजीवन कारावास

शाह टाइम्स संवाददाता

शेरकोट। पुलिस की मजबूत पैरवी पर चर्चित मासूम फैजान हत्याकांड में न्यायालय ने आरोपी को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। जिससे पीड़ित परिवार को लंबे इंतजार के बाद न्याय मिल सका।

गौरतलब है कि नौ फरवरी 2019 को मौहल्ला इमामबाड़ा निवासी इमाम उद्दीन ने अपने 10 वर्षीय पुत्र मौहम्मद फैजान के लापता होने की सूचना पुलिस को दी थी। काफी तलाश के बाद भी बच्चे का कोई पता नहीं चला था। जिसके बाद पुलिस ने गुमशुदगी का मामला दर्ज कर जांच शुरू की। अगले ही दिन फैजान का शव मौहल्ले की एक मस्जिद के पीछे संदिग्ध परिस्थितियों में मिला था। जिससे पूरे इलाके में सनसनी फैल गई थी। पुलिस ने मासूम का

12,800 रुपये का जुर्माना भी लगाया

शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्कालीन थाना प्रभारी पंकज तोमर ने जांच तेज कर दी।

जांच के दौरान जुटाए गए साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने मौहल्ला इमामबाड़ा निवासी फरमान को गिरफ्तार किया। उसके खिलाफ अपहरण और हत्या का मुकदमा दर्ज कर चार्जशीट अदालत में दाखिल की गई।

सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने मजबूत साक्ष्य और गवाह पेश किए। जिसके आधार पर अदालत ने आरोपी को दोषी करार दिया। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश पंकज चौहान की अदालत ने फैसला सुनाते हुए फरमान को आजीवन कारावास की सजा दी। साथ ही उस पर 12,800 रुपए का जुर्माना भी लगाया गया।

इस फैसले के साथ ही लंबे समय से चर्चित इस मामले का पटाक्षेप हो गया। बता दें कि पुलिस अधिकारियों कि मजबूत विवेचना और पुख्ता साक्ष्यों के चलते ही आरोपी को सजा दिलाई जा सकी।

एआई तकनीक व वैज्ञानिक खेती पर जोर

शाह टाइम्स संवाददाता

चांदपुर। ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक वीएम पाठक की अध्यक्षता में आज गन्ना विकास परिषद, चांदपुर के कार्यालय में समस्त स्टाफ की एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक संपन्न हुई। इस बैठक में आधुनिक तकनीक के समावेश और बसंतकालीन बुवाई की प्रगति को लेकर कड़े निर्देश जारी किए गए।

समीक्षा बैठक में बोलते हुए श्री पाठक ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि इससे गन्ना खेती में क्रांति आएगी और गन्ने की पैदावार भी स्वस्थ और अधिक होगी। समीक्षा बैठक का मुख्य केंद्र साधना सप्ताह रहा। उन्होंने तकनीकी दक्षता पर जोर देते हुए सभी गन्ना पर्यवेक्षकों को निर्देशित किया कि वे दो से आठ अप्रैल तक चलने वाले चार घंटे के कोर्स को अनिवार्य रूप से पूर्ण करें और अपना बैज प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि भविष्य में विभाग में ए आई के प्रयोग से गन्ने में लगने वाले कीटों और रोगों की सटीक पहचान संभव होगी। आधुनिक तकनीकी के इस समावेश से न केवल उत्पादन में वृद्धि होगी। बल्कि क्षेत्र के किसानों में खुशहाली और समृद्धि भी आएगी।

रेड रोट से बचाव हेतु ट्राइकोडर्मा का प्रयोग अनिवार्य बताते हुए उन्होंने बैठक में गन्ने की फसल को घातक रेड रोट लाल सड़न रोग से बचाने के लिए सख्त दिशा-निर्देश दिए। ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक वीएम पाठक ने बताया कि भूमि में अभी भी रेड रोट के इनाकुलम (जीवाणु) मौजूद हैं, जो नई फसल को नुकसान पहुंचा सकते हैं। उन्होंने स्पष्ट आदेश दिए कि किसान भाई बिना ट्राइकोडर्मा (फंगीसाइड) के शोधन के कोई भी बुवाई न की जाए। साथ ही आरक्षित बीज, आधार और प्राथमिक/सामान्य पौधशालाओं के बीजों शत-प्रतिशत बुवाई सुनिश्चित की जाए।

क्षेत्र में चल रही बसंतकालीन बुवाई की समीक्षा करते हुए सभी पर्यवेक्षकों को डे-टू-डे (प्रतिदिन) की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए।

एक नजर

छोटा हाथी वाहन पलटा

नगीना। ग्राम तुखमापुर से नंदपुर मार्ग पर सब्जियों से भरा छोटा हाथी वाहन बाइक सवार को बचाने के प्रयास में अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। दुर्घटना में कोई बड़ी जनहानि नहीं हुई और वाहन सवार सुरक्षित हैं। छोटा हाथी वाहन में दो लोग सवार थे, जो सुरक्षित बाहर निकल आए। हालांकि, उन्हें मामूली चोटें आई हैं। स्थानीय लोगों के सहयोग से पलटे हुए वाहन को सीधा किया गया। पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मुआयना किया।

अज्ञात शव मिलने से हड़कंप मचा

नजीबाबाद। मंडावली थाना क्षेत्र के ग्राम भागूवाला में सोमवार को एक अज्ञात व्यक्ति का नहर किनारे शव मिलने से हड़कम्प मच गया। गश्त के दौरान राहगीरों ने घटना की पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची तथा जांच पड़ताल शुरू कर दी। मृतक की आयु करीब 38 वर्ष बताई गई है। प्राथमिक जांच में किसी वाहन की टक्कर से उक्त व्यक्ति की मौत होने की आशंका जताई गई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस द्वारा मृतक की शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं। आसपास के क्षेत्रों में जानकारी जुटाई जा रही है।

आरबीएस में रक्तदान शिविर

नांगल सोती। आरबीएस इंटर कॉलेज में गुरु नानक देव चैरिटेबल ब्लड ट्रस्ट सेंटर नजीबाबाद द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें सैकड़ों लोगों ने रक्तदान किया। शिविर में सैकड़ों लोगों ने रक्तदान किया। प्रधानाचार्य राजीव चौहान ने सभी से अपील करते हुए कहा कि रक्तदान महादान है। हर व्यक्ति को समय-समय पर रक्तदान करना चाहिए। टीम में शमशेर सिंह, शुभम कुमार, अजय, आंचल, वरिष्ठ शिक्षक केशव शरण, संजय कुमार आदि मौजूद रहे।

समझौते के नाम पर रकम मांगने का आरोप

कोतवाली देहात। थाना क्षेत्र के एक गांव में दो भाइयों के बीच जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। विवाद में दोनों पक्ष कई बार थाने भी आ चुके हैं। एक पक्ष की महिला का आरोप है कि उसे एक व्यक्ति मिला है तथा समझौता करने के नाम पर फोन पर उससे 30 हजार रुपए रिश्वत की डिमांड करने लगा। महिला के मना करने पर भी बार-बार व्यक्ति फोन पर रकम भेजने का दबाव बनाता रहा। महिला द्वारा रकम न देने पर उसे व उसके परिवार को झूठे मुकदमे में फंसा कर जेल भेजने की धमकी फोन पर दी जा रही है। धमकी देने वाला व्यक्ति जनपद में ही पुलिस विभाग में खुद को उच्च पद पर बता रहा है। आडियो में थाना कोतवाली देहात में तैनात एक दरोगा का नाम भी लिया जा रहा है। आडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। पीड़िता व उसका परिवार धमकी देने वाले व्यक्ति से भयभीत है।

दायित्वों की प्रतिज्ञा दिलाई

बिजनौर। अग्रवाल प्रशिक्षण एवं समाज सेवा संस्थान की मासिक बैठक संस्थान सदस्य आशा अग्रवाल के आवास पर हुई। जिसमें संस्थान के नए पदाधिकारी चुने गए एवं उनके कार्य एवं दायित्वों की प्रतिज्ञा भी दिलाई गई। बैठक में अध्यक्ष संध्या अग्रवाल, उपाध्यक्ष आशा अग्रवाल, सचिव उषा शर्मा, कोषाध्यक्ष अलका अग्रवाल, नीना शर्मा एवं ममता शर्मा, मीडिया प्रभारी, उमा अग्रवाल और शशि शर्मा मौजूद रहीं। रीता अग्रवाल और रेखा अग्रवाल संरक्षिका, अंजू शर्मा व पूनम गुप्ता सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रभारी चुना गया। सभी ने प्रतिज्ञा की कि हम देश हित में तन-मन-धन से और समय से सभी संस्थान एवं समाज के कार्य करेंगे। संस्थापिका सविता अग्रवाल ने बताया कि संस्था को 30 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं। इस उपलक्ष में नजीबाबाद मार्ग स्थित आरआर पब्लिक स्कूल में 25 अप्रैल को कार्यक्रम करने की तिथि सर्वसम्मति से तय हुई है। नित्या, सुरभि, अंजलि आदि उपस्थित रहीं।

बाबा नन्हें मियां का सालाना उर्स आज

नजीबाबाद। नगर के मौहल्ला पाईबाग स्थित हजरत बाबा नन्हें मियां चिश्ती दरगाह पर एक मीटिंग का आयोजन किया गया। जिसमें तय हुआ कि हर साल की तरह इस साल भी मजार का 97वां सालाना तीन दिवसीय उर्स बड़ी शानो शौकत के साथ आयोजित किया जायेगा। उर्स 8, 9 व 10 अप्रैल बाद नमाज ए फजर कुरान ख्वानी बाद शुरू होगा। उर्स में नमाज ए मगरिब लंगर तकसीम एवं बाद नमाज ए ईशा सूफियाना कव्वाली का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम की सदारत डॉ. नईम अख्तर एवं निजामत अब्बास खलीफा ने की। इस अवसर पर सूफी नजाकत अली, बाबा मौहम्मद हसन, शराफत चौधरी, शरीफ अहमद उर्फ मन्नू खलीफा, अजीम अख्तर, कामरान अली अंसारी, इदरीस अब्बासी, इरशाद अंसारी, डॉ. जुनैद अंसारी आदि उपस्थित रहे।

महिलाओं को धमकाने का वीडियो वायरल

नजीबाबाद। क्षेत्र के ग्राम जटपुरा बांडा में कंपोजिट शराब की दुकान हटाने को लेकर एक सप्ताह पूर्व ग्राम की महिलाओं ने शराब की दुकान के सामने धरना प्रदर्शन किया था। एसडीएम को एक प्रार्थना पत्र देकर दुकान आबादी क्षेत्र से कहीं और खोले जाने की मांग की थी। इसी बात को लेकर मंडावली थाने के हल्का दरोगा ने रविवार की रात्रि में धरना देने वाली महिलाओं के घर पहुंचकर उन्हें हड़काया। जिसकी एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। वीडियो में दरोगा महिलाओं को धमकाते हुए कह रहे हैं कि अगर दोबारा से धरना दिया, तो तुम्हें देख लूंगा, तुम्हें बर्बाद कर दूंगा, तुम्हारा समूह बंद करा दूंगा। इसके बाद से गांव की महिलाएं डरी हुई हैं। गांव की महिलाओं का कहना है कि शराब की दुकान पर आने वाले शराबी गाली गलौच करते हैं, खुले में शौच करते हैं। शराब की दुकान के आसपास का माहौल खराब हो रहा है। इस संबंध में एसडीएम को प्रार्थना पत्र दिया था लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

एक नजर

आरयूएम में फरजंद अली सम्मानित

शेरकोट। आरयूएम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में पीसीएस में 109वीं रैंक प्राप्त करने वाले फरजंद अली को फूल माला पहना कर व शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। स्वागत समारोह में पहुंचे फरजंद अली को प्रबंधक फुरकान महमूद अंसारी ने सम्मानित करते हुए कहा कि यह शेरकोट के लिए गौरव की बात है। जिंदगी में पहली बार किसी स्थानीय बच्चे ने पीसीएस की परीक्षा पास की है। इससे अन्य बच्चों को प्रेरणा लेनी चाहिए। वहीं फरजंद अली ने स्कूल स्टाफ का आभार व्यक्त करते हुए उन्होंने बच्चों को सम्बोधित करते हुए शिक्षा के क्षेत्र में शुरू से अब तक की कठनाईयों के बारे में बताया। बच्चों से उनके शिक्षा के जीवन को संवारने के एक मकसद बनाने की जरुरत है। उन्होंने सभी बच्चों से शिक्षा को बेहद जरुरी बताया। इस मौके पर विद्यालय प्रबंधक फुरकान महमूद अंसारी, प्रधानाचार्य शमशाद हुसैन, कैलाश चंद्र, विजयपाल सिंह, मौहम्मद नफीस अंसारी, शकील अहमद, सुरेंद्रपाल, रिहान अहमद, रईस अहमद, मौहम्मद आलम अंसारी, मौहम्मद रिजवान, अरशद हुसैन खां, मौहम्मद शहजाद, अबरार अहमद स्कूल स्टाफ सहित सभासद जावेद अंसारी, मैराज सिद्दीकी, नजाकत अल्वी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

टीबी मरीजों को बांटी पोषण पोटली

बिजनौर। विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर रेडियो संदेश बिजनौर की ओर से आज टीबी चिकित्सालय में सीएमओ डा. कौशलेंद्र सिंह एवं विशिष्ट अतिथि स्वाति वीरा महाजन सचिव रेडियो संदेश ने टीबी के मरीजों को पोषण पोटली दी गई। साथ ही विश्व स्वास्थ्य दिवस की महत्ता बताते हुए कहा कि टीबी की नियमित जांच कराए, और उचित पोषण ले, सभी जांच सरकारी हॉस्पिटल में निःशुल्क है सभी सरकारी सुविधाओं का लाभ उठाकर अपने को स्वस्थ रखे। स्वाति वीरा ने कहा कि आज हिंदुस्तान में टीबी के मरीजों की संख्या बहुत तेजी से बढ़ रही है। एक स्वस्थ व्यक्ति भी अपना सरकारी अस्पताल में निःशुल्क एक्स-रे कराकर टीबी जांच और दवाइयां लेकर अपने को स्वस्थ रख सकता है, हमें अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहना चाहिए, समय-समय पर जांच एवं अन्य आवश्यक सावधानी बरतनी चाहिए जिससे कि स्वस्थ रह सके इस मौके पर जिला क्षय अधिकारी अनिल कुमार सिंह, अता कौसर, नकुल कुमार, अरविंद यादव आदि एवं समाज सेवी डा. अख्तर हुसैन अंसारी, वीरा कॉलेज के निदेशक एवं निश्चय मित्र डा. अमित कुमार बंसल एवं समस्त रेडियो संदेश की टीम डा. अजय कुमार, सुनील भारद्वाज, शबाना बेग, मनोज यादव, संग्राम सिंह आदि मौजूद रहे।

हज यात्रियों को प्रशिक्षण

चांदपुर। हज यात्रा पर जाने वाले यात्रियों के लिए हज कमेटी ऑफ इंडिया, मुंबई की हिदायत पर एक दिवसीय हज तरबीयती कैंप का आयोजन किया गया। बिजनौर बाईपास रोड स्थित वृंदावन गार्डन में आयोजित कार्यक्रम में हज यात्रियों को हज व उमरा का तरीका कुरान व हदीस के मुताबिक जानकारी उपलब्ध कराई गई। मुफ्ती अब्दुल कादिर व डा. शहादत हुसैन ने यात्रियों को हज के अरकान बताए। अफजल फारुकी, डा. शहादत हुसैन, दिलशाद अहमद, बहार आलम, रफीउज्जमा उर्फ आशि ठेकेदार, नईम अहमद, मेहर आलम, नफीस अहमद, मौहम्मद शाहरुख, शमीम अहमद, हाजी नफीस अहमद, अयूब अहमद, रऊफ ठेकेदार, नाजिम खान द्वारा बेहतरीन व्यवस्था की गई। डा. जुनैद बदर द्वारा चिकित्सा किट बांटी। डा. जमाल अहमद, अय्यूब अहमद, डा.शहादत हुसैन एड., मौहम्मद आसिफ, फहद अली खान द्वारा ट्रेनिंग कराई गई। कार्यक्रम में फहीम अहमद ठेकेदार, पत्रकार मौहम्मद हनीफ, फैजान उर्फ पारुल, बन्ने अल्वी, तारिक शेख मौजूद रहे।

दो दिवसीय खेल प्रतियोगिता का समापन

विजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी, मेडल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया

शाह टाइम्स ब्यूरो

बिजनौर। कृष्णा ग्रुप ऑफ कॉलेजेस द्वारा नेहरू स्टेडियम में आयोजित दो दिवसीय अंतर्विभागीय खेल कार्यक्रम का समापन उत्साह और उमंग के साथ हुआ। विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर विभिन्न खेलों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम के दूसरे दिन मुख्य आकर्षण वॉलीबॉल और क्रिकेट के मैच रहे। वॉलीबॉल मुकाबला काफी रोमांचक रहा, जिसमें कृष्णा ग्रुप के विभिन्न महाविद्यालयों की आठ टीमों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। फाइनल मुकाबले में कृष्णा फार्मेसी कॉलेज ने 25-18 और 25-21 से कृष्णा कॉलेज ऑफ साइंस एंड आईटी को हराकर ट्रॉफी अपने नाम की। विजेता टीम ने बेहतरीन समन्वय और कौशल के दम पर उपविजेता टीम पर जीत हासिल की। क्रिकेट मैच में खिलाड़ियों ने शानदार बल्लेबाजी और गेंदबाजी का प्रदर्शन किया। दर्शकों की तालियों और उत्साह के बीच कृष्णा कॉलेज और कृष्णा ईस्टीट्यूट का मुकाबला बेहद रोमांचक रहा जिसके अंत में विजेता टीम कृष्णा कॉलेज ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 55 रनों से खिताब अपने नाम किया।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि वन विभाग के उपखंड अधिकारी अंशुमान मिश्तल, रेंजर महेश चंद्र गौतम, जिला क्रीड़ा अधिकारी राजकुमार, कालेज के संस्थापक राजीव कुमार, चेयरमैन मनोज कुमार, निदेशक पवन कुमार, लॉ कालेज प्राचार्य डा. परवेज अहमद खां, साइंस कॉलेज प्राचार्या डा. सीमा शर्मा, फार्मेसी प्राचार्य डा. अंकित कुमार सैनी, प्राचार्य डा. विवेक एवं महाविद्यालय की खेल समिति द्वारा विजेता एवं उपविजेता टीमों और विजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी, मेडल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। भारतीय सेना में कार्यरत राष्ट्रीय स्तर के वॉलीबॉल खिलाड़ी शेखर जी ने भी अपनी उपस्थिति से खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने सभी प्रतिभागियों के खेल कौशल की सराहना की और भविष्य के लिए खेलों से जुड़े रहने के संकल्प के लिए प्रेरित किया।महाविद्यालय चेयरमैन मनोज कुमार ने खेल भावना की सराहना करते हुए कहा कि हर प्रतिभागी एक विजेता है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों के प्रयासों की सराहना करते हुए ऐसे आयोजनों को विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में क्रीड़ा सचिव विशाल विक्रम सिंह व अरमान मलिक, क्रीड़ा अधिकारी संजीव कुमार व चित्रि मलिक एवं समस्त शिक्षकों और कर्मचारियों महत्वपूर्ण योगदान रहा। राष्ट्रगान के साथ प्रतियोगिताओं के समापन की घोषणा की गई।

बैंक में दो सप्ताह से 'नो कैश'

शाह टाइम्स संवाददाता

कासमपुर गढ़ी। पंजाब नेशनल बैंक शाखा में पिछले करीब दो सप्ताह से कैश की किल्लत बनी हुई है। जिससे क्षेत्र के सैकड़ों ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बैंक में कैश न होने से रोजमर्रा के जरूरी काम प्रभावित हो रहे हैं। बैंक ग्राहकों में आक्रोश पनपा हुआ है। बैंक में ऐसे हालात बन गए हैं कि लोगों को नोटबंदी के समय की स्थिति की याद सताने लगी है।

बैंक में नोटबंदी जैसे हालात

आज बैंक शाखा पर सुबह से ही ग्राहकों की भीड़ जुटी रही, लेकिन कैश उपलब्ध न होने के कारण अधिकांश लोगों को निराश होकर लौटना पड़ा। वहीं ग्रामीणों का कहना है कि पिछले 10 से 15 दिनों से लगातार यही स्थिति बनी हुई है। लोग दूर-दराज के गांवों से किराया खर्च कर बैंक पहुंचते हैं, लेकिन नकदी न मिलने से उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ता है। ग्राहकों के अनुसार, कई परिवार ऐसे हैं जिन्हें दवाइयों के लिए तत्काल पैसों की जरूरत है, वहीं कुछ लोगों के घरों में शादी-विवाह जैसे महत्वपूर्ण कार्यक्रम हैं। इसके बावजूद बैंक से कैश न मिलने के कारण उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। महिलाओं और बुजुर्गों को सबसे अधिक दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि एटीएम भी अधिकतर समय खाली पड़े रहते हैं, जिससे समस्या और गंभीर हो गई है। लोगों का कहना है कि यदि जल्द ही व्यवस्था नहीं सुधरी तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे। भाकियू तोमर गुट के युवा प्रदेश उपाध्यक्ष मौहम्मद रिजवान ने बैंक की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताते हुए कहा कि शाखा में लंबे समय से कैश की कमी बनी हुई है, जो सीधे-सीधे ग्रामीणों के हितों के साथ खिलवाड़ है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ही कैश की पर्याप्त व्यवस्था नहीं की गई, तो संगठन के बैनर तले प्रदर्शन किया जाएगा। मौहम्मद रिजवान ने पीएनबी के उच्च अधिकारियों से तत्काल संज्ञान लेते हुए शाखा में नियमित रूप से पर्याप्त नकदी उपलब्ध कराने की मांग की है। उधर इस संबंध में बैंक प्रबंधन का कहना है कि कैश की दिक्कत आगे से है। ग्राहकों की समस्या को उच्च अधिकारियों को अवगत करा दिया गया है। शीघ्र ही ग्राहकों की समस्या का निस्तारण कराया जाएगा।

मैथोडिस्ट चर्च में ईस्टर पर्व पर भक्ति कार्यक्रम का आयोजन

नजीबाबाद। नगर के मौहल्ला संतोमालन स्थित मैथोडिस्ट चर्च में ईस्टर पर्व पर भक्ति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। चर्च के पादरी हिमांशु व आशीष ने समाज के लोगों को मिल-जुलकर रहने की सलाह दी। देश, समाज व सभी वर्गों के उत्थान के लिए दुआ की गई। कार्यक्रम में माया प्रसाद, राकेश प्रसाद, रैमी प्रसाद, लीना सिंह, सुधा रानी, पूनम सिंह, रितिका सिंह, रेनू सिंह, रीति सिंह, आरव, अरू, रजनीश सिंह, मीनू सिंह, मनोज बल्लभ, नीतू बल्लभ, अर्चना सिंह, विक्रांत सिंह, अनामिका, रॉकी प्रसाद, रोहन, रवि आदि मौजूद रहे।

50 गेहूं क्रय केंद्र स्वीकृत: डीएम

किसानों के लिए बैठने, स्वच्छ पेयजल व सफाई आदि की व्यवस्था करने के निर्देश

शाह टाइम्स ब्यूरो

बिजनौर। डीएम जसजीत कौर ने रबी विपणन वर्ष 2026-27 में न्यूनतम समर्थन मूल्य योजना के अंतर्गत जानकारी देते हुए बताया कि शासन द्वारा क्रय एजेंसी खाद्य विभाग, पीसीएफ एवं भारतीय खाद्य निगम सहित कुल 50 गेहूं क्रय केंद्रों को स्वीकृति प्रदान की गई है।

कलेक्ट्रेट में आयोजित बैठक में डीएम जसजीत कौर ने बताया कि शासन द्वारा रबी विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत गेहूं क्रय के लिए विगत वर्ष की तुलना में प्रति कुंटल रुपया 160/- की वृद्धि की गई है, इस वित्तीय वर्ष में 2585 रुपए प्रति कुंटल गेहूं क्रय किया जाएगा। उन्होंने समस्त गेहूं क्रय संस्थाओं के जिला प्रबंधकों को निर्देशित किया है कि शासन द्वारा अनुमोदित किए गए क्रय केंद्रों पर तत्काल समस्त व्यवस्थाएं पूर्ण करते हुए तत्काल केंद्रों का क्रियान्वयन एवं भौतिक रूप से क्रियाशील करना सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी केंद्र प्रभारियों को निर्देश दिए कि शासन के निर्देशों के क्रम में क्रय केंद्रों पर आने वाले किसान बंधुओं का रजिस्ट्रेशन एवं सत्यापन करना सुनिश्चित करते हुए उन्हें यथासंभव सुविधा उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी क्रय केंद्रों पर किसानों के लिए बैठने, स्वच्छ पेयजल, सफाई आदि की व्यवस्था संचालित रखें तथा गेहूं क्रय से संबंधित सभी अभिलेख एवं उपकरणों को भी अद्यतन रूप से व्यवस्थित रखें ताकि गेहूं खरीद कार्य में किसी भी प्रकार की कोई असुविधा न होने पाए। इस मौके पर सीडीओ रणविजय सिंह, एडीएम प्रशासन अशिका दीक्षित, जिला खाद्य विपणन अधिकारी सहित गेहूं खरीद एजेंसियों के प्रबंधक एवं केंद्र प्रभारी मौजूद थे।

सरदार सतवंत सिंह सलूजा बने प्रदेश प्रभारी

व्यापारियों में खुशी की लहर

शाह टाइम्स संवाददाता

धामपुर। स्टेशन रोड स्थित एक होटल में पश्चिमी उ.प्र. उद्योग व्यापार मंडल (धामपुर) द्वारा आयोजित व्यापारी सम्मेलन एवं सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में व्यापारियों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही और आयोजन अत्यंत सफल एवं गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश महामंत्री मुकुल अग्रवाल एवं अति विशिष्ट अतिथि एसपी पूर्वी अमित किशोर श्रीवास्तव, सीओ अभय पांडे, कोतवाल मृदुल कुमार, विशिष्ट अतिथि रूप में प्रदेश महामंत्री (महिला विंग) मोनिका रुस्तम यादव, प्रदेश कोषाध्यक्ष अलीशा हुसैन सिद्दीकी, प्रदेश प्रभारी युवा जनाब तसलीम इदरीसी, जिलाध्यक्ष विनीत राजपूत, जिलाध्यक्ष महिला मोर्चा जगमीत कौर, मंडल प्रभारी/अध्यक्ष जावेद रहमान शम्सी, नगर अध्यक्ष शेरकोट अंसार अहमद, ऐश्वर्या चौधरी, प्रशांत गुप्ता, अतुल गुप्ता, सुगम जैन, शिवेंद्र अग्रवाल, सुगम जैन, रुस्तम यादव, दिनेश चंद्र नवीन, नवीन गुप्ता, शफक्कत एस भारती रहे। इस मौके पर प्रदेश महामंत्री मुकुल अग्रवाल द्वारा प्रदेश उपाध्यक्ष सरदार सतवंत सिंह सलूजा को प्रदेश प्रभारी बनाए जाने की घोषणा की गई। जिससे व्यापारियों में खुशी की लहर दौड़ गई। इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के लिए सरदार सतवंत सिंह सलूजा ने प्रदेश अध्यक्ष रवि प्रकाश अग्रवाल एवं प्रदेश महामंत्री मुकुल अग्रवाल के प्रति आभार व्यक्त किया गया, ओर विश्वास दिलाया के वो ऐसे ही व्यापारियों के हक की लड़ाई लड़ते रहेंगे ओर संगठन को ओर मजबूत करने का काम करते रहेंगे।

इसी के साथ व्यापार मंडल ने प्रशासन द्वारा नगर में शांति व्यवस्था बनाए रखने ओर बीते त्योहारों में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए एसपी पूर्वी अमित किशोर श्रीवास्तव, सीओ अभय पांडे, कोतवाल मृदुल कुमार को सम्मानित किया। गुलफाम बिजनौरी को भी स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इसके बाद नए जुड़े व्यापारियों को मनोनयन पत्र व पहचान पत्र देकर सम्मानित किया।

कार्यक्रम का संचालन इरशाद धामपुरी ने किया। कार्यक्रम सफल बनाने में नगर अध्यक्ष धामपुर एसपी सलूजा, असलम फरीदी, मुनीश गर्ग, सुहैल डिजाइनर, सलमान फरीदी, अमित गुप्ता, मौहम्मद आसिफ, श्यान शम्सी, सुलेमान इदरीसी, हाजी हसन खान, रवींद्र सिंह सिडाना, साजिद खान, मौहम्मद नदीम, अजीत चावला, मुकेश सैनी, शोएब मैक्स, अशोक दुआ, रमेश अग्रवाल, महेश मल्होत्रा, नासिर लिबर्टी, अख्तर मुल्तानी, रियासत मालिक, मौहम्मद शाकिर, मौहम्मद हसन, आसिफ मालिक आदि का योगदान रहा।

धामपुर फ्लेम-बी ने जीता क्रिकेट मैच

शाह टाइम्स संवाददाता

धामपुर। बीएस क्रिकेट क्लब धामपुर की ओर से सिंदर पाल जुनेजा मेमोरियल टूर्नामेंट का आयोजन केएम इंटर कॉलेज के ग्राउंड में रितेश जुनेजा व युवा सर्राफा संघ धामपुर के अध्यक्ष योगेश रस्तोगी उर्फ बाबू भैया द्वारा कराया जा रहा है।

सोमवार को नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट में सीओ धामपुर अभय कुमार पांडे व एसएचओ धामपुर अपनी पूरी टीम के साथ टूर्नामेंट में पहुंचे और फीता काटकर मैच का शुभारंभ किया। दूसरे दिन भी दो मैच का आयोजन कराया गया पहला मैच महल सराय क्लब व धामपुर फ्लेम क्लब-बी के बीच हुआ। जिसमें पहले बल्लेबाजी करते हुए महल क्लब धामपुर ने आठ ओवर में 100 रन बनाए। जिसमें सादिक ने 30 रन तालिब ने 22 रन, सुहेल उर्फ सेमी ने 12 बनाए। दूसरी टीम धामपुर फ्लेम-बी ने रनों का पीछा करते हुए आसानी से जीत हासिल की।

जिसमें यश 14, जीशान ने 34, अनुराग ने पहले ओवर में ही सादिक के ओवर में 34 बना कर मैच वन साइड कर दिया। अम्पायर आमिर अंसारी एड. व प्पपू कप्तान रहे। दूसरा मैच ग्राम बमनोली व बिजनौर क्लब के बीच हुआ। पहले बल्लेबाजी करते हुए बिजनौर क्लब मात्र 65 रनो पर ऑल आउट हो गई। सादिक 16 रन, मोहित आठ रितिक जैक्सन 17 बनाये।

दूसरी पारी में ग्राम बमनोली के कप्तान गोतम ने शानदार कप्तानी की। टीम के ओपनर बल्लेबाज सादिक खान ने पहले ओवर में ही लगातार चार बॉल पर चार छक्के मारे टोटल 35 रन बनाए। अंकुश ने 17 रन, शाहिद 1 रन, ग्राम बमनोली मात्र तीन ओवर में ही मैच जीत गई। दूसरे मैच के अम्पायर रितेश जुनेजा व आमिर अंसारी एड. रहे। बीएस. क्रिकेट क्लब धामपुर के सदस्य जिनके द्वारा यह है नाइट क्रिकेट टूरनामेंट का आयोजन किया जा रहा है। आमिर अंसारी एड.सलीम उर्फ पप्पू कप्तान रितेश जुनेजा, योगेश रस्तोगी, कॉमेंटेटर दिलावर रजा व मौहम्मद शादाब रहे।

एक नजर

भाकियू ने सौंपा ज्ञापन

कोतवाली देहात। भाकियू (अराजनैतिक) की मासिक बैठक ब्लाक सभागार में हुई। बैठक को संबोधित करते हुए ब्लॉक अध्यक्ष ओमप्रकाश काकरान ने कहा कि ग्राम सिकंदरपुर उर्फ सभाचुंदपुर केशो में सात ट्यूबवैल से मोटर चोरी की गई है। चोरी की घटनाओं का तुरंत खुलासा होना चाहिए। किसानों के नुकसान की भरपाई होनी चाहिए। ग्राम जगन्नाथपुर के बिजेंद्र सिंह के ट्यूबवैल पर भी चोरी हो गई है। ग्राम सिकंदरपुर में लगभग एक महीने पहले टंकी पर चोरी हुई एवं चोरी हुए हाई सिक्योरिटी कैमरे के आईएमइआई नंबर को ट्रैक करके खुलासा किया जाए। ग्राम शेरनगर नरैनी में सगीर अहमद के 90 यूकेलिप्टिस के पेड़ अज्ञात लोगों के द्वारा उखाड़े गए हैं। मामले में कार्रवाई होनी चाहिए। ब्लॉक कोतवाली देहात में स्थित गोशाला की गोचारा की भूमि पर कब्जा हुआ है। सभी भूमि कब्जा मुक्त कराई जाए। बैंक में खाताधारकों को पेमेंट न मिलने की समस्या का समाधान कराया जाए। चोरी की घटनाओं का शीघ्र खुलासा करने के लिए थाना अध्यक्ष कोतवाली देहात को ज्ञापन सौंपा गया। बैठक को धर्मपाल सिंह, मुकुल त्यागी, विजेंद्र सिंह, समर पाल सिंह, अनुज तोमर, संदीप त्यागी, निपेंद्र ठाकरान, बाबूराम सिंह, कार्मेंद्र तोमर, सगीर अहमद आदि ने संबोधित किया।

झूले से गिरकर युवक घायल

नजीबाबाद। रायपुर तिराहे के पास लग रही नुमा. इश में झूले से गिरकर एक युवक गंभीर घायल हो गया। जलालाबाद के मौहल्ला इस्लाम नगर निवासी अजीम पुत्र अनीस अपने परिवार के साथ रायपुर तिराहे पर लग रही नुमाइश में घूमने आया था। वह नुमाइश में लगे नाव वाले झुले पर झूल रहा था। अचानक से वह झूले से गिर गया और गंभीर रूप से घायल हो गया। एंबुलेंस द्वारा उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालत गंभीर देखते हुए ऋषिकेश एम्स भेज दिया गया। सूचना मिलने पर नवीन मंडी चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और घटना के संबंध में जानकारी प्राप्त की।

गायत्री मंत्र की दीक्षा दी

हल्दौर। मौहल्ला चमनवाला में शांतिकुंज हरिद्वार के मार्गदर्शन में आयोजित 24 कुंडीय गायत्री महायज्ञ एवं संस्कार महोत्सव का आयोजन पूरे श्रद्धा और उत्साह के साथ जारी है। चार दिवसीय इस आयोजन के तीसरे दिन आज विभिन्न वैदिक संस्कार सम्पन्न कराए गए। शांतिकुंज टोली के प्रमुख प्रो. डा. अशोक ने 60 पुरुषों एवं 35 महिलाओं को गायत्री मंत्र की दीक्षा प्रदान कर उन्हें पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य को गुरु रूप में स्वीकार करने का संकल्प दिलाया। इसके साथ ही सात पुंसवन संस्कार, दस विद्यारंभ संस्कार, पांच अन्नप्राशन तथा तीन मुंडन संस्कार विधिवत संपन्न कराए गए। प्रवचन देते हुए डा. अशोक ने कहा कि शिखा और यज्ञोपवीत भारतीय संस्कृति की पहचान हैं और गुरु-शिष्य परंपरा हमारे राष्ट्र की महान धरोहर रही है। उन्होंने रामकृष्ण परमहंस-विवेकानंद, विरजानंद-दयानंद, संद. ीपन-ख्रष्ण और विश्वामित्र-राम जैसे उदाहरणों के माध्यम से इस परंपरा की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने यह भी कहा कि नारी को भी यज्ञोपवीत धारण करने, गायत्री मंत्र जपने और यज्ञ करने का पूर्ण अधिकार है। वैदिक काल में मैत्रेयी, घोषा और विश्ववारा जैसी विदुषी महिलाओं ने वेदों की रचना कर समाज को दिशा दी। कार्यक्रम में गायत्री शक्तिपीठ के व्यवस्थापक डा. दीपक कुमार ने कार्यकर्ताओं से घर-घर गायत्री एवं गांव-गांव यज्ञ के प्रसार का आह्वान किया। इस दौरान अमिता यादव, इंद्रदेव शर्मा, पंडित सोमेश्वर दत्त शर्मा, कृष्णा देवी चौहान, नीतू, कौशल सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

फिट इंडिया मैराथन एवं रक्तदान शिविर

शाह टाइम्स संवाददाता

धामपुर। दिशा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस द्वारा विश्व स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में 'फिट इंडिया मिनी मैराथन' का भव्य आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ संस्था की चेयरपर्सन डा. नीलम अग्रवाल, महासचिव मुकेश कुमार अग्रवाल, संयुक्त सचिव अनिरुद्ध अग्रवाल एवं रजिस्ट्रार राजीव कुमार द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। यह मैराथन सुबह 6 बजे 'एचपी पेट्रोल पंप' नींदड़ू से प्रारंभ होकर कालेज परिसर में समाप्त हुई। जिसमें 667 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

संस्था के संयुक्त सचिव अनिरुद्ध अग्रवाल ने अपने सम्बोधन में कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं एवं आमजन में स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता बढ़ाना तथा फिटनेस को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना है। मैराथन के प्रतिभागियों के लिए नकद पुरस्कार रखे गये। जोकि बालक वर्ग व बालिका वर्ग के लिए अलग-अलग दिया गया। जिसमें प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी को 5100 रु., द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी को 2100 रु. एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी कों 1100 रु. का नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। जिसमें बालिका वर्ग में प्रथम स्थान आशीष पुत्र प्रीतम सिंह, द्वितीय स्थान अनुज पुत्र चमन सिंह एवं तृतीय स्थान तरूण राज सिंह पुत्र राजवीर सिंह एवं बालिका वर्ग में प्रथम स्थान सगरिका पुत्री राजू सिंह, द्वितीय स्थान तृप्ति पुत्री नरेश कुमार एवं तृतीय स्थान शमाना पुत्री मौहम्मद रईस हैदर ने प्राप्त किया।

संचालन संस्था की प्रवक्ता रश्मि शर्मा एवं प्रभात कुमार के द्वारा किया गया। प्राचार्य फार्मेसी डा. विमल कुमार भारती ने सभी प्रतिभागियों एवं बाहर से आए सभी आगंतुकों को आभार व्यक्त किया।

अकेडमिक इंचार्ज अमित विश्नोई, प्राचार्य डा. दुष्यंत जैन, प्राचार्य फार्मेसी डा. विमल भारती, फैकल्टी एवं स्टाफ जीत सिंह (मीडिया प्रभारी), गौरव मलिक (चीफ प्रोक्टर), डा. समीर अहमद (ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट हेड), बृजनेश सिसौदिया, नरेशपाल सिंह, प्रीति विश्नोई, मोनू कुमार, डा. एकता मलिक, मधुलिका राजपूत, नाजिश, निधि चौहान, परमजीत कौर, नीशू सिंह, राजेश कुमार, सतेंद्र शर्मा, जितेंद्र सिंह, मानशी, मंशा अग्रवाल, नमन कौशिक, जसवंत सिंह, ललित कुमार, शिवम कुमार, सुनैना राजपूत, रजत चौहान, संजना राजपूत, अंजली, गौतम, सूर्यप्रताप सिसौदिया, वैभव कटारिया, आकांक्षी, सचिन कुमार, संदीप विश्नोई, विशाल गुप्ता, सचिन कुमार, अवनीश कुमार, दिव्यांश अग्रवाल, रीना देवी, दीपक शर्मा, रजनीश कुमार, प्रशांत कुमार, रितिका शर्मा आदि का पूर्ण सहयोग रहा।

फाइनल में भनेड़ा की टीम विजेता, मंडावली की टीम उपविजेता रही

नजीबाबाद। मंडावली क्रिकेट क्लब की ओर से क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। जिसमें जनपद की कई टीमों ने भाग लिया। टूर्नामेंट में भनेड़ा व मंडावली की टीम फाइनल मैच में पहुंची। रविवार को दोनों टीमों के बीच मुकाबला हुआ। पहले मंडावली की टीम ने खेलते हुए 10 ओवर में 90 रन बनाए। जवाबी बल्लेबाजी में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए भनेड़ा की टीम ने मात्र 7 ओवर में 90 रनों का टारगेट पूरा कर ट्रॉफी पर कब्जा कर फाइनल मैच जीत लिया। दर्शकों ने मैच देख खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया। मुख्य अतिथि आसपा के वार्ड दो से संभावित जिला पंचायत सदस्य प्रत्याशी वाजिद मकरानी व ग्राम पंचायत सदस्य प्रत्याशी वाजिद मकरानी व ग्राम प्रधान प्रत्याशी मुजाहिद अली मकरानी ने संयुक्त रूप से विजेता टीम भनेड़ा के कप्तान नावेद अहमद, उपविजेता टीम मंडावली के कप्तान प्रिंस चौहान को ट्राफी देकर सम्मानित कर शुभकामनाएं दीं। मैन ऑफ दा मैच इसरार व मैन ऑफ दा सीरीज शादाब अहमद चुने गए। दोनों टीमों के सभी खिलाड़ियों को ट्राफी देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर शमशाद आरजू, डॉक्टर मुजाहिद हुसैन, नाजिम मकरानी, जैनुल मकरानी, मौहम्मद इकबाल, इसरार, उमर, गुजाहिद, अफजाल जैदी, बुंदु मकरानी, नसीम अहमद आदि मौजूद रहे।

उलमा-ए-किराम ने दिए दीन व इंसानियत के पैगाम

शाह टाइम्स संवाददाता

स्योहारा। सहसपुर मार्ग स्थित बैंकट हॉल में आयोजित भव्य जश्न ए जलसा व जश्न-ए-नतीजा कार्यक्रम अकीदत के साथ सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम का आयोजन जामिया अबू बक्र लिल बनात द्वारा गया। जिसमें नगर सहित आसपास क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोगों ने शिरकत कर दीन की महफिल से फैज हासिल किया। कार्यक्रम का शुभारंभ तिलावत-ए-कुरआन से हुआ। जिसके बाद नात ए पाक और उलमा ए किराम की तकरीरों का सिलसिला देर रात तक जारी रहा। जलसे में पहुंचे वक्ताओं ने दीन ए इस्लाम की शिक्षाओं इंसा. नियत भाईचारे शिक्षा की अहमियत और समाज में अमन ओ शांति कायम रखने पर जोर दिया।

कार्यक्रम का विशेष आकर्षण मदरसे का जश्न-ए-नतीजा रिजल्ट समारोह रहा। जिसमें मदरसे की विद्यार्थियों के उत्कृष्ट शैक्षिक परिणाम घोषित किए गए। बेहतर प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को मंच पर सम्मानित कर उनकी हौसला अफ्जाई की गई। इस मौके पर हिबा इलाही एवं उदा इलाही सहित कई छात्राओं को प्रमाण पत्र एवं दुआओं के साथ सम्मानित किया गया। उलमा-ए-इकराम ने कहा कि बेटियों की दीनी तालीम समाज के नैतिक निर्माण में अहम भूमिका निभाती है और ऐसे संस्थान कौम के उज्ज्वल भविष्य की नींव तैयार करते हैं। इस मौके पर मुफ्ती अकील ने कहा कि इल्म ही इंसान को सही पहचान और मुकाम देता है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों खासकर, बेटियों की तालीम पर विशेष ध्यान दें। क्योंकि शिक्षित पीढ़ी ही समाज को तरक्की और सही राह दिखा सकती है। उन्होंने कहा कि दीनी और दुनियावी शिक्षा का संतुलन इंसान को बेहतर नागरिक बनाता है। कार्यक्रम में शहर इमाम मौलाना काबिल कासमी, मौलाना अरशद हक्की, मौहम्मद हाजी इलियास, बसपा युवा नेता इफ्तिखार चौधरी, अफजल चौधरी, मुफ्ती अकील, सूफी साहिल, मौलाना इम्तियाज, शाकिर, कारी जिशान एवं कारी नवाजिश आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम आयोजकों ने सभी मेहमानों एवं नगरवासियों का आभार व्यक्त किया। जलसे के समापन पर मुल्क की तरक्की अमन-चैन और खुशहाली के लिए विशेष दुआ कराई गई।

एक नजर

तीन चोर दबोचे, सामान बरामद

स्योहारा। मलकपुर बुजुर्ग निवासी महिला द्वारा घर में घुसकर ताला तोड़कर चोरी किए जाने की शिकायत पुलिस से गई थी। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपियों ने चोरी की घटना को स्वीकार करते हुए अपने साथियों के साथ मिलकर वारदात को अंजाम देना बताया। इनके कब्जे से चोरी किए गए दो सोलर पैनल, एक बैटरी, स्टेबलाइजर, कपड़े एवं एक गैस सिलेंडर बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपी आकाश पुत्र करन वीर, तालिब पुत्र मतलूब व नरेश कुमार पुत्र हरिओम निवासीगण मलकपुर बुजुर्ग को न्यायालय भेजा गया। इस कार्रवाई में उपनिरीक्षक उमेश चंद्र, कांस्टेबल राहुल, सुरेंद्र राणा एवं अमित भाटी मौजूद रहे।

हर्ष कश्यप ने किया नाम रोशन

कोतवाली देहात। ग्राम शादीपुर निवासी किसान राजपाल कश्यप के पुत्र हर्ष कश्यप का चयन भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मुंबई में एमएससी गणित में हुआ है। हर्ष ने ऑल इंडिया 128 रैंक के साथ प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण की है। हर्ष कश्यप वर्धमान कॉलेज में बीएससी अंतिम वर्ष का छात्र है। हर्ष ने अपनी माध्यमिक शिक्षा राजकीय इंटर कॉलेज बिजनौर से प्राप्त की है। हर्ष ने बताया कि आईआईटी बॉम्बे देश के अग्रणी संस्थानों में से एक है। उन्होंने यह परीक्षा 128वीं रैंक के साथ उत्तीर्ण की है। हर्ष अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता तथा गुरुजनों को देते हैं। हर्ष का सपना देश की सेवा करने का है।

भाकियू की मासिक पंचायत

धामपुर। भारतीय किसान यूनियन अराजनीतिक की मासिक पंचायत जिला उपाध्यक्ष दुष्यंत राणा की अध्यक्षता में और युवा प्रदेश अध्यक्ष चौधरी दिगंबर सिंह के निर्देशन में ठाकुर अभय प्रताप सिंह चयनित पीसीएस के निवास स्थान ग्राम मटौरा दर्गा में संपन्न हुई। बसंगठन द्वारा आज हमारे क्षत्रिय समाज के बेटे ठाकुर अभय प्रताप का सम्मान हमारे सभी पदाधिकारियों कार्यकर्ताओं द्वारा किया गया और अपने समाज के बच्चों से सही रास्ते पर चलने का आह्वान किया गया और हमारे कार्यकर्ताओं पर पुलिस द्वारा झूठे मुकदमे दर्ज करने पर रोज व्यक्त किया गया। बैठक में युवा प्रदेश अध्यक्ष चौधरी दिगंबर सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष अतुल बालियान, जिला उपाध्यक्ष दुष्यंत राणा, ब्लॉक अध्यक्ष धामपुर अजय राजपूत, भानु प्रताप राणा, अरविंद राजपूत, वीरेंद्र कुमार, विजयपाल सिंह, सुभाष चौहान, सुशील कुमार, संगठन मंत्री सुरेश कुमार, तहसील महासचि सुनील प्रधान, संजय कुमार, दिनेश प्रधान, कुशल पाल सिंह, जयप्रकाश सिंह, उत्तम सिंह, रणवीर सिंह आदि सैकड़ों की संख्या में किसान साथी मौजूद रहे।

मानवता की जीत: एक साल से लापता युवक का जिला अस्पताल में सफल उपचार, गुरु को सौंपा गया

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। इंसानियत और समर्पण की मिसाल पेश करते हुए जिला अस्पताल के डॉक्टरों और कर्मचारियों ने एक वर्ष से लापता युवक को न केवल नया जीवन दिया, बल्कि उसे उसके अपने तक भी पहुंचाया। रुद्रपुर निवासी विश्वनाथ पुत्र संजय मंडल को 3 अप्रैल को ईएमटी चालक महिपाल द्वारा गंभीर अवस्था में मुरादाबाद के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था।बताया गया कि जब विश्वनाथ को अस्पताल लाया गया, तब उसकी हालत बेहद नाजुक थी और पहचान तक स्पष्ट नहीं हो पा रही थी। ऐसे कठिन समय में अस्पताल के डॉक्टरों और स्टाफ ने पूरी जिम्मेदारी और मानवता का परिचय देते हुए उसका इलाज शुरू किया। लगातार देखभाल, उचित उपचार और निगरानी के चलते विश्वनाथ की हालत में धीरे-धीरे सुधार होने लगा। कई दिनों की मेहनत के बाद आखिरकार विश्वनाथ पूरी तरह स्वस्थ हो गया।

खंभे में उतरे करंट की चपेट में आकर मासूम बच्चे की मौत, बिजली विभाग के खिलाफ लोगों में आक्रोश

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। कटघर थाना क्षेत्र की छोटी मंडी में सोमवार रात दर्दनाक हादसे में सात वर्षीय मासूम की करंट लगने से मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया और लोगों में बिजली विभाग के प्रति भारी आक्रोश देखने को मिला।

जानकारी के अनुसार छोटी मंडी गड्ढों वाली गली निवासी इसरार हुसैन ई-रिक्शा चालक हैं। उनका सात वर्षीय बेटा इस्माईल सोमवार रात करीब आठ बजे पास की दुकान पर टॉफी खरीदने गया था। सामान लेने के बाद वह पास ही खड़े बिजली के खंभे को पकड़कर खड़ा हो गया। बताया जा रहा है कि खंभे में पहले से करंट उतर रहा था, जिसकी चपेट में आते ही बच्चा बुरी तरह झुलस गया और मौके पर ही गिर पड़ा।घटना की जानकारी मिलते ही परिजन आनन-फानन में उसे दिल्ली रोड स्थित एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद परिजन दूसरे अस्पताल भी ले गए, लेकिन वहां भी चिकित्सकों ने मौत की पुष्टि कर दी।

शव को घर लाए जाने के बाद परिवार में कोहराम मच गया।घटना के बाद मोहल्ले के लोग बड़ी संख्या में एकत्र हो गए और बिजली विभाग के खिलाफ जमकर नाराजगी जताई। स्थानीय लोगों का आरोप है कि क्षेत्र के कई खंभों में करंट उतर रहा है, जिसकी शिकायत दो-तीन दिन पहले ही की गई थी।

गुजरात को पहली जीत की तलाश

दो जीत के बाद दिल्ली की नजरे जीत की हैट्रिक पर, दोनो के बीच कोटला में भिड़ंत आज

नई दिल्ली, वार्ता। आईपीएल 2026 के बुधवार के मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) का सामना गुजरात टाइटंस (जीटी) से दिल्ली में होगा। जहां डीसी को अपने शुरुआती दो मैचों में जीत मिली है, वहीं जीटी को अभी भी अपनी पहली जीत का इंतजार है। दोनों टीमों के बीच अब तक हुए सात मैचों में जीटी 4-3 से आगे है।

पिछले आईपीएल के दो मैचों में जीटी को दोनों में जीत मिली है, वहीं दिल्ली में भी दोनों टीमों के बीच खेले गए तीन मैचों में जीटी 2-1 से आगे है। राहुल को रहना होगा रबाडा और प्रसिद्ध से सावधान केएल राहुल के लिए आईपीएल 2026 की शुरुआत कुछ खास नहीं रही है और दो मैचों में उनका स्कोर 0 और 1 का है। राहुल का यह खराब फॉर्म जीटी के खिलाफ मैच में भी जारी रह सकता है क्योंकि जीटी के तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा और कगिसो रबाडा उन्हें परेशान करते हैं। प्रसिद्ध अपने राज्य के साथी को सात पारियों में तीन जबकि रबाडा भी उन्हें 12 पारियों में तीन बार आउट कर चुके हैं। राशिद खान ने भी राहुल को तीन बार आउट किया है, जिसका मतलब है कि अगर राहुल टिक भी जाते हैं

तो भी पावरप्ले के बाद उन्हें परेशान करने वाला कोई है। एनगिडी कर सकते हैं जीटी के शीर्ष क्रम को परेशान भारत में हुए टी-20 विश्व कप से ही लुंगी एनगिडी शानदार फॉर्म में हैं और अपनी स्लोअर गेंदों से बल्लेबाजों को परेशान करने की कला को उन्होंने आईपीएल 2026 में भी जारी रखा है। एनगिडी जीटी के खिलाफ भी अपनी स्लोअर गेंदों का जादू दिखा सकते हैं। जीटी के कप्तान और सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल को उन्होंने चार पारियों में दो बार आउट किया है, जबकि गिल उन पर सिर्फ 88 के स्ट्राइक रेट से सात रन ही बना पाए हैं। बटलर को भी एनगिडी ने तीन बार आउट किया है,

हालांकि बटलर उन पर 161 के स्ट्राइक रेट से रन बनाते हैं। बटलर को अक्षर पटेल और कुलदीप यादव की अनुभवी स्पिन जोड़ी भी परेशान करती है और दोनों उन्हें दो-दो बार आउट कर चुके हैं। बटलर दोनों स्पिनरों पर सिर्फ 132 के स्ट्राइक रेट से रन बना पाते हैं। मिलर का तोड़ राशिद के पास है डेविड मिलर को डीसी ने इस बार फिनिशर के तौर पर अपनी टीम में शामिल किया है,

लेकिन राशिद उनको अंतिम ओवरों में परेशान करने की कुव्वत रखते हैं। जीटी के अपने पूर्व साथी को राशिद ने चार बार आईपीएल में आउट किया है, जबकि मिलर, राशिद पर सिर्फ 119 के स्ट्राइक रेट से रन बना पाते हैं। सिराज और रबाडा ने भी मिलर को दो-दो बार आउट किया है और इन दोनों के खिलाफ भी मिलर का स्ट्राइक रेट सिर्फ 100 और 119 का है।

आईपीएल टिकटों की कालाबाजारी का भंडाफोड़, 11 लोग गिरफ्तार

बेंगलुरु, वार्ता। आईपीएल टिकटों की कालाबाजारी के मामले पर, पुलिस कमिश्नर सीमांत कुमार सिंह ने बताया कि ऐसी खबरें मिली थीं कि चल रहे इंडियन प्रीमियर लीग मैचों के दौरान कुछ लोग ऑनलाइन ब्लैक मार्केट में मैच के टिकट बेच रहे हैं। उनके अनुसार, इन जानकारियों पर कार्रवाई करते हुए, सेंट्रल क्राइम ब्रांच (सीसीबी) ने एक गुप्त ऑपरेशन चलाया। इस ऑपरेशन के दौरान, अधिकारियों ने टिकटों की अवैध बिक्री में शामिल 11 लोगों को गिरफ्तार किया और 28 टिकट बरामद किए, जिन्हें ब्लैक मार्केट में बहुत ज्यादा कीमतों पर बेचा जा रहा था।

इस सीजन की शुरुआत में भी, सीसीबी के जासूसों ने इसी तरह के अभियान चलाए थे और ज्यादा मांग वाले मैचों से पहले एम- चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर टिकटों की कालाबाजारी में शामिल कई लोगों को गिरफ्तार किया था। ऐसे मामलों में, लगभग 1,000 से 1,500 रुपये की मूल

कीमत वाले टिकटों को कथित तौर पर मूल कीमत से कई गुना ज्यादा कीमत पर बेचा जा रहा थाद्ध कुछ मामलों में तो मांग के आधार पर कीमतें 5,000 से 7,000 रुपये तक पहुंच गई थीं। पुलिस ने बताया कि कुछ आरोपी छोटे-छोटे ग्रुप बनाकर काम कर रहे थे और सीधे पकड़े जाने से बचने के लिए बिचौलियों का इस्तेमाल कर रहे थे,

जबकि कुछ मामलों में, टिकट कथित तौर पर अंदरूनी सूत्रों या थोक आवंटन के जरिए हासिल किए गए थे और फिर उन्हें ब्लैक मार्केट में भेज दिया गया था। अधिकारियों ने आगे बताया कि लोकप्रिय टीमों वाले बड़े मैचों के दौरान कालाबाजारी बढ़ जाती है, जिससे असली प्रशंसकों के लिए टिकटों की कमी हो जाती है और ऑफलाइन नेटवर्क के साथ-साथ ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए भी बढ़ी हुई कीमतों पर टिकटों की दोबारा बिक्री को बढ़ावा मिलता है।

खेल विशेष

फॉरवर्ड गिलबर्टसन संगमा के निधन पर शोक व्यक्त किया

नई दिल्ली, वार्ता। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने भारत के पूर्व फॉरवर्ड गिलबर्टसन संगमा के निधन पर शोक व्यक्त किया, जिनका 3 अप्रैल को गुवाहाटी में निधन हो गया। वह 70 वर्ष के थे। असम के एक जाने-माने फॉरवर्ड, गिलबर्टसन संगमा ने 1975 में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व किया था। उन्होंने 17 अप्रैल, 1975 को जकार्ता में आयोजित 'मारा हलीम कप' में इंडोनेशिया के खिलाफ अपने सीनियर राष्ट्रीय टीम करियर की शुरुआत की थी। संगमा ने भारत के लिए कुल तीन मैच खेले, और ए सभी मैच इसी टूर्नामेंट के दौरान खेले गए थे।

भारत की अंडर17 महिला टीम रूस के खिलाफ तीन मैत्री मैच खेलेगी

नई दिल्ली, वार्ता। भारत की अंडर17 महिला टीम सोची में 11, 14 और 17 अप्रैल को रूस के खिलाफ तीन मैत्री मैच खेलेगी। मुख्य कोच पामेला कोंटी ने इस दौरे के लिए 23 सदस्यों की टीम की घोषणा की है। 'यंग टाइग्रेस', जो एएफसी अंडर 17 महिला एशिया कप चीन 2026 की तैयारी कर रही हैं, सोमवार देर रात सोची पहुंचीं। पिछले महीने, वे मेजबान टीम के खिलाफ दो फेंडली मैच खेलने के लिए यंगून गई थीं।

अमीनुल इस्लाम की अगुवाई वाला बोर्ड भंग

ढाका, वार्ता। बंगलादेश की नेशनल स्पोर्ट्स काउंसिल (एनएससी) ने मंगलवार को घोषणा की कि उसने बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड को चलाने के लिए 11 सदस्यों वाली एक एड-हॉक कमेटी बनाने का फैसला किया है। यह फैसला अमीनुल इस्लाम बुल. बुल की अगुवाई वाले बोर्ड को भंग करने के बाद लिया गया, 11 सदस्यों वाली एड-हॉक कमेटीः अध्यक्षः तमीम इकबाल सदस्यः रशना इमाम, मिर्जा यासिर अब्बार, सैयद इब्राहिम अहमद, इसराफिल खोसरू, मिन्हाजुल अबेदिन नन्नू, अथर अली खान, तंजुम चौधरी, सलमान इस्फहानी, रफीकुल इस्लाम बाबू, फहीम सिन्हा, अथर अली खान क्रिकबज ने पहले ही रिपोर्ट किया था कि मौजूदा बोर्ड के इस हफ्ते के भीतर भंग होने की संभावना है, और एनएससी एक एड-हॉक कमेटी बनाने की तैयारी में है।

खालसा, रामजस और किरोड़ीमल कॉलेज जीते

नई दिल्ली, वार्ता। मेजबान श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज, किरोड़ी मल कॉलेज, स्टनर अकादमी और रामजस कॉलेज ने 5वें पीएसपीबी बाबा दीप सिंह बास्केटबॉल (पुरुष एवं महिला) टूर्नामेंट के अपने शुरुआती मुकाबले जीत लिए। श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज के प्राचार्य प्रो- गुरमोहिदर सिंह और एसजीटीबी खालसा कॉलेज की शारीरिक शिक्षा एवं खेल विज्ञान निदेशक डा. इंदरप्रीत कौर ने किया। पुरुष वर्ग में एसजीटीबी खालसा ने एमिटी यूनिवर्सिटी को 77-42 से हराया।

सात्विक-चिराग हटे, सिंधु लक्ष्य संभालेंगे भारतीय चुनौती

नई दिल्ली, वार्ता। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु और पेरिस 2024 के सेमीफाइनलिस्ट लक्ष्य सेन, बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप 2026 में भारत की पदक की उम्मीदों की अगुवाई करेंगे। यह चैंपियनशिप मंगलवार से चीन के निंगबो में शुरू होने वाली है।

2026 की बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप लगातार तीसरी बार है जब यह महाद्वीपीय प्रतियोगिता निंगबो में आयोजित की जा रही है। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों ने अब तक दो बार एशियाई चैंपियन का खिताब जीता है। दिनेश खन्ना 1965 में पुरुषों के एकल (सिगल्स) चैंपियन बने थे, जबकि सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने 2023 में पुरुषों के युगल (डबल्स) का खिताब जीता था। देश के शटलरों ने इस प्रतियोगिता में कई कांस्य पदक भी जीते हैं। सात्विक-चिराग को इस बार के टूर्नामेंट में खेलना था, लेकिन सात्विक के कंधे में चोट लगने के कारण उन्होंने आखिरी समय पर टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया। हरिहरन अमसकारुणन-एमआर अर्जुन और पृथ्वी केआर-साई प्रतीक के, निंगबो में पुरुषों के युगल वर्ग में भारत की ओर से दो. हरी चुनौती पेश करेंगे। पूर्व विश्व चैंपियन पीवी सिंधु, जो महिलाओं की एकल बैडमिटन रैंकिंग में 13वें स्थान पर हैं, महिलाओं के एकल वर्ग में भारत की शीर्ष खिलाड़ी होंगी। सिंधु, जो 2014 और 2022 की एशियाई चैंपियनशिप में कांस्य पदक विज. ेता रही हैं, जनवरी में इंडोनेशिया मास्टर्स के क्वार्टर-फाइनल तक पहुंचने के बाद पहली बार किसी प्रतिस्पर्धी मुकाबले में वापसी कर रही हैं। चोट से उबरने के बाद, 30 वर्षीय सिंधु पिछले महीने ऑल इंग्लैंड ओपन में वापसी करने वाली थीं, लेकिन उन्हें अपनी योजना टालनी पड़ी। मालविका बंसोड़, उन्नति हुड्डा और उभरती हुई खिलाड़ी तन्वी शर्मा महिलाओं के वर्ग में सिंधु का साथ देंगी।

ऑस्ट्रेलियाई लेग-स्पिनर अलाना किंग फिर से वनडे रैंकिंग में टॉप पर

दुबई, वार्ता। ऑस्ट्रेलिया के कैरेबियन दौरे के दौरान शानदार प्रदर्शन की बदौलत अलाना किंग आईसीसी महिला वनडे बॉलिग रैंकिंग में फिर से टॉप पर पहुंच गई हैं। किंग ने सेंट किट्स में अपने आखिरी मैच में पांच विकेट लिए, जिससे मंगलवार को जारी ताजा रैंकिंग में वह इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टोन से आगे निकल गईं।

इस लेग-स्पिनर (753) ने मार्च में रैंकिंग में टॉप पर एक्लेस्टोन के लगभग चार साल के दबदबे को खत्म कर दिया था, हालांकि पिछले हफ्ते की रैंकिंग में वह इंग्लैंड की इस लेफ्ट-आर्म ऑर्थोडॉक्स स्पिनर से पीछे रह गई थीं। 30 साल की इस खिलाड़ी ने बासेटेरे के वार्नर पार्क में 5/19 (10) के शानदार आंकड़े के साथ मैच खत्म किया। उन्होंने 44 डॉट गेंदें फेंकीं, जिससे ऑस्ट्रेलिया ने नौ विकेट से जीत

हासिल की और 3-0 से सीरीज अपने नाम कर ली। आईसीसी के अनुसार, उनके इस प्रदर्शन की बदौलत वह ऑलराउंडर रैंकिंग (281) में एक स्थान ऊपर चढ़कर सातवें स्थान पर पहुंच गईं और इंग्लैंड की नैट साइवर-ब्रंट (280) को पीछे छोड़ दिया। वहीं दूसरी ओर, न्यूजीलैंड की बल्लेबाजों ने भी शानदार प्रदर्शन किया, क्योंकि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू वनडे सीरीज में उनके बल्ले से खूब रन निकले। मैडी ग्रीन अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिग 642 पर पहुंच गईं और चार स्थान ऊपर चढ़कर नौवें स्थान पर आ गईं। एमी केर, जिन्होंने बेसिन रिजर्व में 139 गेंदों पर 179 रन बनाकर इतिहास का सबसे बड़ा महिला व्क्प चेज पूरा किया और दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा, वह छह स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 14वें स्थान पर पहुंच गईं। एमी अपने शानदार प्रदर्शन की बदौलत वनडे ऑलराउंडर रैंकिंग में चौथे स्थान पर मौजूद मारिजैन कैप से भी आगे निकल गईं।

महिला हॉकी टीम चार मैचों की सीरीज के लिए अर्जेंटीना दौरे पर जाएगी

नई दिल्ली, वार्ता। भारतीय सीनियर महिला हॉकी टीम अप्रैल में अर्जेंटीना के दौरे पर जाने के लिए तैयार है। इस दौरे पर चार मैचों की एक सीरीज खेली जाएगी, जो 13 से 17 अप्रैल तक ब्यूनस आयर्स के सेनार्ड में आयोजित होगी।

यह सीरीज एक बेहद कड़ा मुकाबला होने का वादा करती है, जिसमें भारत विदेशी जमीन पर दक्षिण अमेरिका के मजबूत प्रतिद्वंद्वियों का सामना करेगा। हाल के वर्षों में भारत और अर्जेंटीना के बीच कड़े मुकाबले देखने को मिले हैं, जिसमें पिछले जून में एफआईएच प्रो लीग 2024-25 में शूटआउट के जरिए 2-2 से ड्रॉ रहा एक रोमांचक मैच भी शामिल है। यह आगामी दौरा उच्च गुणवत्ता वाले अंतर्राष्ट्रीय प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ मैच अभ्यास का एक मूल्यवान अवसर

प्रदान करेगा। यह हॉकी इंडिया के रणनीतिक कैलेंडर के साथ पूरी तरह से मेल खाता है, जिसका उद्देश्य एफआईएच हॉकी विश्व कप बेल्जियम और नीदरलैंड्स 2026 और इस साल के अंत में होने वाले एशियाई खेलों से पहले टीम की लय को बनाए रखना है। यह सीरीज भारत के लिए एक महत्वपूर्ण तैयारी के तौर पर काम करेगी, जिसमें चार तेज-तर्रार मैच खेलने को मिलेंगे। साथ ही, यह टीम को अलग-अलग कॉम्बिनेशन और रणनीतियों को आजमाने का मौका भी देगी, क्योंकि टीम अपने कैलेंडर के एक अहम दौर में प्रवेश कर रही है। इस दौरे के बारे में बात करते हुए, भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच शुअर्ड मरिने ने कहा कि हम 24 खिलाड़ियों की टीम के साथ अर्जेंटीना जा रहे हैं, और यह एक बहुत ही सोच-समझकर लिया गया फैसला है।

इस दौरे का मकसद ज्यादा से ज्यादा खिलाड़ियों को उच्चतम स्तर पर प्रदर्शन करने का मौका देना है। अर्जेंटीना दुनिया की बेहत. रीन टीमों में से एक है, और वहां का माहौल हमें यह समझने में काफी मदद करेगा कि हर खिलाड़ी किस स्थिति में है। हम यह देखना चाहते हैं कि जब सबसे ज्यादा जरूरत हो, तो कौन खिलाड़ी आगे बढ़कर जम्मिेदारी लेता है। उन्होंने आगे कहा, ष्इस टीम में जगह बनाने के लिए, आपको सबसे पहले यह साबित करना होगा कि आप एक 'टीम प्लेयर' हैं। व्यक्तिगत कौशल महत्वपूर्ण है।

मीनाक्षी और जैस्मीन का जलवा छह महिला मुक्केबाज फाइनल में

उलानबटार, वार्ता। एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप 2026 में भारत का शानदार अभियान जारी रहा, जिसमें कुल आठ मुक्केबाज-छह महिलाएं और दो पुरुष-फाइनल में पहुंच गए। मंगलवार को महिलाओं के सेमीफाइनल में मीनाक्षी और जैस्मीन ने शानदार प्रदर्शन किया, जबकि पुरुषों की श्रेणी में विश्वनाथ सुरेश और सचिन ने अपने दमदार प्रदर्शन से इस संख्या को और बढ़ाया।

महिलाओं के 48 किलोग्राम वर्ग के सेमीफाइनल में, मीनाक्षी ने थाईलैंड की थिप्सत्चा योदवारी पर 4:1 से आत्मविश्वास भरी जीत दर्ज करते हुए स्वर्ण पदक मुकाबले में अपनी जगह पक्की कर ली।

फाइनल में उनका साथ देते हुए, जैस्मीन ने महिलाओं के 57 किलोग्राम वर्ग में उज्बेकिस्तान की निगीना उक्तामोवा को एक

कड़े मुकाबले में 3:2 के फैसले से हराया। पुरुषों के वर्ग में, विश्वनाथ सुरेश (50 किलोग्राम) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जॉर्डन के हुथैफा एशिश को 5:0 के सर्वसम्मत फैसले से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। सचिन (60 किलोग्राम) ने भी अपने सेमीफाइनल मुकाबले में थाईलैंड के सकदा रुआमथम पर 4:1 से ठोस जीत दर्ज कर सभी को प्रभावित किया। अन्य परिणामों में, आकाश उज्बेकिस्तान के जावोखिर अब्दुर खिमोव से 1:4 से हार गए। लोकेश उज्बेकिस्तान के जसरबेक युल्डोशेव के खिलाफ 0:5 से हार गए। नरेंद्र को चीन के बायिकेवुजी दानाबिएके के हाथों 1:4 से हार का सामना करना पड़ाद्ध यह मुकाबला पहले ही राउंड में चोट (कट) लगने के कारण रोक दिया गया था।

पलक और मुकेश ने विश्व चैंपियनों को चौंकाया, भारत को दिलाया पहला स्वर्ण

ग्रेनाडा (स्पेन)। भारत ने स्पेन के ग्रेनाडा में चल रहे इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट फेडरेशन द्धआईएसएसएफत्र वर्ल्ड कप राइफल/पिस्टल अभियान की धमाकेदार शुरुआत की।

पलक और मुकेश नेलावल्लि की जोड़ी ने 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम फाइनल में विश्व चैंपियन चीन के हू काई और कियानशुन को हराकर स्वर्ण पदक जीता। यह मुकाबला मंगलवार को लास गाबियास शूटिंग रेंज में खेला गया। 20 वर्षीय भारतीय जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 487-7 का विश्व रिकॉर्ड स्कोर किया, जबकि 21 वर्षीय चीनी जोड़ी 484-8 तक ही पहुंच सकी। हंगरी की वेरोनिका मेजर और आकोस कारोली नागी की जोड़ी ने 414-9 के साथ कांस्य पदक जीता। इस जीत को और खास बनाता है कि मुकेश का यह सीनियर टीम में पदार्पण था। इस जोड़ी ने अपने प्रदर्शन से जूनियर विश्व रिकॉर्ड भी अपने नाम किया। एशियन गेम्स की पूर्व चैंपियन पालक ने मुकाबले के बाद कहा कि हम वही कर पाए जो करने आए थे। यह टीम के रूप में हमारी पहली प्रतियोगिता थी। हमारे पास फाइनल के लिए स्पष्ट रणनीति थी और हम शॉट दर शॉट अपने खेल पर ध्यान दे रहे थे।ष्मुकेश ने मुस्कुराते हुए कहा, ष्हमने मजा किया। मैं तो असल में पलक से ही मुकाबला कर रहा था। मुझे लगा कि मुझे उससे बेहतर करना है। इससे पहले भारतीय जोड़ी ने कठिन क्वालिफिकेशन राउंड में 581 का संयुक्त स्कोर बनाकर 42 टीमों के बीच दूसरा स्थान हासिल किया।

अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह भारत का अगला सर्फिंग हब बनने की ओर

लिटिल अंडमान, वार्ता। अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह तेजी से भारत के अगले प्रमुख सर्फिंग गंतव्य के रूप में उभर रहे हैं। अंडमान पर्यटन ने इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए क्षेत्र में पहली बार राष्ट्रीय सर्फिंग और स्टैंड-अप पैडलिग चैंपियनशिप, लिटिल अंडमान प्रो 2026 की मेजबानी करने जा रहा है। सर्फिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) द्वारा आयोजित और अंडमान पर्यटन के पूर्ण सहयोग से होने वाली यह चैंपियनशिप 9 से 12 अप्रैल तक बटलर बे में आयोजित होगी,

जो भारत के सर्फिंग मानचित्र को पारंपरिक तटीय क्षेत्रों से आगे बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। अपनी स्वच्छ तटरेखा, प्रवाल भित्तियों (कोरल रीफ)

और लगातार आने वाली लहरों (स्वेल पैटर्न) के लिए प्रसिद्ध, लिटिल अंडमान उच्च-स्तरीय सर्फिंग के लिए आदर्श परिस्थितियां प्रदान करता है। विशेष रूप से बटलर बे का रीफ ब्रेक देश के सबसे संभावनाशील सर्फिंग स्थलों में से एक के रूप में उभर रहा है, जो शीर्ष स्तर की प्रतियोगिताओं की मेजबानी करने और देश-विदेश के सर्फर्स को आकर्षित करने में सक्षम है। इस पहल से न केवल भारत में प्रतिस्पर्धी सर्फिंग के स्तर को ऊंचा उठाने की उम्मीद है, बल्कि अंडमान को समुद्री खेलों और एडवेंचर पर्यटन के प्रमुख गंतव्य के रूप में स्थापित कर पर्यटन को भी बड़ा बढ़ावा मिलेगा। इस पहल पर बोलते हुए, विनायक चमाडिया, आईएएस, निदेशक (आईपी एंड टी), अंडमान एवं निकोबार प्रशासन ने कहा कि अंडमान द्वीप अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए हमेशा से जाने जाते रहे हैं, और सर्फिंग उसी पहचान का एक स्वाभाविक विस्तार है। लिटिल अंडमान प्रो 2026 की मेजबानी के माध्यम से हम इस क्षेत्र की अपार क्षमता को एक सर्फिंग गंतव्य के रूप में प्रदर्शित करना चाहते हैं, साथ ही टिकाऊ और अनुभव- आधारित पर्यटन को बढ़ावा देना चाहते हैं। हमारा उद्देश्य दीर्घकालिक रूप से अंडमान को वैश्विक सर्फिंग मानचित्र पर स्थापित करना है। यह पहल पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए खेलों के उपयोग पर बढ़ते फोकस को भी दर्शाती है, जहां विभिन्न गंतव्य नए दर्शकों को आकर्षित करने और अनूठे यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए विशिष्ट खेल आयोजनों में निवेश कर रहे हैं। वहीं सर्फिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष अरुण वासु ने नए क्षेत्रों में खेल के विस्तार के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि लिटिल अंडमान में राष्ट्रीय चैंपियनशिप की शुरुआत भारतीय सर्फिंग के लिए एक बड़ा कदम है। बटलर बे जैसे रीफ ब्रेक पर प्रतिस्पर्धा करने से हमारे खिलाड़ियों को अधिक तकनीकी लहरों का अनुभव मिलता है, जो अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की तैयारी के लिए बेहद जरूरी है।

शाह टाइम्स

सम्पादकीय

बुधवार, 8 अप्रैल 2026

Dainikshahtimes@gmail.com For Articles

क्या कुछ बड़ा होगा

इस समय पूरा विश्व सहमा दिखाई दे रहा है, जोकि स्वाभाविक भी है। सोशल मीडिया, प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में इस बात को लेकर चर्चाएं गर्म हो रही हैं कि अपने अल्टीमेटम के अनुसार क्या अमेरिकी राष्ट्रपति आज (मंगलवार रात) ईरान पर ऐसा हमला करेंगे, जिसके बारे में उन्होंने अपनी प्रेस कान्फ्रेंस में कहा था, यह बात तो वह पहले ही कह चुके हैं कि वह जब चाहें ईरान को पाषाण युग में पहुंचा सकते हैं। उनकी कही इसी बात को ध्यान में रखते हुए ही तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं कि क्या अमे. रिका ईरान पर इस तरह का हमला करेगा, जैसा उसने अब तक किसी देश पर नहीं किया है। सारी दुनिया इसलिए सहमी हुई है, क्योंकि यह युद्ध भले ही पश्चिमी एशिया में ईरान व इस्राईल/अमेरिका के बीच हो रहा हो, लेकिन इसमें पूरी दुनिया झुलसती दिखाई दे रही है। इस युद्ध को जारी हुए 38 दिन हो गए हैं और समय के साथ-साथ इसकी तपिश और बढ़ती जा रही है। जनता अभी भी इस युद्ध से प्रभावित होती दिखाई दे रही है। कई देशों में पेट्रोल, डीजल व गैस की किल्लत शुरू भी हो गई है। हालांकि भारत में ऐसा नहीं है, लेकिन अगर यह युद्ध जारी रहता है, तो कहीं भी दिक्कत आगे चलकर आ सकती है। यह अपनी तरह का शायद पहला युद्ध है, जिसमें एक से बढ़कर एक हमले हो रहे हैं और बातचीत के दावे भी किए जा रहे हैं। मंगलवार को भी खबर आई, जिसमें अमेरिका के एक अधिकारी ने कहा है कि उनकी ईरान के नेताओं से बातचीत चल रही है। अधिकारियों की तरफ से यह भी कहा गया कि बातचीत अच्छी चली है, लेकिन साथ ही यह भी कह डाला कि यह ईरान के लिए अच्छा होगा कि वह ट्रम्प का अल्टीमेटम खत्म होने से पहले किसी नतीजे पर पहुंचें। ईरान के मिजाज को देखते हुए ऐसा नहीं लगता कि वह किसी भी तरह के युद्ध विराम को लेकर लचक दिखा रहा है। वैसे देखा जाए तो ईरान के तर्क में दम है। ईरान का कहना है कि अस्थायी युद्ध विराम का कोई मतलब नहीं है। अगर बातचीत हो, तो स्थायी युद्ध विराम पर हो। उस पर लगाए प्रतिबंध हटें, हमले बंद हों। इसी तरह की बातों का उसने दस शर्तों का अपना एजेंडा तैयार किया है। जाहिर है इस तरह की बातें अमेरिका को पसंद नहीं आई और जिस तरह की बातें अमेरिका कर रहा है वह ईरान को अस्वीकार्य हैं। वैसे देखा जाए तो इस समय अगर दुनिया उलझी हुई दिखाई दे रही है, तो इसके लिए अमेरिका ही ज्यादा जिम्मेदार है। अब तो उनके बयान गाली-गलौज के स्तर तक भी आ गए हैं। जिसकी आलोचना बाहर की दुनिया को तो छोड़िए खुद उनके देश में ही हो रही है। जिस तरह ईरान में पुल, यूनिवर्सिटी व ऊर्जा के संस्थान हमले की जद में आ रहे हैं, वह किसी भी सुपर पॉवर देश के मयार के खिलाफ ही कहे जाएंगे, लेकिन दिक्कत यह है कि आखिर ट्रम्प को समझाएं कौन।

हिमंता बिस्वा सरमा घबराए और परेशान

कांग्रेस मीडिया विभाग चेयरमेन पवन खेड़ा के घर पर एक जनहित के मुद्दे पर सवाल उठाने के लिए पुलिस की पूरी फौज लगाना इस बात का प्रमाण है कि असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा घबराए, परेशान और बौखलाए हुए हैं, यह कानून की उचित प्रक्रिया नहीं, बल्कि राजनीतिक प्रतिशोध है, राज्य की मशीनरी का इस्तेमाल विपक्ष की आवाज को दबाने और डराने के लिए किया जा रहा है, क्योंकि विपक्ष सरकार के काले कारनामों को उजागर कर रहा है, जो लोग डराने-धमकाने की राजनीति करते हैं, वही सबसे ज्यादा डरे हुए होते हैं और उनके पास छिपाने के लिए बहुत कुछ होता है, यह पूरी कार्रवाई इस बात का संकेत है कि असम के मुख्यमंत्री को अपनी हार साफ दिखाई दे रही है, इसलिए वह इस तरह के कदम उठा रहे हैं।

-जयराम रमेश, प्रभारी, कांग्रेस संचार विभाग

क्यों कम हुई हेल्थ इंश्योरेंस कंपनियों की विश्वसनीयता

रोहित कौशिक

को ई भी इंसान हेल्थ इंश्योरेंस क्यों लेता है? जाहिर है कि इंसान हेल्थ इंश्योरेंस इसलिए लेता है कि बीमार होने पर अस्पताल के मोटे खर्चों का बोझ कुछ कम हो सके। इसीलिए एक आम इंसान थोड़े-थोड़े रुपये जोड़कर हेल्थ इंश्योरेंस की महंगी किश्त भरता है, लेकिन जब समय पर हेल्थ इंश्योरेंस भी काम न आ सके तो फिर हेल्थ इंश्योरेंस लेने का क्या लाभ है? जहां एक ओर अनेक हेल्थ इंश्योरेंस कंपनियां इस क्षेत्र में अच्छा काम कर रही है, वहीं दूसरी ओर अनेक हेल्थ इंश्योरेंस कंपनियों के खिलाफ अनेक शिकायतें भी आई हैं। कुछ समय पहले अस्पताल और बीमा कंपनियों के बीच कैशलेस इलाज को लेकर विवाद हो रहा था।

अस्पतालों के संगठन एसोसिएशन ऑफ हेल्थकेयर प्रोवाइडर्स ऑफ इंडिया (एएचपीआई) ने बीमा कंपनियों पर आरोप लगाया था कि बीमा कंपनियां इलाज की बढ़ती लागत को नहीं मान रही हैं। एएचपीआई का कहना था कि बीमा कंपनियां मनमानी कर रही हैं। एएचपीआई देशभर के कई अस्पतालों का संगठन है। इस संगठन का कहना था कि कोराना काल के बाद अस्पतालों का खर्च काफी बढ़ गया है। कारोना काल के बाद बदली हुई परिस्थितियों में अस्पतालों के लिए पुरानी दरों पर काम करना असंभव है। दूसरी तरफ बीमा कंपनियों का कहना था कि अस्पताल कोरोना काल के बाद उपजी परिस्थितियों के बहाने अनावश्यक रूप से इलाज का खर्च बढ़ा रहे हैं। बीमा कंपनियां अस्पतालों के खर्च को मनमानी वृद्धि बता रही थीं और रेट बढ़ाना नहीं चाहती थीं। इस विवाद का सीधा असर बीमाधारकों पर पड़ा। कुछ कंपनियां हेल्थ इंश्योरेंस के क्षेत्र में बेहतर तरीके से क्लेम दे रही हैं लेकिन अनेक लोगों का कहना है कि कुछ कंपनियां क्लेम देने में लोगों को काफी परेशान करती हैं। हालांकि हेल्थ इंश्योरेंस कंपनियों का कहना है कि हम उपभोक्ताओं के लिए ही हैं और उपभोक्ताओं को समस्त सुविधाएं देना चाहते हैं लेकिन हमें क्लेम देने से पहले सारी जांच करनी होती है ताकि लोग फर्जी तरीके से क्लेम न ले सकें। भारत में ज्यादातर लोग इस उम्मीद में केशलेस मेडिकल इंश्योरेंस लेते हैं कि जब वे अस्पताल में एडमिट होंगे तो उन्हें उस समय अपनी जेब से रूपए जमा नहीं करने पड़ेंगे बल्कि इंश्योरेंस कंपनी सीधे अस्पताल को पेमेंट कर देगीं। कुछ समय पहले हुए इस विवाद में दोनो पक्ष एक दूसरे को ब्लैक लिस्ट कर रहे थे। हालांकि अब कहा जा रहा है कि कुछ कंपनियों के साथ यह विवाद सुलझा लिया गया है। एएचपीआई का आरोप था कि कुछ हेल्थ इंश्योरेंस कंपनियों ने बहुत सारे अस्पतालों को ब्लैक लिस्ट कर दिया था। एएचपीआई ने इन कंपनियों से यह अपील की थी कि आप यह ब्लैक लिस्ट हटाइए और रोगियों को कैशलेस सुविधा दीजिए। दूसरी तरफ हेल्थ इंश्योरेंस कंपनियों ने अस्पतालों से कहा था कि आप इलाज का दाम कम कीजिए। इसके बाद एएचपीआई ने चेतावनी दी थी कि वह इन कंपनियों की लगातार आ रही शिकायतों के कारण इन कंपनियों के पॉलिसीधारकों के लिए कैशलेस सेवाएं बंद करेगा। पिछले दिनों एक हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी ने पूरे भारत में मैक्स हॉस्पिटल के लिए कैशलेस इलाज सुविधा को स्थगित कर दिया था। बाद में कुछ अन्य मेडिकल इंश्योरेंस कंपनियों ने भी एक हॉस्पिटल के साथ कैशलेस इलाज की सुविधा बंद कर दी थी। इन कंपनियों का कहना था कि पॉलिसीधारक के लिए कैशलेस सेवाएं अब भी देशभर के कई अच्छे अस्पतालों में उपलब्ध हैं। इन कंपनियों का कहना था कि बीमाधारकों के लिए उन्होंने प्राथमिकता के साथ फास्ट ट्रेक रिइंबर्समेंट क्लेम प्रोसेसिंग की सुविधा शुरू की है।

यह सही है कि धीरे-धीरे हमारे देश की स्वास्थ्य सेवाओं मे सुधार हो रहा है लेकिन जनसंख्या को देखते हुए अभी भी स्वास्थ्य सेवाओं में बहुत ज्यादा सुधार की जरूरत है। पिछले दिनों नीति आयोग ने स्वास्थ्य सेवाओं के लिए खर्च बढ़ाने की जरूरत बताई थी। भारत में स्वास्थ्य सेवाओं में जीडीपी का मात्र डेढ़ फीसद ही खर्च होता है। दुनिया के कई देश स्वास्थ्य सेवाओं की मद में आठ से नौ फीसद तक खर्च कर रहे हैं। जब इस दौर में भी गंभीर रोगों से पीड़ित मरीजों के लिए अस्पतालों में स्ट्रेचर जैसी मूलभूत सुविधाएं न मिल पाएं, तो देश की स्वास्थ्य सेवाओं पर सवाल उठना लाजमी है। इस प्रगतिशील दौर में भी ऐसी अनेक खबरें प्रकाश में आई हैं कि जब अस्पताल गरीब मरीज के शव को घर पहुंचाने के लिए एम्बुलेंस तक उपलब्ध नहीं करा पाए। एक तरफ मरीज व्यवस्था की मार झेलता है तो दूसरी तरफ महंगी स्वास्थ्य सेवाओं से उसकी कमर टूट जाती है। ऐसे माहौल में यदि हेल्थ इंश्योरेंस का पूरा लाभ भी न मिल पाए तो इससे शर्मनाक और क्या हो सकता है ?

दरअसल पिछले कुछ समय से हेल्थ इंश्योरेंस कंपनियों की काफी शिकायतें आ रही हैं। जब मरीज अस्पताल में भर्ती हो जाता है तो हेल्थ इंश्योरेंस कंपनियां काफी तरह के नखरे करती हैं। अस्पताल में भर्ती रहने के दौरान बीमार इंसान के परिजनों को काफी समस्याओं का सामना करता है। कैशलेस मेडिकल इंश्योरेंस में भी कंपनियां अस्पतालों को पैसा भेजने में कई तरह की औपचारिकताएं पूरी करती हैं। इसके बावजूद कई बार अस्पतालों को पैसा नहीं भेजा जाता है। उस समय अस्पताल के संचालक रोगी के परिजनों को परेशान करते हैं। जिन अस्पतालों में कैशलेस सुविधा उपलब्ध नहीं होती है, वहां मरीज को पहले अस्पताल में अपनी जेब से रूपए देने होते हैं। बाद में बीमाधारक के पास मेडिकल इंश्योरेंस कंपनी से रूपए आते हैं। इस प्रक्रिया में भी मरीज और परिजनों को काफी परेशान किया जाता है। कभी कंपनी कहती है कि यह पेपेर भेजो, कभी कहती है कि वह पेपर भेजो। कभी कहती है कि मेल भेजो। कभी कहती है कि डॉक्टर से अमुक बात लिखवाओ। यानी जो हेल्थ इंश्योरेंस कंपनियां पॉलिसी लेने के लिए जी जान लगा देती हैं। जो इंश्योरेंस कंपनियां पॉलिसी लेते वक्त विनम्र बनी रहती हैं, वे ही कंपनियां हेल्थ इंश्योरेंस का धन देने के वक्त तमाम तरह की औपचारिकताएं पूरी करवाकर भी पैसा देने में आनाकानी करने लगती है। यही कारण है कि एक-दो मेडिकल इंश्योरेंस कंपनियां तो इस मामले में काफी बदनाम हो चुकी हैं। क्लेम देने में आनाकानी करने के कारण ऐसी कंपनियों की काफी शिकायतें आ रही हैं। हालांकि सभी कंपनियां सभी मामलों में धन जारी करने में आनाकानी नहीं करती हैं। कई लोग हेस्थ इंश्योरेंस कंपनियों पर अब भी पूरा भरोसा करते हैं। इसके बावजूद पिछले कुछ समय से हेल्थ इंश्योरेंस कंपनियों की विश्वसनीयता कम हुई है। इसका सीधा असर बीमाधारकों पर पड़ रहा है। इस मामले में हेल्थ इंश्योरेंस कंपनियों की अपनी परेशानी है लेकिन कंपनियों को उपभोक्ता के हितों का ध्यान भी रखना होगा ताकि हेल्थ इंश्योरेंस कंपनियों की विश्वसनीयता बनी रह सके। इस दौर में जबकि निजी चिकित्सा सुविधाएं काफी महंगी होती जा रही है, जनता को हेल्थ इंश्योरेंस की काफी जरूरत है।

प्रदूषण से यूं ही बच पाना आसान नहीं

लोगों को अपशिष्ट प्लास्टिक उपयोग से बचने के लिए प्रेरित करना चाहिए और पुन: चक्रीय सामग्रियों का पुनर्चक्रण करने के लिए उत्साहित करना चाहिए। वृक्षारोपण कार्यक्रमों को समर्थन देना चाहिए जो जल, वायु और प्रदूषण को कम करने में मदद कर सकते हैं। कचरा प्रबंधन सही ढंग से कचरा प्रबंधन करना चाहिए।

समय रहते कुछ न कुछ करने की जरूरत, नहीं तो परिणाम गंभीर

प्रदूषण एक समस्या है जो विश्वभर में बढ़ रही है और इसका असर सभी क्षेत्रों में महसूस हो रहा है। भारत में भी प्रदूषण की स्थिति गंभीर है और इसे नियंत्रित करने के लिए कदम उठाना आवश्यक है।

प्रदूषण के प्रकार

प्रदूषण कई प्रकार का हो सकता है, जैसे कि वायु, जल, ध्वनि, भूमि, और अन्य। वायु प्रदूषण में उदाहरण के लिए उद्योगी उद्यमों से निकलने वाले वायुमंडल के अनैतिक अंशों का समाहित होना शामिल है, जबकि जल प्रदूषण में जल स्रोतों में आने वाले विभिन्न आपदाएं शामिल हैं।

प्रदूषण के कारण

प्रदूषण के कारणों में व्यक्तिगत उपयोग, उद्योग, वाहन, और अन्य शामिल हैं। बढ़ती जनसंख्या और अत्यधिक उपभोक्ता सामग्रियों का उपयोग भी महत्वपूर्ण कारक हैं।

प्रदूषण के प्रभाव

प्रदूषण के प्रभावों में स्वास्थ्य समस्याएं, जलवायु परिवर्तन, और वन्यजीव संरक्षण की समस्याएं शामिल हैं। यह समस्याएं समृद्धि की दिशा में बड़े आंकड़े हैं और समाधान की आवश्यकता है।

भारत में बढ़ते पर्यावरण प्रदूषण को कम करने के लिए विभिन्न कदम उठाए जा रहे हैं। यहां सुझाव दिए जा रहे हैं जो लोग पर्यावरण प्रदूषण को कम करने में योगदान कर सकते हैं-

विद्युत स्रोतों का परिवर्तन

अधिकतम विद्युत स्रोतों का उपयोग करना जैसे कि सौर ऊर्जा और वायु ऊर्जा को बढ़ावा देना प्रदूषण को कम करने में मदद कर सकता है।

मुख्य रूप से शीतकालीन मौसम में दिल्ली में बढ़ता प्रदूषण और प्रदूषण से जुड़े प्रॉब्लम्स में से एक है पाराली या पराली प्रदूषण। यह समस्या अक्टूबर और नवम्बर महीने में उत्तर भारत क्षेत्रों से आती है, जिसमें किसान अपने खेतों की फसल की शेषांशों को जला देते हैं। यह आमतौर पर उत्तर प्रदेश, हरियाणा, और पंजाब से आने वाली होती है।

पराली प्रदूषण के कारण दिल्ली में वायुमंडल में स्थानीय प्रदूषण की मात्रा में वृद्धि होती है, जिससे प्रदूषण का स्तर बहुत अधिक हो जाता है। यह प्रदूषण सांस लेने में कठिनाई, आंतरगत संघर्ष, और बच्चों और बूढ़ों के लिए स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न कर सकता है। सरकार और नागरिक समूह इस समस्या का हल निकालने के लिए कई कदम उठा रहे हैं, जैसे कि पराली जलाने की प्रवृत्ति को कम करने के लिए किसानों को उत्तरदाताओं के साथ बातचीत करने के प्रेरित करना और पर्यावरण के लिए सही उपायों की ओर बढ़ना।

पब्लिक परिवहन का उपयोग

व्यक्तिगत वाहनों की तुलना में पब्लिक परिवहन का उपयोग करना प्रदूषण को कम कर सकता है।

अपशिष्ट प्लास्टिक उपयोग को कम करें

लोगों को अपशिष्ट प्लास्टिक उपयोग से बचने के लिए प्रेरित करना चाहिए और पुन: चक्रीय सामग्रियों का पुनर्चक्रण करने के लिए उत्साहित करना चाहिए।

वृक्षारोपण

वृक्षारोपण कार्यक्रमों को समर्थन देना चाहिए जो जल, वायु, और प्रदूषण को कम करने में मदद कर सकते हैं।

कचरा प्रबंधन

सही ढंग से कचरा प्रबंधन करना चाहिए, इसमें रीसाइक. लिंग और शुद्धिकरण के प्रक्रियाओं को प्रोत्साहित करना चाहिए।

उचित जल संवेदनशीलता

जल संवेदनशीलता बढ़ाना चाहिए, और उचित जल उपयोग करने के लिए समर्थन देना चाहिए।

संगठनित प्रयास

लोगों को सामूहिक रूप से पर्यावरण के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित करें, सामूहिक पर्यावरण संरक्षण परियोजनाओं में भाग लेने के लिए उत्साहित करना चाहिए।

तेल की तलवार : पश्चिम एशिया संकट में भारत की अग्नि परीक्षा

दशकों पहले युद्ध केवल सीमाओं पर जमीन के टुकड़ों के लिए लड़े जाते थे लेकिन 2026 का यह दौर गवाह है कि आधुनिक युद्ध 'संप्रभुता' से ज्यादा 'संसाधनों' का है। युद्ध की गोलियां, मिसाइलें अब ऊर्जा की पाइपलाइनों और तेल के टैंकरों पर चलती है। पश्चिम एशिया में ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच छिड़ा यह त्रिकोणीय संघर्ष भी महज जमीन का विवाद नहीं है बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था की जीवन. रेखा 'ऊर्जा आपूर्ति' पर नियंत्रण की जंग है। भारत के लिए यह संकट केवल पैट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों तक सीमित नहीं है बल्कि यह एक ऐसी राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौती है, जिसने देश के सामने एक अ. श्य 'ऊर्जा लॉकडाउन' का खतरा पैदा कर दिया है। जब संसद में प्रधानमंत्री ने इस संकट की तुलना 'कोरोना काल' की विभीषिका से की तो उनका आशय घर में बंद होने से नहीं बल्कि उस वैश्विक अनिश्चितता से था, जो किसी भी क्षण भारत की विकास दर के पहियों को जाम कर सकती है। यदि 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' पर ताला लगता है तो भारत की रगों में दौड़ने वाला 60 प्रतिशत तेल और एलएनजी का प्रवाह थम जाएगा, जो देश को एक भयावह 'ऊर्जा लॉकडाउन' की ओर धकेल सकता है।

होर्मुज की घेराबंदी

विश्व मानचित्र पर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज वह संकरा जलमार्ग है, जिससे दुनिया का लगभग 20 प्रतिशत कच्चा तेल और भारी मात्रा में एलएनजी गुजरती है। ईरान द्वारा इस जलमार्ग को प्रभावित करने का अर्थ है, वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की गर्दन दबाना। फरवरी 2026 के अंत से शुरू हुए इस युद्ध ने मात्र पांच हफ्तों में कच्चे तेल की कीमतों को 85 डॉलर से 110 डॉलर के पार पहुंचा दिया है। भारत अपनी एलपीजी जरूरतों का 40 प्रतिशत अकेले कतर से पूरा करता है। कतर के रास लाफान एलएनजी प्लांट पर हुए हमलों ने न केवल उत्पादन घटाया है बल्कि भारत के घरेलू चूल्हों तक पहुंचने वाली गैस की कीमतों में आग लगा दी है। युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक कच्चे तेल की कीमतें 85 डॉलर से उछलकर 110 डॉलर प्रति बैरल को छू रही हैं। भारत के लिए गणित सीधा और क्रूर है, कच्चे तेल में 10 डॉलर की हर बढ़ोतरी हमारे चालू खाता घाटे में लगभग 12-15 अरब डॉलर की वृद्धि करती है। यह स्थिति हमें दो टूक शब्दों में चेतावनी दे रही है कि पराई बैसाखियों पर टिकी ऊर्जा सुरक्षा कभी भी धराशाई हो सकती है।

सामरिक पैट्रोलियम भंडार: क्या पर्याप्त है चंद दिनों की सुरक्षा?

ऊर्जा सुरक्षा के मोर्चे पर भारत की सबसे बड़ी कमजोरी उसका सीमित सामरिक पैट्रोलियम भंडार है। दुनिया के विकसित देश जैसे अमेरिका, जापान और चीन अपनी ऊर्जा सुरक्षा के लिए 90 दिनों का 'स्ट्रैटिजिक पेट्रोलियम रिजर्व' रखते हैं, वहीं भारत की स्थिति चिंताजनक है। वर्तमान में हमारे पास विशाखापट्टनम, मंगलुरु और पाडुर में कुल 5313 लाख टन का भंडार है, जो मुश्किल से 9 दिन की आपूर्ति कर सकता है। हालांकि दूसरे चरण में चंडीखोल और बीकानेर जैसे स्थानों पर भंडार क्षमता बढ़ाकर इसे 60-65 दिनों तक ले जाने की योजना है लेकिन इसकी गति 'युद्धस्तर' पर नहीं है। हमारे मौजूदा भंडार का करीब 36 प्रतिशत हिस्सा खाली पड़ा है। एक तरफ हम तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का स्वप्न देख रहे हैं और दूसरी तरफ हमारी ऊर्जा की 'लाइफलाइन' केवल कुछ दिनों के स्टॉक पर टिकी है। यदि आज हमारे पास 90 दिनों का सुरक्षित भंडार होता तो भारत को अपनी विदेश नीति में तटस्थता का नाटक नहीं करना पड़ता बल्कि वह एक सशक्त वैश्विक खिलाड़ी की तरह अपना पक्ष रख सकता था। यदि होर्मुज जलडमरूमध्य 30 दिनों के लिए बंद हो जाता है और भारत के लिए आपूर्ति बाधित होती है तो भारत की अर्थव्यवस्था 'वेंटिलेटर' पर आ जाएगी। इसलिए चंडीखोल और बीकानेर में प्रस्तावित दूसरे चरण के भंडारों का निर्माण युद्धस्तर पर होना अब विकल्प नहीं, अनिवार्यता है।

कूटनीतिक विवशता और स्वतंत्रा विदेश नीति का संकट

भारत की रणनीतिक स्वायत्तता आज तेल की निर्भरता के कारण परीक्षा की घड़ी में है। तेल की निर्भरता केवल आर्थिक बोझ नहीं बल्कि कूटनीतिक बेड़ियां भी है। भारत को अपने पुराने और रणनीतिक मित्र ईरान का साथ छोड़कर इजरायल और अमेरिकी समर्थित खाड़ी देशों के पाले में खड़े होने पर मजबूर होना पड़ा है। यह बदलाव केवल नीतिगत नहीं बल्कि विवशतापूर्ण है। खाड़ी देशों में रहने वाले 90 लाख भारतीयों की सुरक्षा और वहां से आने वाला 'रेमिटेंस' भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। इसलिए खाड़ी देशों में रहने वाले 90 लाख भारतीय प्रवासियों के हितों और तेल की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए ही भारत को अपनी स्वतंत्र विदेश नीति से समझौता करना पड़ रहा है। जब तक हम ऊर्जा के लिए आयात पर 85 प्रतिशत निर्भर रहेंगे, तब तक हमारी विदेश नीति की चाबी विदेशी राजधानियों के हाथों में रहेगी और वाशिंगटन या तेहरान में होने वाली हर हलचल नई दिल्ली के माथे पर चिंता की लकीरें खींचती रहेगी। यह युद्ध हमें सिखाता है कि सच्ची संप्रभुता केवल सीमाओं की रक्षा में नहीं बल्कि ऊर्जा की आत्मनिर्भरता में निहित है।

अफवाहों का बाजार व डैमेज कंट्रोल

युद्ध के बीच भारत में लॉकडाउन की अफवाहों ने पैनिक पैदा किया है। हालांकि, तीन मंत्रियों निर्मला सीतारमण, किरेन रिजिजू और हरदीप पुरी ने स्पष्ट किया कि देश सुरक्षित है। सरकार की ओर से दावा किया जा रहा है कि भारत के पास तेल और गैस की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए विविधीकृत स्रोत हैं और पैनिक की कोई आवश्यकता नहीं है लेकिन सतर्कता और ऊर्जा संरक्षण हमारा सामूहिक धर्म है। सरकार का यह स्पष्टीकरण अल्पकालिक राहत तो देता है लेकिन एक दीर्घकालिक प्रश्न भी छोड़ता है कि क्या हम हर संकट के समय केवल डैमेज कंट्रोल ही करते रहेंगे या भविष्य की नींव रखेंगे? वैश्विक ऊर्जा संकट और बढ़ती आयात निर्भरता के इस दौर में वैकल्पिक ऊर्जा अब केवल एक विकल्प नहीं बल्कि राष्ट्रीय अनिवार्यता बन चुकी है। ऊर्जा आत्मनिर्भरता ही सच्ची स्वतंत्रता का आधार है और भारत को इस दिशा में निर्णायक कदम उठाने होंगे। प्रधानमंत्री की मुफ्त बिजली योजनाएं और रूफटॉप सोलर मिशन केवल नीतिगत पहल नहीं बल्कि आत्मनिर्भर भारत के सशक्त आधारस्तंभ हैं। भारत में 33 करोड़ एलपीजी उपभोक्ता हैं, जो बड़े पैमाने पर आयातित ईंधन पर निर्भर हैं। यदि रसोई को इंडक्शन कुकिंग और एथनॉल आधारित विकल्पों की ओर मोड़ा जाए तो न केवल खर्च कम होगा बल्कि ऊर्जा आयात का बोझ भी घटेगा। लगभग 8 रूपए प्रति यूनिट की दर से बिजली पर खाना बनाना एलपीजी की तुलना में किफायती है, वहीं कृषि अवशेषों से बनने वाला एथनॉल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा दे सकता है। इससे 'अन्नदाता' ही 'ऊर्जादाता' बन सकता है। परिवहन क्षेत्र में विद्युतीकरण भी उतना ही आवश्यक है। वर्तमान में तेल की सबसे अधिक खपत इसी क्षेत्र में होती है जबकि बिजली की हिस्सेदारी नगण्य है। यदि सार्वजनिक और वाणिज्यिक परिवहन को इलैक्ट्रिक किया जाए तो अरबों डॉलर की विदेशी मुद्रा बचाई जा सकती है। सौर ऊर्जा और ग्रीन हाइड्रोजन जैसे विकल्प भारत को स्थाई, स्वच्छ और सुरक्षित ऊर्जा भविष्य की ओर ले जा सकते हैं। अब समय आ गया है कि भारत ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में निर्णायक परिवर्तन करे।

-योगेश कुमार गोयल

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

संक्षिप्त समाचार

डब्ल्यूएचओ ने गाजा से मेडिकल निकासी रोकी

जिनेवा। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने गाजा पट्टी से मरीजों की चिकित्सा निकासी अस्थाई रूप से रोक दी है। यह निर्णय संगठन से जुड़े एक कर्मचारी की मौत के बाद लिया गया। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस अधानोम घेब्रेएसस ने सोमवार को सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि गाजा में संगठन के लिए कार्य कर रहे एक व्यक्ति की सुरक्षा से जुड़ी घटना में मृत्यु हो गई है और मामले की जांच संबंधित प्राधिकरणों द्वारा की जा रही है।

विक्रम मिश्री आठ अप्रैल को अमेरिका की यात्रा पर जाएंगे

नई दिल्ली। विदेश सचिव विक्रम मिश्री से 10 अप्रैल तक अमेरिका की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। मिकी यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब वैश्विक अनिश्चितताएं बढ़ रही हैं। इस यात्रा का उद्देश्य प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करना और साथ ही महत्वपूर्ण क्षेत्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों का समाधान करना है। विदेश मंत्रालय के अनुसार विदेश सचिव की अमेरिका यात्रा भारत-अमेरिका संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा करने और व्यापार, रक्षा तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग को आगे बढ़ाने का अवसर प्रदान करेगी।

कैंसर से जूझ रहे लोगों ने श्रीनगर में बिताया उम्मीद भरा दिन

श्रीनगर। अस्पताल के माहौल से बाहर निकलकर कश्मीर के प्रसिद्ध ट्यूलिप गार्डन में पहुंचे कैंसर से जूझ रहे बच्चों के लिए मंगलवार का दिन खुशी और उम्मीद से भरा रहा। जबरवान पर्वत शृंखला की तलहटी में स्थित एशिया के सबसे बड़े ट्यूलिप उद्यान में आयोजित इस विशेष भ्रमण का उद्देश्य उपचार के बीच बच्चों का मनोबल बढ़ाना और उन्हें कुछ सुकून भरे पल देना था। शेर-ए-कश्मीर आयुर्विज्ञान संस्थान (स्किम्स) के चार से 18 वर्ष की उम्र के बच्चे इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

ईरान समर्थित समूहों का अमेरिकी ठिकानों पर ड्रोन हमला

हमलों को ईरान के खिलाफ जारी अमेरिका-इजरायल अभियानों के प्रतिशोध के रूप में देखा जा रहा

बगदाद/दमिश्क। इराक और सीरिया में स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर ईरान समर्थित समूहों ने ड्रोन हमले किए गए हैं। इस्लामिक रेजिस्टेंस इन इराक के बैनर तले सक्रिय इन समूहों द्वारा किए गए हमलों को पश्चिम एशिया में ईरान के खिलाफ जारी अमेरिका-इजरायल अभियानों और अन्य क्षेत्रीय संघर्षों के प्रतिशोध के रूप में देखा जा रहा है।

इराकी मीडिया के अनुसार, इराक के अर्ध-स्वायत्त कुर्दिस्तान क्षेत्र में स्थित 'हरीर एयरबेस' पर मंगलवार तड़के एक मानव रहित विमान (ड्रोन) से हमला किया गया। अधिकारियों ने अभी तक हताहतों की संख्या या क्षति के विस्तार के बारे में विवरण जारी नहीं किया है। किसी भी समूह ने आधिकारिक तौर पर इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। हालांकि, 'इस्लामिक रेजिस्टेंस इन इराक' ने घोषणा की है कि उसने पिछले 24 घंटों के दौरान इराक और पूरे क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर आत्मघाती ड्रोनों से कम से कम 11 हमले किए हैं।

एक संबंधित घटना में, इराक-सीरिया सीमा के पास पूर्व अर्धसैनिक गठबंधन 'हशद अल-शाबी' (जिसे पॉपुलर मोबिलाइजेशन फोर्सेज के रूप में भी जाना जाता है) का एक लड़ाका मारा गया। स्थानीय मीडिया के अनुसार, गठबंधन ने इस हमले के लिए अमेरिकी और इजरायली सेना को जिम्मेदार ठहराया है। स्थानीय मीडिया ने गठबंधन के हवाले से बताया कि आज सुबह 4 बजे अनबार प्रांत के कायम जिले में 45वें ब्रिगेड पर विश्वासघाती अमेरिकी-इजरायली हमला किया गया।

- अधिकारियों ने अभी तक हताहतों की संख्या या क्षति के विस्तार के बारे में विवरण जारी नहीं किया
- पिछले 24 घंटों के दौरान इराक और पूरे क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर आत्मघाती ड्रोनों से कम से कम 11 हमले किए हैं

ईरान के पारदीस प्रांत में अमेरिका-इजरायल हमला, छह की मौत

तेहरान। ईरान के पूर्वी प्रांत पारदीस में अमेरिका और इजरायल के हमले में तीन बच्चों समेत कम से कम छह लोग मारे गए हैं। मेहर न्यूज एजेंसी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। इस बीच सऊदी अरब के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसके वायु रक्षा बल ने सोमवार रात को देश के पूर्वी प्रांत में तेल इंडस्ट्री की जगहों के पास सात बैलिस्टिक मिसाइलों को रोक दिया। रक्षा मंत्रालय ने एक्स पर कहा कि पूर्वी प्रांत की ओर दागी गई सात बैलिस्टिक मिसाइलों को इंटरसेप्ट करके नष्ट कर दिया गया। मंत्रालय ने कहा कि बैलिस्टिक मिसाइलों के टुकड़े ऊर्जा स्थलों के पास गिरे हैं। नुकसान कितना हुआ है, इसका अंदाजा लगाया जा रहा है। पिछले कुछ घंटों में, वायु रक्षा प्रणाली ने देश के ऊपर 18 ड्रोन को रोका है। उल्लेखनीय है कि गत 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल ने तेहरान समेत ईरान के ठिकानों पर हमले किए, जिससे काफी जान माल का नुकसान हुआ। ईरान ने इसके जवाब में इजराइली इलाके और पश्चिम एशिया में अमरीकी सैन्य ठिकानों पर हमला किया।

ईरान के लिए जासूसी करने के आरोप में दो हिरासत में

दोहा। बहरीन के लोक अभियोजक कार्यालय ने कहा कि ईरान के लिए जासूसी करने की कथित योजना में दो संदिग्धों को बहरीन के कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने हिरासत में लिया है। बहरीन में अभियोजक कार्यालय ने सोमवार को एक बयान में कहा कि जासूसी करने और खुफिया सेवाओं तथा आतंकवादी इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) के लिए काम करने के आरोप में दो संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। बयान में आगे कहा गया कि आरोपियों पर देश में संवेदनशील ठिकानों की निगरानी करने, उनके बारे में जानकारी एकत्रित करने और उसे ईरान को हस्तांतरित करने का संदेह है। पिछले सप्ताह बहरीन में ईरान के लिए जासूसी के आरोप में हिरासत में लिए गए 32 वर्षीय व्यक्ति की पुलिस हिरासत में मौत के बाद विरोध प्रदर्शन हुए। उनके परिवार ने पुलिस पर जांच के दौरान यातना देने का आरोप लगाया लेकिन बहरीन के अधिकारियों ने इससे इनकार कर दिया। स्थानीय मानवाधिकार कार्यकर्ताओं के अनुसार, ईरान में संघर्ष शुरू होने के बाद से बहरीन के अधिकारियों ने कम से कम 250 लोगों को हिरासत में लिया है।

युद्ध खत्म करने की कूटनीतिक कोशिशें 'निर्णयात्मक' चरण में: मोगादम

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में ईरान के राजदूत रेजा अमीरी मोगादम ने कहा है कि उनके देश के साथ अमेरिका-इजरायल युद्ध को रोकने की चल रही कूटनीतिक कोशिशें 'निर्णयात्मक, नाजुक' चरण में है, हालांकि उन्होंने और जानकारी नहीं दी।ईरान के अमेरिकी सम्पतियों और इलाके के दूसरे लक्ष्यों पर जवाबी हमलों के बाद खाड़ी के कई पारंपरिक मध्यस्थों के इस लड़ाई में शामिल होने के बाद पाकिस्तान एक मध्यस्थ के तौर पर सामने आया है। एक्सियोस ने एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी के हवाले से कहा कि अगर कोई कूटनीतिक समाधान जल्द ही होता दिखता है, तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ईरान के खिलाफ आगे की कार्रवाई में देरी कर सकते हैं।

ईरान पर बातचीत अब भी जटिल, पक्ष बंटे हुए: रिपोर्ट

अनताल्या। ईरान युद्ध को खत्म करने से संबंधित बातचीत चुनौतीपूर्ण बनी हुई है और मूल मुद्दों पर दोनों पक्षों के बीच असहमति बरकरार है। तुर्की सरकार के एक सूत्र ने यह दावा किया। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोमवार को कहा था कि अमेरिका-ईरान बातचीत सही दिशा में बढ़ रही हैं, हालांकि तुर्की सरकार के इस सूत्र ने ट्रम्प के दावे से बिल्कुल विपरीत बयान दिया है। स्पूतनिक की एक रिपोर्ट में सूत्र के हवाले से कहा गया कि ईरान वार्ता बेहद तनावपूर्ण माहौल में चल रही है। दोनों पक्ष कई अहम मुद्दों पर अब भी असहमत हैं। इसकी वजह से समझौता मुश्किल हो गया है और पहले से अधिक कूटनीतिक प्रयासों की जरूरत बढ़ गई है।

चीन पर क्यों नहीं पड़ा तेल संकट का असर

20 साल पहले इमरजेंसी भंडार बनाए, नए तरीकों से बिजली, केमिकल के लिए भी निर्भर नहीं

बीजिंग। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच जहां कई देश ऊर्जा संकट से जूझ रहे हैं, वहीं चीन पर इसका असर बाकी दुनिया के मुकाबले कम दिखाई दे रहा है।

इसकी वजह यह है कि चीन खुद को कई सालों से ऐसे हालात के लिए तैयार कर रहा था। चीन दुनिया का सबसे बड़ा तेल खरीदने वाला देश है, इसलिए अगर तेल की सप्लाई में रुकावट आती है तो उसे सबसे ज्यादा नुकसान होना चाहिए था। लेकिन चीन ने पहले से ही बड़ी मात्रा में तेल जमा करके रखा हुआ है। इसके अलावा चीन बिजली से चलने वाले सिस्टम पर शिफ्ट कर चुका है और कोयले से भी जरूरी चीजें बना रहा है। चीन ने धीरे-धीरे अपनी ऊर्जा पालिसी को इस तरह बदला कि वह वैश्विक सप्लाई शाक का सामना कर सके।

- चीन दुनिया का सबसे बड़ा तेल खरीदने वाला देश है, चीन ने पहले से ही बड़ी मात्रा में तेल जमा करके रखा हुआ है

सरकार ने अहम सेक्टर्स में निवेश बढ़ाया और इंडस्ट्रियल स्ट्रेंथ को राष्ट्रीय सुरक्षा का हिस्सा बनाया। इसके साथ-साथ उसने बिजली बनाने के दूसरे तरीकों पर भी तेजी से काम किया है, जैसे सौर ऊर्जा, हवा से बनने वाली ऊर्जा और पानी से बनने वाली बिजली। इसी कारण अब चीन में पेट्रोल और डीजल की मांग धीरे-धीरे कम होती जा रही है। चीन की सरकार लंबे समय से यह मानती है कि मजबूत इंडस्ट्री ही देश की असली ताकत होती है। इसी सोच के तहत उसने अपनी फैक्ट्रियों और उत्पादन क्षमता को इतना मजबूत बना लिया है कि उसे बाहर के देशों पर कम निर्भर रहना पड़े। खास तौर पर उसने उन सेक्टर पर ज्यादा ध्यान दिया, जो उसके लिए रणनीतिक रूप से जरूरी हैं। सरकार सीधे तौर पर दिशा देती रही कि किन क्षेत्रों को मजबूत करना है, ताकि चीन किसी भी पश्चिमी देश के दबाव में न आए। ऊर्जा इस पूरी रणनीति का सबसे अहम हिस्सा रही है। कुछ साल पहले तक चीन पेट्रोल-डीजल वाली गाड़ियों का सबसे बड़ा बाजार था, लेकिन अब वह इलेक्ट्रिक गाड़ियों का सबसे बड़ा बाजार बन चुका है। इसका मतलब यह है कि वहां अब बड़ी संख्या में गाड़ियां तेल की जगह बिजली से चल रही हैं, जिससे तेल पर निर्भरता कम हो रही है।

सील टीम-6 ने पहाड़ों से अमेरिकी पायलट को बचाया

वाशिंगटन। अमेरिका ने ईरान में लापता दोनों पायलट्स को 36 घंटे के भीतर रेस्क्यू कर लिया। ईरान में 3 अप्रैल को एक ऑपरेशन पर गए एम-15ई फाइटर जेट्स पर हमला हुआ था। विमान के क्रैश होने से पहले दोनों पायलट्स पैराशूट की मदद से इजेक्ट हो गए थे।

इसमें से एक पायलट को अमेरिकी सेना ने कुछ ही घंटे बाद ढूंढ लिया जबकि दूसरे के लिए एक बड़ा रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। इसकी सफलता की तारीफ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भी की। उन्होंने इसे देश के इतिहास का सबसे खतरनाक रेस्क्यू मिशन बताया। एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि अमेरिकी नेवी की स्पेशल यूनिट 'सील टीम-6' ने इसे अंजाम दिया।

ग्राम के विकास के लिए समर्पित
फिरोज बेग
ग्राम प्रधान पद के युवा, शिक्षित व ईमानदार प्रत्याशी
ग्राम पंचायत रेहड़

नेपाल की नई सरकार ने लिया बड़ा फैसला

काठमांडू। नेपाल सरकार ने एक बड़ा फैसला लेते हुए भारत समेत छह देशों से अपने राजदूतों को वापस बुला लिया है। इन सभी राजदूतों की नियुक्ति पिछली के.पी. शर्मा ओली सरकार ने की थी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लोक बहादुर क्षेत्री ने बताया कि कैबिनेट की बैठक में यह निर्णय लिया गया। जिन देशों से राजदूतों को वापस बुलाया गया है, उनमें भारत, आस्ट्रेलिया, श्रीलंका, डेनमार्क, दक्षिण कोरिया और दक्षिण अफ्रीका शामिल हैं। नेपाल सरकार के इस फैसले के बाद अब भारत में नेपाल के राजदूत शंकर प्रसाद शर्मा को भी अब वापस लौटना होगा। इसके अलावा जिन राजदूतों को वापस बुलाया गया है उनमें- आस्ट्रेलिया से चित्रलेखा यादव, डेनमार्क से सुम्निमा तुलाधर, श्रीलंका से पूर्ण बहादुर नेपाली, दक्षिण कोरिया से शिवमाया तुम्बाहाम्फे और दक्षिण अफ्रीका से कपिलमान श्रेष्ठ को वापस बुलाया गया है। नेपाली विदेश मंत्रालय मुताबिक ने सोमवार को इन सभी राजदूतों को पत्र जारी कर दिए हैं। सरकार ने उन्हें एक महीने के भीतर नेपाल लौटने का निर्देश दिया है। इससे पहले, अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की के नेतृत्व वाली कार्यवाहक सरकार ने भी ओली प्रशासन के समय राजनीतिक कोटे के तहत नियुक्त 17 में से 11 राजदूतों को वापस बुला लिया था।

आवश्यकता है
जामिया इस्लामिया अरबिया मुरादिया स्कूल, चरथावल रोड
(English Medium - कक्षा 1 से 5 तक)
विद्यालय हेतु एक योग्य एवं अनुभवी प्रधानाचार्य (Principal) तथा प्रशिक्षित अध्यापकों (Teachers) की आवश्यकता है।
प्रधानाचार्य के लिए योग्यता: स्नातक/स्नातकोत्तर (शिक्षा में वरीयता) B.Ed
अध्यापक के लिए योग्यता: स्नातक/स्नातकोत्तर (संबंधित विषय में) B.Ed/BTC
आकर्षक वेतन (योग्यता एवं अनुभव के अनुसार), अनुशासित एवं शैक्षणिक वातावरण
प्रवेश संबंधित सूचना: प्रवेश प्रारंभ (Admissions Open)
मासिक शुल्क: 50 रु. मात्र, प्रवेश निःशुल्क (Free Admission)
स्थान: चरथावल रोड: इच्छुक अभ्यर्थी अपना Resume शीघ्र भेजें या संपर्क करें।
M. : 9368215210

NUTEMA HOSPITAL
Bringing New Hope To Life !
आरोग्यम् सुख सम्पदा
www.nutemahospital.com
Celebrating 9th year
सेवा, समर्पण और विश्वास के 9 वर्ष
FOUNDATION DAY
अपने 9वें स्थापना दिवस के अवसर पर हम अपने सभी Patients, their Families, Doctors, Staff और Meerut की जनता का दिल से धन्यवाद करते हैं।

हमारे सफर का एक और गर्वपूर्ण पड़ाव
इस विशेष अवसर पर Nutema Hospital, Meerut गर्व के साथ अपने 9वें स्थापना दिवस का उत्सव मना रहा है। यह दिन केवल एक वर्षगांठ नहीं, बल्कि उन हजारों patients के विश्वास, doctors की विशेषज्ञता और हमारी dedicated medical team के निरंतर प्रयासों का प्रतीक है।
हमारा उद्देश्य हमेशा से यही रहा है कि advanced medical technology, experienced doctors और compassionate patient care के साथ हर मरीज को सर्वोत्तम इलाज प्रदान किया जाए।
Ambulance No.: 70881 60666 / 70882 60666
Opp. L.L.R.M. Medical College, Garh Road, Meerut-250004
t: 0121-2600 666, 94126 00666, 99276 00666 | e: info@nutemahospital.com
for any enquiry 9675 600 666

अब खबरें आपके मोबाइल फोन पर...
www.shahtimesnews.com

यौन समस्याएं
यौन समस्याओं के विशेषज्ञ

पुराने से पुराने यौन रोग के मरीज एक बार अवश्य मिलें
डा. सम्राट
नशामुक्ति, शराब, बीड़ी, सिगरेट, गुटखा तम्बाकू, प्रोक्सीवॉन कैप्सूल अफीम, चरस, डोडे पोस्त इंजेक्शन व अन्य नशा छुड़ाने का स्थायी ईलाज।
नावल्टी सिनेमा चौक
मुजफ्फरनगर (यू.पी.)
M-9412211108

श्री कृष्णा वोकेशनल एण्ड पैरामैडिकल कॉलेज
गांधी कॉलोनी, मेन पचैण्डा रोड, निकट गऊशाला, मुजफ्फरनगर
प्रवेश सूचना-पैरामेडिकल/वोकेशनल एण्ड यूनिवर्सिटी कोर्स
10th व 12th (OPEN Board) से करें (विषय-साइंस, आर्ट, कॉमर्स etc.)
प्रवेश- 10th हेतु- 8th पास/10thफेल, 12th हेतू-10th पास/12th फेल
(Fresh, Part Admission & TOC Facility Available) (Exam-July व Oct 2026)
NIOS(शिक्षा मंत्रालय) कोर्स- DNYS, Radiology (X-Ray Tech), CCH(एलोपैथिक), CAT(आयुर्वेदिक-पंचकर्मा टैक), CHD(होम्योपैथिक), Diploma in Yoga & YTTP, ECCE-(प्री-प्राईमरी शिक्षक हेतु), CCA (कम्प्यूटर), ET (इलेक्ट्रिकल टैक.) ETC.
Contact us for UGC Approved University Courses:-
Dip. in CMS&ED, Dip. in Panchkarma Therapy, OT Tech., DMLT, BMLT, BNYS, Optometry, Ophthalmic, Dental Tech & Hygiene, Radiology & Imaging Tech, Dietician and Nutritionist, Optician Dispensing, MPHW, MRT, Agriculture, Bachelor (All Paramedical) BBA, MBA, BSC, MSC, B.Com, M.Com, M.A. B.A. Polytechnic, ITI, Nursing Assitant Etc.
M.: 8505978850, 9634519104

ADMISSION OPEN
Mom & Me
NURTURING WITH LOVE
PLAY | NURSERY | LKG | UKG | 1st to 4th
M.: 9997023008
Branch1- New Mandi, Near Bala ji Dham Chowk
Branch2- Circular Road, Opp. Canara Bank

जो माता-पिता अपने बच्चों की पढ़ाई से संतुष्ट नहीं हैं और अपने बच्चों को किसी भी क़ीमत पर होशियार और सफल बनाना चाहते हैं तो संपर्क करें!
ESTD. 1995
Unique COACHING CENTRE
UNIQUE SUCCESS POINT
पहले देखे! फिर विश्वास करें!
FREE 10 DAYS DEMO
आपकी एक मीटिंग हमारे साथ आपके बच्चों का जीवन बदल सकती है!
BOTH U.P. & C.B.S.E. BOARD STUDENTS CLASS I TO X
+91 7505612792
+91 9412507193
DIR- LOKESH CHAUHAN
M.Sc (Phy.), B.Ed.